THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 103 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ अमावस्या 2083 मंगलवार, 14 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **KOMPALLY** Ph: 7303083789, RENAULT **NACHARAM** Ph: 7303083785, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

136 साल पुरानी मस्जिद में नमाज पर रोक क्यों?

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने बताई वजह

मुख्यमंत्री ने सिद्दीकउल्लाह चौधरी को क्या जवाब दिया?

सिद्दीकउल्लाह चौधरी के विरोध पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बहुत ही धीमी आवाज में अपनी आपत्ति दर्ज कराई है क्योंकि वह नई सरकार से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पिछली सरकार सत्ता में होती तो वे सीधे धमकियां देते और धौंस जमाते। तब वे यह कहकर दबाव बनाते कि पिछली सरकार एक विशेष समुदाय के वोटों की बदौलत ही सत्ता में आई है।

दमदम उत्तर क्षेत्र से भाजपा विधायक सौरव सिकदर ने दावा किया है कि हवाई अड्डा परिसर में मस्जिद की मौजूदगी के कारण दोनों रनवे का पूरी तरह से उपयोग नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा इससे सुरक्षा को लेकर भी बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। विधायक ने दावा किया कि नमाज के लिए मस्जिद में आने वाले लोगों को किसी भी तरह के सुरक्षा पास या बैकग्राउंड वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं होती है।

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर स्थित मस्जिद में प्रवेश पर अस्थायी रोक लगाई गई है। इसके साथ ही सामूहिक नमाज भी अस्थायी रूप से स्थगित की गई है। अब इस मामले में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बयान दिया है। उन्होंने इस रोक का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थान है जिसकी भौगोलिक और राजनीतिक अहमियत बहुत ज्यादा है। अधिकारी ने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता और बाहरी लोगों के लिए हवाई अड्डे के दरवाजे खुले नहीं रखे जा सकते।

राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा और कोलकाता अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा हमारे लिए सबसे पहले है।

उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री के तौर पर वह इस संवेदनशील मुद्दे पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करेंगे। कोलकाता हवाई अड्डे की भौगोलिक स्थिति बेहद संवेदनशील है क्योंकि इसके पास ही चीन और बांग्लादेश की सीमाएं हैं। ऐसी स्थिति में इस अति सुरक्षित परिसर के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रखे जा सकते। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार ने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि बकरीद का त्योहार पशु वध कानूनों का पालन करते हुए शांति से मनाया गया। इसी तरह मुहर्रम के दौरान भी किसी को हथियार लहराने की अनुमति नहीं दी गई और सब कुछ शांति से संपन्न हुआ। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कानून का पालन करें और अच्छे नागरिक की तरह व्यवहार करें। धर्म एक व्यक्तिगत मामला है और इसे दूसरों पर थोपने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए।

मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष ने क्या विरोध दर्ज कराया?

इस रोक का विरोध मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सिद्दीकउल्लाह चौधरी ने किया है। यह मस्जिद हवाई अड्डा परिसर में दूसरे रनवे के बेहद पास स्थित है। चौधरी का कहना है कि यह ऐतिहासिक मस्जिद 135 साल से भी ज्यादा पुरानी है। उन्होंने तर्क दिया कि जब इस स्थान को लेकर हवाई अड्डा प्रशासन और सरकार के बीच बातचीत चल रही थी तो नमाज पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए थी। उन्होंने बिना सूचना दिए प्रवेश पास रोकने के स्थानीय प्रशासन के फैसले पर नाराजगी जताई।

असली-नकली टीएमसी पर कीर्ति आजाद ने उठाए सवाल

ऋतब्रत अबतक ईसी में क्यों नहीं जमा करा सके दस्तावेज?

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और ऋतब्रत गुट को टीएमसी की लीडरशिप, चुनाव चिह्न और हस्ताक्षर करने वालों के बारे में अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज जमा करने का आदेश दिया है। इस पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने ऋतब्रत गुट से सवाल पूछे।

टीएमसी सांसद ने क्या कहा?

उन्होंने पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'चुनाव आयोग ने नकली गुट और हमारे असली गुट, दोनों के लिए दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 6 जुलाई तय की थी। नकली गुट आखिरी समय तक कुछ भी जमा नहीं कर पाया। आम तौर पर, तय दिन पर ही दस्तावेज जमा करने होते हैं, लेकिन वे बाद में कई बार बदलाव करते रहे।

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग पार्टी छोड़कर चले गए, वे अब अलग-अलग जगहों पर दफ्तर बना रहे हैं। खुद को असली पार्टी के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बात सभी के लिए बिल्कुल साफ है कि कौन असली है और कौन नकली। हर कोई चुनाव आयोग की सच्चाई जानता है। वे बस मिलकर साजिश रच रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि बंगाल में ममता बनर्जी से बड़ा कोई नेता नहीं है।'

आयुष्मान दिवस पर क्या बोले?

वहीं, पश्चिम बंगाल सरकरा 16 अगस्त को 'आयुष्मान दिवस' मनाएगी। इस पर टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा,'असल में 'आयुष्मान दिवस' से किसी को कोई फायदा नहीं हो रहा है। पहले 'स्वास्थ्य साथी' स्कीम के तहत, किसी के पास घर, कार या मोटरसाइकिल हो, तब भी उन्हें फंड मिल सकता था। वे प्राइवेट या सरकारी अस्पताल जाकर आसानी से पैसे ले सकते थे। उन्होंने आगे कहा कि आयुष्मान भारत स्कीम में कई कमियां हैं। अगर आपके घर में साइकिल, मोटरसाइकिल या टीवी भी है, तो आप फायदा पाने के लिए अयोग्य हो जाते हैं। फायदा पाने वालों की अभी तक कोई सही लिस्ट नहीं बनी है, तो लोग फायदा मिलने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

नशे पर एक्शन : सीएम सरमा बुलडोजर पर हुए सवार, रौंद डाली 472 करोड़ की ड्रग्स

नलबाड़ी, 13 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य भर में जब्त की गई 472 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स को 10 दिनों में नष्ट करने का अभियान शुरू किया। नलबाड़ी जिले में इस अभियान की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि असम को नशामुक्त बनाने के लिए राज्य मादक पदार्थों के मामलों से निपटने में निर्दयी रुख अपनाएगा। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा अपने अकाउंट पर एक वीडियो में पोस्ट किया। जिसमें वे ड्रग्स को नष्ट करने के लिए रोड रोलर का इस्तेमाल करते दिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने क्या बोला?

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा 'नलबाड़ी के दौलाशाल स्थित 14वें एपीबीएन परिसर में असम के राज्यव्यापी मादक पदार्थों के विनाश अभियान के शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा ने घोषणा की कि असम पुलिस की ओर से जब्त की गई 472.51 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की दवाओं को अगले 10 दिनों में नष्ट कर दिया जाएगा।'

केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास पर क्या कहा?

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र की मदद से एक कदम आगे बढ़ रही है क्योंकि वह आने वाले समय में अंतरराज्यीय ड्रग्स कार्टेल को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा, 'केंद्र और राज्य सरकार का यह संयुक्त प्रयास हमें अवैध पदार्थों की आवाजाही पर नजर रखने, आपराधिक रिकॉर्ड वाले अपराधियों की पहचान करने और उन्हें असम में प्रवेश करने से पहले ही सीमाओं पर पकड़ने और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मजबूत आधार तैयार करने में मदद करेगा।

असम सरकार अगले पांच वर्षों क्या करेंगी?

हम नशीले पदार्थों के खिलाफ इस लड़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे - यह एक वादा और चेतावनी है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सीमा पर बाड़ लगाना ही इस मामले में मददगार नहीं है और इसलिए, नशीले पदार्थों से जुड़े गिरोहों को जड़ से खत्म करने का प्रयास करना आवश्यक है।

सिर नीचे और धड़ एलिवेटर पर, दुकान में जुगाड़ लिफ्ट में फंसकर युवक की गर्दन कटी

हिसार, 13 जुलाई (एजेंसियां)। हिसार में सिटी थाना रोड स्थित मिठाई की दुकान में लगी जुगाड़ की लिफ्ट में हादसा होने से एक कारिंदे की दर्दनाक मौत हो गई। कारिंदे जसबीर की धड़ और सिर अलग हो गया।

सुबह करीब छह बजे हुए इस हादसे की सूचना मिलते ही दुकान मालिक व पुलिस मौके पर पहुंची। शव को जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। दोपहर बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। लिफ्ट में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने से पता नहीं चल सका की हादसा कैसे हुआ। पुलिस ने फिलहाल इत्तफाकिया मौत की कार्रवाई की है। सिटी थाना पुलिस के मुताबिक कुंभाखेड़ा निवासी जसबीर (33) शनिवार रात दुकान में ही रुक गया था।

थलपति विजय सरकार की सुप्रीम कोर्ट में बड़ी जीत

तमिलनाडु में गो-हत्या पर बैन खत्म

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। गो-हत्या पर सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति सी जोसेफ विजय की सरकार को बड़ी जीत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने प्रदेश में गो-हत्या पर मद्रास हाई कोर्ट की ओर से लगाए गए पूर्ण पाबंदी वाले आदेश पर रोक लगा दी है। मतलब, राज्य में अब गो-हत्या पर हाई कोर्ट के आदेश की वजह से बकरीद के समय लगा प्रतिबंध हट गया है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता सोमवार को तमिलनाडु सरकार की ओर से दायर स्पेशल लीव पिटीशन पर नोटिस जारी करते हुए मद्रास हाई कोर्ट के आदेश पर अपना यह अंतरिम आदेश जारी किया है। तमिलनाडु की सी जोसेफ विजय सरकार ने प्रदेश में गाय और बछड़े की हत्या पर पूरी तरह से बैन लगाने के मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

पहली नजर में आदेश में सुधार की जरूरत- सुप्रीम कोर्ट

लाइवलॉ की रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि मद्रास हाई कोर्ट का प्रदेश-व्यापी प्रतिबंध लगाने वाले आदेश के अंतिम पैराग्राफ में पहली नजर में 'सुधार' की जरूरत है। इस केस में तमिलनाडु सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी की।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की दलील

तमिलनाडु सरकार की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि हाई कोर्ट का आदेश तमिलनाडु एनिमल प्रिजर्वेशन एक्ट,1958 का विरोधाभासी है। इसके तहत सक्षम अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट के आधार पर 10 साल से ज्यादा उम्र की वह गाय, जो कि काम में इस्तेमाल या बच्चा देने लायक नहीं हैं, उनकी हत्या की अनुमति है। इस कानून के अलावा राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के आदेश को प्रिवेंशन ऑफ क्रुअलिटी टू एनिमल्स एक्ट, 1960, प्रिवेंशन ऑफ क्रुअलिटी टू एनिमल्स (स्लाउटर हाउस) रूल्स, 2001, तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज एक्ट, 1998 और तमिलनाडु अर्बन लोकल बॉडीज रूल्स, 2023 के आधार पर भी चुनौती दी थी। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि पूर्ण पाबंदी का आदेश देकर मद्रास हाई कोर्ट ने वैधानिक कानून पर न्यायिक कानून थोप दिया है।

मद्रास हाई कोर्ट के आदेश में क्या था

मद्रास हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने के बाद 27 मई, 2027 को बकरीद की पूर्व संध्या पर तमिलनाडु में गो-हत्या पर पूर्ण पाबंदी वाला आदेश जारी किया था।

हिंदू मक्कल कच्ची के महासचिव के सूर्या पारसनाथ की पीआईएल पर जस्टिस जीआर स्वामिनाथन और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण ने यह आदेश जारी किया था। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि 'कुर्बानी' सिर्फ तय स्थानों पर ही दी जाएं।

'फैसले करना ही जिम्मेदारी नहीं'

सीजेआई सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट के 4 जजों को दे दिया बड़ा काम

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि पुराने आपराधिक और दीवानी मामलों के लिए सुप्रीम कोर्ट की चार विशेष पीठ बनाई गई हैं, जो अरसे से लंबित करीब 800 मामलों का निपटारा करेंगी। (सिजेआई) सूर्यकांत का कहना है इससे न्याय में लोगों का भरोसा और बढ़ेगा। यह कदम तब उठाया गया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह से कामकाज शुरू कर दिया है। गर्मियों में भी सुप्रीम कोर्ट ने मामलों की आंशिक सुनवाई जारी रखी थी। 13 जुलाई से सुप्रीम कोर्ट का नया रोस्टर लागू हो गया है।

सीजेआई सूर्यकांत बोले-लोगों का भरोसा कायम करना मकसद

बातचीत में सीजेआई सूर्यकांत ने विशेष बेंच को लेकर कहा कि इस पहल का मकसद न्याय देने वाली व्यवस्था में लोगों का भरोसा कायम रखना है। उन्होंने कहा है कि इस मामले को लेकर यह सुनिश्चित करना कि बहुत पुराने मामलों पर लगातार न्यायिक ध्यान दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने रविवार को कहा, 'न्यायपालिका की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सिर्फ मुकदमों का फैसला करना नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे समय में निपटाना है जिससे कानून के शासन में नागरिकों का भरोसा बना रहे। हर पुराने लंबित मामले के पीछे एक ऐसा व्यक्ति होता है, जिसने मामले के निपटारे के लिए बरसों और कभी-कभी दशकों तक इंतजार किया होता है।' जस्टिस सूर्यकांत ने कहा-'किसी मामले के पुराने होने की वजह से उसे लगातार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सबसे पुराने दीवानी और आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए खास बेंच बनाकर सुप्रीम कोर्ट एक ऐसी व्यवस्था बनाना चाहता है जिसमें लंबे समय से लंबित मुकदमों पर लगातार और बिना किसी रुकावट के न्यायिक ध्यान दिया जाए।'

'वादा, भरोसा और न्याय नहीं रुकेगा'

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हर पुराना केस जब अपने तार्किक नतीजे तक पहुंचता है, तो इससे न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ता है और उस संवैधानिक वादे की पुष्टि होती है कि समय बीतने के साथ न्याय नहीं रुकेगा। किसी मामले के पुराने होने की वजह से उसे लगातार नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हर पुराना केस जब अपने तार्किक नतीजे तक पहुंचता है, तो इससे न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ता है। 13 जुलाई से लागू होने वाले सुप्रीम कोर्ट के नए रोस्टर नोटिफिकेशन में कहा गया है-'जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एसवीएन भट्टी की अध्यक्षता वाली दो डिवीजन बेंच मंगलवार, बुधवार और गुरुवार (यानी नॉन-मिसलेनियस दिनों) को खास तौर पर सबसे पुराने सिविल मामलों की सुनवाई करेंगी।'

दो बसों की टक्कर में 5 लोगों की मौत, 42 घायल

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मदुरै जिले के कोट्टमपट्टी के पास सोमवार तड़के प्राइवेट ओमनी बस की तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम (टीएनएसटीसी) की बस से आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई बच्चों समेत 42 लोग घायल हो गए। यह हादसा कोट्टमपट्टी के पास वंदिनगर के नजदीक चार-लेन वाले नेशनल हाईवे पर हुआ।

चेन्नई से मार्थंडम जा रही प्राइवेट ओमनी बस बेकाबू हो गई और सेंट्रल मीडियन पार करके दूसरी तरफ की लेन में चली गई। इसके बाद वह सामने से आ रही टीएनएसटीसी बस से जोरदार ढंग से टकरा गई, जिससे दोनों गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा। दोनों बसों में टक्कर बहुत जोरदार थी। टक्कर के बाद प्राइवेट बस हाईवे से हटकर सड़क किनारे बने पैसेंजर शेल्टर से जा टकराई। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया, जिससे कई यात्री अंदर ही फंस गए।

'भिक्षा मांगने वाले भी न्यूजीलैंड जाते थे'

पीएम मोदी पर सुप्रिया श्रीनेत का कटाक्ष

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं पर हमला बोला है। कांग्रेस की सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा को लेकर सवाल उठाते हुए उनकी उम्र के साथ-साथ पीएम मोदी पर कटाक्ष भी किया है। हालांकि, इस पर यूजर्स भी भड़क गए हैं और सुप्रिया श्रीनेत को लगे हाथ नसीहत भी दे डाली है।

सुप्रिया श्रीनेत ने मोदी और मफलर पर हमला बोला

कांग्रेस की सोशल मीडिया विंग की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा-'आज न्यूजीलैंड में नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह 30 साल पहले न्यूजीलैंड आए थे। तब उन्हें कोई जानता नहीं था और वहां उनके एक साथी ने उन्हें एक मफलर, एक टोपी और एक जोड़ी दस्ताने गिफ्ट किए थे।' 52 साल की उम्र तक पीएम मोदी ने अपना जीवन चाय बेचने और भिक्षा मांगने में बिताया।

सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस सोशल मीडिया चेयरपर्सन

सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाई अच्छे दिन तो कांग्रेस राज में ही था, जब भिक्षा मांगकर जीवनयापन करने वाले भी न्यूजीलैंड घूमने जाया करते थे।

सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम मोदी की उम्र का बताया गणित

सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा-'30 साल पहले उनकी उम्र 45 साल थी। उन्होंने पहले यह भी बताया है कि वह 17 साल की उम्र तक चाय बेचते थे। और यह भी बताया था कि 35 साल तक उन्होंने भिक्षा मांगकर अपना जीवन चलाया। तो मतलब 17 + 35 = 52 साल की उम्र तक उन्होंने अपना जीवन चाय बेचने और भिक्षा मांगने में बिताया। उसी दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड की यात्रा भी की। भाई जो भी कहिए अच्छे दिन तो कांग्रेस सरकार में ही थे, भिक्षा मांगकर जीवनयापन करने वाले भी न्यूजीलैंड घूमने जाते थे।'

पुलिस बोली-बद्रीनाथ मंदिर समिति के कर्मचारी ने की चोरी

मोबाइल के नीचे छिपाकर ले जाता था 500 रुपये के नोट और सोना-चांदी; देहरादून से गिरफ्तार

चमोली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी के मामले में चमोली पुलिस की एसआईटी ने बद्री-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी ने उन्हें 12 जुलाई की रात करीब 10 बजे देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया। उन्हें चमोली लाया गया, जहां बद्रीनाथ थाने में उनसे और मंदिर समिति के चार कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी की टीम सादी वर्दी में देहरादून पहुंची थी। बद्रीनाथ थाने में पूछताछ के दौरान जब प्रमोद नौटियाल से पूछा गया कि क्या चढ़ावा चोरी के मामले में मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी भी शामिल हैं, तो उन्होंने सिर हिलाकर 'नहीं' में जवाब दिया। चमोली पुलिस के अनुसार, 8 जुलाई को प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवाण की शिकायत पर बद्रीनाथ कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर गठित एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच की।

जांच में प्रमोद नौटियाल को कई बार मोबाइल के नीचे और जेब में मंदिर की धनराशि व अन्य भेंट सामग्री ले जाते हुए पाया गया। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने 500 रुपये के नोट, सोना-चांदी के सिक्कों के पैकेट, शालिग्राम शिला और केसर का पैकेट भी अवैध रूप से अपने कब्जे में लिया था। मामले में 10 जुलाई को हाईकोर्ट के जस्टिस आलोक मेहरा की एकलपीठ ने प्रमोद नौटियाल की याचिका पर सुनवाई की थी। साथ ही मंदिर समिति से चढ़ावा मामले में 16 जुलाई को स्थिति स्पष्ट करते हुए जवाब दाखिल करने को कहा था।

बद्रीनाथ धाम जांच में अहम सबूत मानी जा रही 32 दिन की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग गायब

चमोली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावा और दान राशि में कथित हेराफेरी मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। दावा है कि जांच के लिए अहम सबूत मानी जा रही 32 दिन की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग गायब है।

बद्रीनाथ धाम के दान प्रकरण में पहले 45 दिन की फुटेज सुरक्षित होने का दावा किया गया था। सूत्रों ने बताया है कि अभी 32 दिनों की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जांच टीम को नहीं मिली। सूत्रों ने यह भी कहा है कि डिलीट हुई फुटेज को वापस लाने के लिए तकनीकी टीमें जुटी हैं। इससे पहले, एसआईटी की रिपोर्ट में बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे और दान में कई बार चोरी होने का दावा किया गया। एसआईटी ने पिछले दिनों अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट सीईओ को सौंपी। सूत्रों ने बताया कि चार सदस्यीय जांच टीम ने 18 पन्नों की रिपोर्ट में विस्तार से पूरी घटना और अपनी जांच का ब्योरा दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 103 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ अमावस्या 2083 मंगलवार, 14 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

विवादित बयान पर उमर अब्दुल्ला को सात दिनों का अल्टीमेटम

जम्मू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ भाजपा की ओर से 100 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे की चेतावनी दी गई है। भाजपा की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस पर वकील परिमोक्ष सेठ ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए रिश्वत के आरोप पूरी तरह झूठे, निराधार और मानहानिकारक हैं। यदि सात दिनों के भीतर मुख्यमंत्री अपनी टिप्पणी वापस लेकर लिखित माफी नहीं मांगते हैं, तो उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि के साथ-साथ 100 करोड़ रुपये का दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा। परिमोक्ष सेठ ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि मेरे मुवक्किल भाजपा के निर्देश पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा गया है।

रूस ने ईरान को भेजा 'प्रलय विमान'

* क्या अब बदल जाएगी जंग की दिशा * अमेरिका के लिए कितना बड़ा संदेश

तेल अवीव, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच रूस का एक खास विमान के ईरान पहुंचने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने अपना टीयू-214पीयू एयरबोर्न कमांड एयरक्राफ्ट तेहरान भेजा है।

यह कोई आम विमान नहीं है। इसे युद्ध या बड़े संकट के समय देश की कमान संभालने के लिए बनाया गया है। इसी वजह से इसे कई बार 'डूम्सडे प्लेन' यानी प्रलय का विमान भी कहा जाता है। रक्षा मामलों के जानकारों का मानना है कि इस कदम से रूस ने दुनिया, खासकर अमेरिका को यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह ईरान के साथ खड़ा है। हालांकि रूस ने इस मिशन को लेकर आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। जब किसी देश पर बड़ा हमला हो जाए, सरकार का मुख्यालय खतरे में आ जाए या युद्ध की स्थिति बन जाए, तब भी देश का शीर्ष नेतृत्व काम करता रहे। इसी मकसद से ऐसे विमान बनाए जाते हैं। इन विमानों के अंदर एक चलता-फिरता कमांड सेंटर होता है। यहां से राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और सेना के बड़े अधिकारी सुरक्षित तरीके से फैसले ले सकते हैं। सेना को आदेश दे सकते हैं और देशभर की सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क बनाए रख सकते हैं। यही वजह है कि ऐसे विमानों को 'डूम्सडे प्लेन' कहा जाता है। यानी ऐसा विमान जो सबसे बड़े संकट में भी काम करता रहे।

यह विमान रूस के टीयू-214पीयू यात्री विमान का सैन्य संस्करण है। इसे खास तौर पर सरकारी और सैन्य कमान के लिए तैयार किया गया है। विमान में बेहद सुरक्षित संचार प्रणाली लगी है। यह हवा में रहते हुए सेना और सरकार के बीच संपर्क बनाए रख सकता है। इसकी क्रूजिंग स्पीड करीब 850 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह एक बार में लगभग 6,500 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है।

बार में आग, 27 मौतें, 63 घायल

बैंकॉक, 13 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार देर रात एक बार में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। थाई अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की वजह बिजली के सिस्टम में खराबी हो सकती है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग लगने की वजह की जांच अभी जारी है। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने कहा कि उन्हें रात 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक इमारत का बड़ा हिस्सा जल चुका था। घटनास्थल पर मौजूद एक म्यूजीशियन ने बताया कि बिजली जाने से कुछ देर पहले मंच के पास लगे सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलता दिखाई दिया था।

पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की मांग

> सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई जनहित याचिका

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे देश भर में पेपर लीक मामलों की समय-सीमा के भीतर जांच और तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए एक मानक प्रश्नावली और विशेष जांच प्रक्रिया तैयार करें।

अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में भ्रष्टाचार विरोधी, मनी लॉन्ड्रिंग, बेनामी संपत्ति और काले धन कानूनों के प्रावधानों को लागू करने के अलावा, पेपर लीक के अपराधियों और अपराध में कथित रूप से शामिल उनके परिवार के सदस्यों की चल और अचल संपत्तियों की जब्ती के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है। याचिका में, जिसमें केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, साथ ही भारत के विधि आयोग को प्रतिवादी बनाया गया है, यह तर्क दिया गया है कि बार-बार होने वाले पेपर लीक के देशव्यापी प्रभाव होते हैं, जिससे छात्र और उनके परिवार गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। याचिका में कहा गया है, पेपर लीक का देशव्यापी असर हुआ है, जिससे छात्रों और उनके परिवारों पर बुरा असर पड़ा है और कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। याचिका के अनुसार, पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों को रोकने, जांच करने और प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने में अधिकारियों की लगातार विफलता के परिणामस्वरूप संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है।

शाबाद हत्याकांड का आरोपी राजकुमार मृत मिला

आत्महत्या का संदेह, पत्नी और दो बच्चों समेत छह लोगों की हत्या का था आरोप

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के शाबाद मंडल में अपने परिवार सहित छह सदस्यों की सनसनीखेज हत्या के मुख्य आरोपी राजकुमार का शव सोमवार को कोथुर मंडल के पंजरला गांव के बाहरी इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने बताया कि शव के पास से कीटनाशक की एक बोतल बरामद हुई, जिससे संकेत मिलता है कि आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के दौरान आत्महत्या कर ली होगी। स्थानीय निवासियों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद उसकी पहचान की पुष्टि हुई। हत्याओं के बाद राजकुमार दो दिनों तक फरार रहा, जिसके चलते फ्यूचर सिटी कमिश्नरेट ने 12 विशेष टीमें तैनात कीं और उसकी गिरफ्तारी की जानकारी देने वाले को 2 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की।

जांचकर्ताओं का मानना है कि गहन तलाशी अभियान से बचने में नाकाम रहने के बाद उसने यह चरम कदम उठाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है और इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बताया कि राजकुमार के खिलाफ दर्ज पीओसीएसओ मामले का बदला लेने के लिए ये हत्याएं की गईं। उसे आखिरी बार तिम्मापुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर देखा गया था। हत्याएं करने के बाद उसने अपने माता-पिता को फोन करके घटना की जानकारी दी और तब से उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया है। उसे 15 मई को उसके खिलाफ दर्ज पीओसीएसओ मामले में जमानत पर रिहा किया गया था। विभाग ने मामले की लापरवाही के लिए एसआई रमेश को निलंबित कर दिया है।

काशी, मथुरा और संभल विवाद : हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया

वाराणसी/मथुरा/संभल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं।

बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है। विवाद क्या है : वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का

दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहां मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी। ज्ञानवापी परिसर को प्राचीन विश्वेश्वर मंदिर घोषित किया जाए।

मस्जिद परिसर में नियमित पूजा की अनुमति मिले। परिसर में मिले धार्मिक अवशेषों को मंदिर का हिस्सा माना जाए। मुस्लिम पक्ष की मांग : ज्ञानवापी को मस्जिद के रूप में बरकरार रखा जाए। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत नए दावों को खारिज किया जाए। मस्जिद में मुस्लिमों के नमाज के अधिकार सुरक्षित रहें। कहां सुनवाई और मौजूदा स्थिति : वाराणसी जिला अदालत, इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में पूजा के अधिकार, एएसआई सर्वे, वजूखाना क्षेत्र और धार्मिक स्थल अधिनियम से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद (मथुरा) :

विवाद क्या है : मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर बने मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी। हिंदू पक्ष की मांग : शाही ईदगाह मस्जिद हटाई जाए। पूरी भूमि श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट को सौंपी जाए। मंदिर का पुनर्निर्माण किया जाए। मुस्लिम पक्ष की मांग : मस्जिद को वैध धार्मिक स्थल माना जाए। 1968 के समझौते और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का पालन किया जाए। याचिकाएं खारिज की जाएं। इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जमीन के स्वामित्व, सर्वे और 1968 के समझौते की वैधता से जुड़े कई मुकदमे लंबित हैं।

अब शिक्षा में क्रांति का समय : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब 'बेईमान वसूली का तंत्र' बन गई है। उन्होंने कहा कि अब शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का समय आ गया है। राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत छात्रों से अपने दूसरे संवाद से पहले यह बात कही। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि दोनों ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में राहुल गांधी ने और क्या कहा :

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा, भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती, बेईमानी- ये चार शब्द मेरे नहीं, ये देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। सच यही है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब एक बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा, जो व्यवस्था बच्चों के भविष्य को तैयार करने के लिए बनी थी, वो आज उन्हें और उनके परिवार को कर्ज, तनाव और निराशा में धकेल रही है। कांग्रेस नेता ने कहा, इसी भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया, जो तैयारी कर रहे लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत एक झटके में लूट लेता है।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, यहां दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ठेके और तरक्की मिलती है। लेकिन सजा किसे मिलती है? उन छात्रों को, जिन्हें टूटे सपनों के साथ अकेले छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री यह सब देख रहे हैं। लेकिन उन्होंने चुप्पी चुनी है। जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है। और मीडिया में? बस एक लंबा सन्नाटा है। अब बहुत हुआ। अब शिक्षा में क्रांति का वक्त है। राहुल गांधी ने छात्रों से अपील की कि वे 17 जुलाई को देहरादून में उनसे जुड़ें और 'छात्रों की गूंज' अभियान को और मजबूत बनाएं।

राहुल गांधी ने 17 जून को राजस्थान के कोटा में 'छात्रों की गूंज' की पहली रैली को संबोधित किया था। वह आगे भी दूसरे शहरों में ऐसी रैलियों को संबोधित करेंगे। कोटा की रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि भारत की शिक्षा व्यवस्था चयन की व्यवस्था नहीं, बल्कि अस्वीकृति की व्यवस्था बन गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या ट्रस्ट को जारी किया नोटिस

एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया गया है। वहीं, कोर्ट ने मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश एसआईटी को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई। ये याचिकाएं राजद सांसद सुधाकर सिंह, अधिवक्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी और वकील अजय कुमार राय व दिनेश कुमार यादव और हिन्दू धर्म परिषद ने दायर की हैं। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट में एक वकील ने कहा कि 123 साल की लड़ाई के बाद एक और लड़ाई शुरू हो गई है। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है और इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप वाले सबूतों को सुरक्षित रखा जाना जरूरी है। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी को निर्देश दिया कि स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की जाए। इसके बाद सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। बाद में कोर्ट ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए अगले सोमवार को सूचीबद्ध किया। गौरतलब है कि यह मामला अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों की ओर से दान किए गए नकद और कीमती सामान के गलत इस्तेमाल के आरोपों से जुड़ा है।

दिल्ली दंगा केस में कोर्ट ने सुनाया फैसला

ताहिर हुसैन को माना आईबी अधिकारी अंकित की हत्या का दोषी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में सोमवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को हत्या और आपराधिक साजिश रचने का दोषी करार दिया है।

ताहिर समेत कुल 11 लोग बनाए गए थे आरोपी :

कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज प्रवीण कुमार ने इस हाई-प्रोफाइल मामले पर फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया।

इस पूरे मामले में ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपी शामिल हैं, जिनके खिलाफ कोर्ट ने मार्च 2023 में हत्या, दंगा भड़काने और धार्मिक विद्वेष फैलाने जैसी संगीन धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

क्या था पूरा मामला :

फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के सांप्रदायिक दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा लापता हो गए थे। इसके अगले दिन उनका शव चांद बाग पुलिया के पास एक नाले से बरामद हुआ था, जिस पर चोटों के गहरे निशान थे। अंकित शर्मा के पिता की शिकायत पर दयालपुर थाने में ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दंगाइयों की भीड़ को उकसाने और इस पूरी साजिश के पीछे ताहिर हुसैन की मुख्य भूमिका थी। अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद अब जल्द ही दोषियों की सजा की अवधि पर बहस होगी।

भाजपा में शामिल हुए तीनों टीएमसी नेताओं ने किया नामांकन

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 24 जुलाई को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवारों सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि तीनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपने कागजात जमा कर दिए। विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद राय, देव और बराइक के संसद के उच्च सदन से इस्तीफा देने और पार्टी छोड़ने के कारण राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो गई थीं। अब वे लगभग एक महीने बाद भाजपा के टिकट पर संसद में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वे 9 जुलाई को भाजपा में शामिल हुए और कुछ ही घंटों के भीतर पश्चिम बंगाल से राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नामित कर दिए गए। विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद पूर्व टीएमसी नेताओं का भाजपा में यह पहला बड़ा प्रवेश था, जो इस बात का संकेत देता है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के प्रवेश पर पार्टी का चुनावोत्तर प्रतिबंध उन नेताओं पर लागू नहीं होगा।

टीएमसी की शहीद दिवस रैली पर सस्पेंस

पुलिस ने ममता को नहीं दी अनुमति

अब हाईकोर्ट के फैसले पर टिकीं निगाहें

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में 21 जुलाई को होने वाली तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। कोलकाता पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के बाद टीएमसी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अब इस मामले की सुनवाई 15 जुलाई को होगी। अदालत के फैसले के बाद ही यह साफ होगा कि पार्टी को एस्प्लेनेड में रैली करने की अनुमति मिलेगी या नहीं।

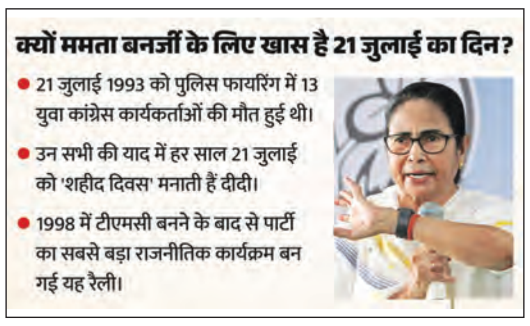

क्यों विवाद में फंसी 21 जुलाई की रैली :

टीएमसी ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि उसने एस्प्लेनेड स्थित विक्टोरिया हाउस के सामने हर साल की तरह शहीद दिवस रैली आयोजित करने के लिए अनुमति मांगी थी। लेकिन कोलकाता पुलिस ने आवेदन पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया। पार्टी का आरोप है कि प्रशासन ने जानबूझकर अनुमति देने में देरी की, जिसके बाद उसे अदालत का रुख करना पड़ा। सोमवार को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ के समक्ष मामले पर जल्द सुनवाई की मांग की गई। अदालत ने इसे स्वीकार करते हुए 15 जुलाई को सुनवाई की तारीख तय कर दी। 21 जुलाई की टीएमसी शहीद दिवस रैली की अनुमति पर विवाद खड़ा हो गया है। कोलकाता पुलिस ने एस्प्लेनेड में ममता बनर्जी को रैली की अनुमति नहीं दी है।

पुलिस ने बीएनएस की धारा 163 लागू होने का हवाला दिया है। टीएमसी के साथ बागी गुट ने भी उसी दिन उसी स्थान पर रैली का दावा किया है। पूरे मामले पर 15 जुलाई को कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। कोलकाता पुलिस का कहना है कि एस्प्लेनेड और आसपास के इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है। यह इलाका शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल है। कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए रैली की अनुमति नहीं दी गई।

दिल्ली में थाने के अंदर चली गोली : सब-इंस्पेक्टर की मौत

सर्विस रिवॉल्वर से की फायरिंग, आत्महत्या की आशंका

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के मधु विहार पुलिस स्टेशन के अंदर सोमवार को एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां दिल्ली पुलिस के एक सब-इंस्पेक्टर ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

2019 बैच के अधिकारी थे सोमेश मीणा :

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक सब-इंस्पेक्टर की पहचान सोमेश मीणा के रूप में हुई है। सोमेश मीणा 2019 बैच के दिल्ली पुलिस के अधिकारी थे।

थाने के अंदर दोपहर की घटना

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह खौफनाक वारदात सोमवार दोपहर करीब 12:15 बजे की है। सब-इंस्पेक्टर सोमेश मीणा मधु विहार थाने के अंदर ही मौजूद थे, तभी उन्होंने अचानक अपनी सर्विस गन निकाली और खुद पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनते ही थाने में मौजूद अन्य पुलिसकर्मी मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक सोमेश मीणा की मौत हो चुकी थी।

जांच में जुटी फोरेंसिक और क्राइम टीम :

घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारी, क्राइम टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम तुरंत मधु विहार थाने पहुंची। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

क्या एनडीए के साथ चले जाएंगे शरद पवार?

चुप्पी ने बढ़ाई पार्टी नेताओं में बेचैनी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में इस सवाल की बड़ी चर्चा है कि क्या शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के साथ रहेगी या फिर एनडीए के साथ चली जाएगी? इस सवाल को लेकर एनसीपी (एसपी) के भीतर भी बेचैनी है क्योंकि कम से कम आधे विधायकों ने पार्टी नेतृत्व से कहा है कि वे विपक्ष में रहने के बजाय सत्ताधारी गठबंधन के साथ जाना पसंद करेंगे। महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) के पास 10 विधायक हैं। पांच विधायकों का कहना है कि अगर उनकी पार्टी एनडीए के साथ जाती है तो उनके विधानसभा क्षेत्रों के विकास के लिए फंड मिलना और प्रशासनिक मंजूरी मिलना आसान होगा। एनसीपी (एसपी) के एक सीनियर नेता ने कहा, हर दिन बैठक और बातचीत हो रही है, कम से कम पांच विधायकों ने पार्टी नेतृत्व को बताया है कि कांग्रेस में विलय करने या विपक्षी फ्रंट में बने रहने के बजाय एनडीए के साथ हाथ मिलाना बेहतर है। शरद पवार ने अब तक इन सभी अटकलों को लेकर चुप्पी साध रखी है और पार्टी का रुख क्या होगा, इस पर चर्चा करने के लिए कोई बैठक भी नहीं बुलाई है। शरद पवार की बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने उनकी पार्टी के एनडीए में शामिल होने को लेकर चल रही अटकलों को ना तो पूरी तरह खारिज किया और ना ही इनका समर्थन किया है।

4200 करोड़ की सौगात जनता को समर्पित

35 से 45 मिनट में होगा लखनऊ-कानपुर का सफर; बाइक-ऑटो की एंट्री पर लगा बैन

उन्नाव, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ और कानपुर के बीच रोजाना सफर करने वाले लाखों मुसाफिरों के लिए मंगलवार 14 जुलाई से सफर का एक नया और स्वर्णिम अध्याय शुरू होने जा रहा है। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी मौजूदगी में जिस 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया था, वह कल से आम जनता के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा। करीब 4,200 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार यह छह-लेन एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की सबसे आधुनिक और हाई-स्पीड सड़क परियोजनाओं में से एक है।

इस बहुप्रतीक्षित एक्सप्रेसवे का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को उन्नाव के झाऊखेड़ा गांव में आयोजित एक विशाल समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। लोकार्पण की रस्म से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लगाई गई एक विशेष तकनीकी प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया।

14 जुलाई यानी मंगलवार की सुबह से इस एक्सप्रेसवे पर वाहनों का संचालन विधिवत शुरू होने के साथ ही टोल वसूली की प्रक्रिया भी प्रभावी हो जाएगी। चूंकि यह एक पूरी तरह से हाई-स्पीड और कंट्रोल्ड-एक्सेस कॉरिडोर है, इसलिए एनएचएआई ने यात्रियों की सुरक्षा और रफ्तार को बनाए रखने के लिए बेहद कड़े नियम लागू किए हैं। इस एक्सप्रेसवे पर केवल कार, जीप, बस, ट्रक और अन्य भारी वाणिज्यिक मोटर वाहनों को ही चलने की इजाजत होगी। एक्सप्रेसवे पर हादसों को रोकने और रफ्तार में बाधा न बनने के लिए दोपहिया (बाइक/स्कूटर), तिपहिया (ऑटो/विक्रम), साइकिल, ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, पशु चालित वाहनों और अन्य सभी धीमी गति से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

ई-रिक्शा चलाने वाले के बैंक खाते में 7 अरब रुपये!

किसने बनाया ऐसा दौलतमंद, आज पता करेगा सीबीआई

वैशाली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि हस्तांतरण के बाद एक चौंकाने वाली तकनीकी गड़बड़ी सामने आई है। महुआ और जंदाहा प्रखंड के दो पेंशनधारियों के बैंक खातों में अचानक करोड़ों और अरबों रुपये की राशि दिखाई देने लगी। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और दोनों खातों के संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से 10 जुलाई को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभुकों के खातों में मासिक पेंशन की राशि भेजी गई थी। इसी दौरान महुआ प्रखंड की गोविंदपुर पंचायत के चखाजे गांव निवासी वृद्ध पेंशनधारी चंद्रदीप राय अपनी 1100 रुपये की पेंशन निकालने के लिए उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के एक ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) पहुंचे। खाते में पैसे देखकर हैरान रह गया सीएसपी संचालक

सीएसपी संचालक ने राशि निकासी के बाद जब खाते का शेष बैलेंस देखा तो स्क्रीन पर प्रदर्शित रकम देखकर हैरान रह गए। खाते में 7 अरब 40 करोड़ 68 लाख 72 हजार 795 रुपये से अधिक की राशि दिखाई दे रही थी। सामान्य पेंशन खाते में इतनी बड़ी रकम दिखाई देने की खबर क्षेत्र में तेजी से फैल गई।

जंदाहा में भी सामने आया ऐसा ही मामला

महुआ की घटना के कुछ ही समय बाद जंदाहा प्रखंड के खोपी गांव से भी इसी तरह का मामला सामने आया। यहां सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभुक राजन सिंह के बैंक खाते में अचानक 7 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदर्शित होने लगी। एक ही जिले के दो अलग-अलग प्रखंडों में हुई इस तरह की तकनीकी गड़बड़ी ने प्रशासन और बैंक अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

प्रशासन ने खातों के संचालन पर लगाई रोक

मामले की सूचना मिलते ही महुआ के प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सौरव वर्णवाल को अवगत कराया गया। इसके बाद पंचायत सचिव अशोक सिंह को लाभुक के घर भेजकर उन्हें स्थिति की जानकारी दी गई। प्रशासन ने पेंशनधारी को फिलहाल खाते से किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करने की सलाह दी है। साथ ही अगले आदेश तक खाते का संचालन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

तकनीकी कारणों की हो रही जांच

बीडीओ सौरव वर्णवाल ने बताया कि पूरे मामले की सूचना वरीय अधिकारियों को भेज दी गई है। प्रारंभिक जांच में मामला बैंकिंग सिस्टम या सर्वर की तकनीकी त्रुटि का प्रतीत हो रहा है। बैंक और संबंधित विभाग संयुक्त रूप से यह पता लगाने में जुटे हैं कि खातों में इतनी बड़ी राशि कैसे प्रदर्शित हुई। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

राम मंदिर के सीईओ के लिए मांगे गए आवेदन, अधिसूचना जारी

तीन साल का होगा कार्यकाल, होनी चाहिए योग्यताएं

अयोध्या,13 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। सीईओ की नियुक्ति तीन साल के लिए होगी और वेतन आपस में बातचीत के बाद तय किया जाएगा।

आवेदन करने वाले की सबसे बड़ी योग्यता हिंदू होना होगी। आवेदक 18 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। 50 से 70 साल तक की उम्र का कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। आवेदक को हिंदी और अंग्रेजी भाषा का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी कांड के बाद से ही व्यवस्थाओं में परिवर्तन किया जा रहा है। निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने रविवार को दिए गए बयान में कहा था कि यह घटना हमारे के लिए कलंक है और हमें छोटा महसूस करवाती है। ऐसे में हमें ये सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मंदिर में सीईओ की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था अब यही कमेटी सीईओ की नियुक्ति करेगी।

वेतन बातचीत से तय होगा, कार्यकाल तीन साल के बाद बढ़ाया भी जा सकता है

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन के आधार पर नियुक्त होने वाले सीईओ का वेतन और मिलने वाली सुविधाएं बातचीत के आधार पर तय होंगी और नियुक्ति के बाद उन्हें अयोध्या में ही रहना होगा। कार्यकाल तीन साल का होगा जिसे बढ़ाया भी जा सकता है।

सक्रिय हिंदू और रामभक्त वैष्णव होना जरूरी

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ पद के लिए आवेदन के लिए आवेदक का सक्रिय हिंदू और रामभक्त वैष्णव होना सबसे बड़ी योग्यता है साथ ही उसे 20 वर्षों का अनुभव होना भी जरूरी है। उम्मीदवार के चयन में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और हिंदू धार्मिक संस्था के प्रबंधन के अनुभव को वरीयता दी जाएगी। आवेदन 18 जुलाई को शाम 4 बजे तक किए जा सकते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आठों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 27 जुलाई तक बढ़ी

कस्टडी पर कल सुनवाई

अयोध्या, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा धनराशि चोरी के मामले में जेल में निरुद्ध सभी आठों आरोपियों की सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये विशेष न्यायालय एंटी करप्शन कोर्ट में पेशी हुई। प्रभारी न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट प्रतिभा नारायण ने सभी आरोपियों की न्यायिक अभिरक्षा रिमांड को 27 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया है।

इसके पहले मामले के विवेचक आशुतोष तिवारी ने विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट में चढ़ावा चोरी के सभी आरोपियों की न्यायिक अभिरक्षा रिमांड बढ़ाने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट रजत वर्मा के अवकाश पर होने के कारण प्रार्थना पत्र प्रभारी न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश ईसी एक्ट प्रतिभा नारायण के समक्ष पेश किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जेल में निरुद्ध आठों आरोपियों को प्रभारी न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया। न्यायाधीश ने सभी आरोपियों के न्यायिक अभिरक्षा रिमांड की अवधि 14 दिन और बढ़ा दी। चढ़ावा चोरी के मामले में आरोपियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू को 26 जून को रिमांड मजिस्ट्रेट निवेदिता सिंह के समक्ष पेश किया गया था। तब आरोपियों को एंटी करप्शन कोर्ट में उपस्थित होने के लिए रिमांड की 29 जून की तारीख नियत की गई। विशेष न्यायाधीश एंटी करप्शन कोर्ट रजत वर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी आरोपियों की पेशी के बाद 13 जुलाई तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा की रिमांड की मंजूरी प्रदान की थी।

चढ़ावा चोरी के मामले में सबसे चर्चित राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू व सुभाष श्रीवास्तव को पुलिस कस्टडी रिमांड में देने के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई की जाएगी। विवेचक आशुतोष तिवारी ने दोनों को सात दिन के लिए पुलिस अभिरक्षा (कस्टडी) में देने की मांग का प्रार्थना पत्र 10 जुलाई को अदालत में पेश किया था। अदालत ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के लिए 14 जुलाई की तारीख नियत की थी।

पिता-पुत्र दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

जवाबी फायरिंग में लगी गोली

वैशाली , 13 जुलाई (एजेंसियां)। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र में पिता-पुत्र हत्याकांड का आरोपी जगदीश राय पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसे गोली लगी। घायल आरोपी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के दिलावरपुर पूर्वी स्थित आम बाग में सोमवार को पुलिस और एक आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी घायल हो गया। घायल की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के रजासन गांव निवासी जगदीश राय के रूप में हुई है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, जगदीश राय हाल ही में हुए पिता-पुत्र दोहरे हत्याकांड का आरोपी है। आरोप है कि रास्ते के विवाद में उसने अपने चाचा और भारतीय सेना में पदस्थ चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

तेज प्रताप यादव की पार्टी से बांकीपुर प्रत्याशी वीणा मानवी गिरफ्तार

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने समाहरणालय पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया, लेकिन जैसे ही बाहर निकलीं उन्हें पटना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

वीणा मानवी की गिरफ्तारी का उनके समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध किया। पुलिस ने उन्हें समझाने-बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता नहीं माने। इसके बाद समाहरणालय परिसर के बाहर जमकर हंगामा हुआ। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सम्राट चौधरी सरकार ने साजिश के तहत वीणा मानवी को गिरफ्तार कराया है। उनका कहना है कि बांकीपुर विधानसभा सीट से वीणा मानवी की जीत तय थी, इसलिए राजनीतिक साजिश के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया। कार्यकर्ताओं ने इस कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताया।

इधर, गिरफ्तारी के बाद वीणा मानवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें यह तक नहीं बताया गया कि आखिर किस मामले में उनकी गिरफ्तारी की जा रही है। उनका कहना है कि पटना पुलिस ने पहले उन्हें कोई सूचना नहीं दी थी। पुलिसकर्मियों ने केवल इतना कहा कि वे अदालत से वारंट लेकर उन्हें गिरफ्तार करने आए हैं।

पूर्व मंत्री एवं जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने अपनी पार्टी की उम्मीदवार वीणा मानवी के खिलाफ जारी वारंट और गिरफ्तारी को सरकार की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि वीणा मानवी को जानबूझकर फंसाया गया है, जबकि उनके खिलाफ ऐसा कोई मामला नहीं है। तेज प्रताप ने कहा कि वीणा मानवी जनता के बीच लोकप्रिय और सरल स्वभाव की उम्मीदवार हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब वह लंबे समय से सार्वजनिक रूप से सक्रिय थीं, तब कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन नामांकन के दिन ही गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया। इसे उन्होंने एक महिला के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि वह जल्द बिहार लौटेंगे और सरकार का घेराव करेंगे। साथ ही उन्होंने धार्मिक संदर्भ देते हुए कहा कि जब किसी महिला के साथ अन्याय होता है, तब भगवान कृष्ण का सुदर्शन चक्र चलता है और बिहार पहुंचते-पहुंचते पूरा प्रदेश यह देखेगा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले लखनऊ अब मिसाइलों का शहर

गड़बड़ी करने वालों को मुस्कुराने का मौका नहीं मिलेगा

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ अब रक्षा उत्पादन का प्रमुख केंद्र बन चुका है और यहां मिसाइलों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कानून व्यवस्था पर सख्त संदेश भी दिया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक दिए गए तथा चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान भी प्रदान किए गए।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को कहा, लखनऊ की पहचान अब केवल तहजीब और मुस्कुराहट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयासों से लखनऊ में मिसाइलों का निर्माण हो रहा है और देश की सुरक्षा क्षमता लगातार मजबूत हो रही है।

केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा, पहले कहा जाता था कि मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं। अब यहां मिसाइलें बन रही हैं। जो गड़बड़ी करेगा, उसे मुस्कुराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ब्रह्मोस मिसाइल का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए सटीक निशाना लगाया जा सकता है।

1701 छात्रों को उपाधियां प्रदान कीं

अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मेधावी विद्यार्थियों को 54 पदक और 1701 छात्रों को उपाधियां प्रदान कीं। इनमें 975 छात्र और 726 छात्राएं शामिल हैं।

समारोह में स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के नाम को लेकर लोगों में भ्रम रहता है, जबकि इसके निर्माण में किंग जॉर्ज का कोई आर्थिक योगदान नहीं था।

इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास को चिकित्सा प्रशासन एवं स्वास्थ्य नीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद डीएससी की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं, विश्वविद्यालय के कई चिकित्सकों को कुलपति और फैकल्टी अप्रिसिएशन अवार्ड प्रदान किए गए।

कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त, सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही : तेजस्वी यादव

पटना,13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में हत्या, अपहरण, लूट, बलात्कार और चोरी जैसी आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय विफलताओं को छिपाने में लगी है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर राज्य में हाल के दिनों में हुई विभिन्न आपराधिक घटनाओं से जुड़ी समाचारों की कटिंग साझा करते हुए कहा कि बिहार की कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र, युवा, व्यवसायी, महिलाएं और आम नागरिक अपराधियों के निशाने पर हैं।

मेरठ छात्रा हत्याकांड : कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को काशी टोल पर रोका

हंगामा, पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

मेरठ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में छात्रा हत्याकांड के मामले में एसएसपी से मिलने जा रहे कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को काशी टोल प्लाजा पर पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामा करते हुए पुलिस प्रशासन और प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

मेरठ में छात्रा हत्याकांड के मामले में पीड़ित परिवार की शिकायत लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलने जा रहे कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल को सोमवार को मेरठ-दिल्ली हाईवे स्थित काशी टोल प्लाजा पर पुलिस ने रोक दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मौके पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

टोल प्लाजा पर पुलिस ने रोका प्रतिनिधिमंडल

कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय जाने के लिए मेरठ पहुंच रहा था। इसी दौरान काशी टोल प्लाजा पर पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए और हंगामा शुरू कर दिया।

पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि वे पीड़ित परिवार की शिकायत लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलने जा रहे थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें जबरन रोक दिया। उनका कहना था कि इस प्रकार की कार्यशैली लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है और इससे प्रदेश का माहौल प्रभावित हो रहा है।

प्रदेश सरकार को भी घेरा

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधा। उनका आरोप था कि सरकार के संरक्षण में पुलिस को खुली छूट दी गई है, जिसके चलते आम लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस की कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया।

प्रतिनिधिमंडल में रंजन शर्मा महानगर अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी मय राजेंद्र गौतम कांग्रेस उत्तरप्रदेश प्रभारी, इमरान मसूद कांग्रेस सांसद सहारनपुर, तनुज पूनिया सांसद बाराबंकी कांग्रेस शामिल हैं।

बरेली बवाल के 12 मामलों में चार्जशीट, फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहली गवाही 21 जुलाई को

बरेली,13 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए बवाल के दो प्रमुख मामलों में सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी। कोतवाली और बारादरी थानों में दर्ज इन मामलों का कोर्ट ने प्रसंज्ञान ले लिया है। पहली गवाही के लिए 21 जुलाई तय की है। बवाल के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा समेत 105 आरोपी जेल जा चुके हैं। इनमें कई को जमानत मिल गई है।

तौकीर रजा इन दिनों फतेहगढ़ जेल में है। जिला न्यायालय से लेकर हाईकोर्ट तक वह जमानत याचिकाएं दाखिल कर चुका है, लेकिन उसे जमानत नहीं मिली है। सभी 12 मामलों में पुलिस चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। शहर में बवाल के बाद प्रेमनगर, बारादरी, कोतवाली, कैंट और किला थानों में 10 मामले दर्ज किए गए थे।

कोचिंग विवाद मामले में खान सर को अग्रिम जमानत

दो बॉडीगार्ड को भी नियमित जमानत

पटना,13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के चर्चित शिक्षक एवं खान ग्लोबल स्टडीज के निदेशक फैसल खान उर्फ खान सर को पटना सिविल कोर्ट से बड़ी कानूनी राहत मिली है। जून में पटना के मुसल्लहपुर हाट इलाके में कोचिंग संस्थान के बाहर हुई मारपीट और कथित फायरिंग मामले में अदालत ने खान सर को अग्रिम जमानत (एंटीसिपेटरी बेल) प्रदान कर दी। उनके साथ तीन अन्य सहयोगियों को भी अग्रिम जमानत मिली है, जबकि इस मामले में न्यायिक हिरासत में बंद दो सुरक्षा कर्मियों को नियमित जमानत (रेगुलर बेल) दे दी गई है। खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार ने सोमवार को बताया कि अदालत ने मामले के कानूनी पहलुओं और केस डायरी का अवलोकन करने के बाद सभी छह आरोपियों को राहत प्रदान की। उन्होंने कहा कि सबसे पहले खान सर की अग्रिम जमानत मंजूर की गई, इसके बाद उनके तीन स्टाफ सदस्यों की एंटीसिपेटरी बेल स्वीकार की गई। वहीं, हवा में फायरिंग के आरोप में गिरफ्तार दो सुरक्षा कर्मियों को नियमित जमानत मिल गई। अधिवक्ता ने कहा कि मामले में आर्म्स एक्ट का विरोध किया गया था, लेकिन अदालत ने पुलिस की जांच और उपलब्ध साक्ष्यों पर विचार करने के बाद यह आदेश पारित किया।

सु वि चा र
सफलता की सबसे बड़ी कुंजी यह है कि हमेशा अपनी नियमों पर ध्यान दें, न कि दूसरों की आलोचनाओं पर।

गुणवत्तापूर्ण सड़कें उद्योग और रोजगार के लिए महत्वपूर्ण हैं : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि उद्योगों को आकर्षित करने, व्यवसायों को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कें आवश्यक हैं। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने पर्यटन और उत्पाद शुल्क मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव और पशुपालन मंत्री वकिटि श्रीहरि के साथ मिलकर सोमवार को नारायणपेट जिले के मखथल विधानसभा क्षेत्र में 531 करोड़ रुपये की हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। एचएएम परियोजनाओं के अंतर्गत, मंत्रियों ने संयुक्त रूप से 237 करोड़ रुपये की चार लेन वाली मखथल-नारायणपेट एचएएम सड़क परियोजना की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में विधायक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी और वीरलापल्ली शंकर, जिला कलेक्टर प्रियंका, निर्वाचित प्रतिनिधि, अधिकारी, कांग्रेस नेता और पार्टी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि सरकार ने मक्तल निर्वाचन क्षेत्र में 531 करोड़ रुपये की एचएएम सड़क परियोजना शुरू की है। उन्होंने मंत्री वकिटि श्रीहरि की सराहना की कि उन्होंने प्रत्येक समीक्षा बैठक में मक्तल-नारायणपेट सड़क की मांग को लगातार उठाया और परियोजना की मंजूरी हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किए। मंत्री ने कहा कि चार लेन वाली मखथल-नारायणपेट सड़क 12 से 16 महीनों के भीतर पूरी हो जाएगी, जिससे नारायणपेट की यात्रा का समय घटकर मात्र 20 मिनट रह जाएगा। उन्होंने लोगों से सड़क विस्तार कार्यों में सहयोग करने की अपील की और आश्वासन दिया कि सरकार उन लोगों को उचित मुआवजा प्रदान करेगी जिनकी जमीनें अधिग्रहित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार से भारी कर्ज और लंबित देनदारियों को विरासत में मिलने के बावजूद, वर्तमान सरकार एक साथ कल्याण और विकास दोनों को आगे बढ़ा रही है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि रैतू भरोसा, राशन कार्ड और उत्तम चावल वितरण जैसी कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री वकिती श्रीहरि ने कहा कि मखथल-नारायणपेट सड़क जनता का लंबे समय से संजोया हुआ सपना था और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में यह साकार हो रहा है। श्रीहरि ने कहा कि मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री मक्तल निर्वाचन क्षेत्र में आवश्यक प्रत्येक विकास परियोजना के लिए तुरंत धनराशि स्वीकृत कर रहे हैं। मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने राज्य भर में सड़क विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये सुरक्षित करने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण सड़क अवसंरचना तेलंगाना के समग्र विकास की नींव है। जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि राज्य की चुनौतीपूर्ण वित्तीय स्थिति के बावजूद, सरकार कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू कर रही है, जिनमें इंदिराम्मा आवास, रायथु भरोसा, उत्तम धान के लिए बोनस भुगतान और एकीकृत स्कूल शामिल हैं। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने इसके बाद गदवाल निर्वाचन क्षेत्र में 339.39 करोड़ रुपये के आवंटित बजट के साथ एचएएम सड़कों के निर्माण की शुरूआत की। उन्होंने वानापर्थी जिले में 359.09 करोड़ रुपये की एचएएम सड़क परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

कालेश्वरम विवाद को लेकर कांग्रेस और बीआरएस के बीच राजनीतिक टकराव तेज

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम परियोजना को लेकर सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के बीच राजनीतिक टकराव सोमवार को और तेज हो गया, दोनों दलों ने हैदराबाद में प्रतिद्वंद्वी विरोध कार्यक्रम आयोजित किए, जिसके चलते किसी भी अप्रिय घटना या तनाव बढ़ने से रोकने के लिए तेलंगाना भवन और गांधी भवन में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। बीआरएस छात्र शाखा (बीआरएसडब्ल्यू) ने 'रेवंत की रक्तपिपासा के लिए रक्तदान' नारे के तहत एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर कालेश्वरम मुद्दे का राजनीतिक प्रतिशोध लेने का आरोप लगाते हुए, बीआरएस नेताओं ने एकत्रित रक्त के पैकेटों के साथ मुख्यमंत्री के आवास तक मार्च निकालने की योजना की घोषणा की, जिसके चलते तेलंगाना भवन के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई।

कर्नाटक की तर्ज पर पीआरसी प्रणाली पर विचार

तेलंगाना मतदाता सत्यापन को आसान बनाने के लिए पहल

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान वास्तविक निवासियों को अपनी पात्रता साबित करने में मदद करने के लिए कर्नाटक की तर्ज पर स्थायी निवास प्रमाण पत्र (पीआरसी) प्रणाली शुरू करने पर विचार कर रही है। सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उनके द्वारा दिए गए प्रस्ताव पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है और तेलंगाना के लिए उपयुक्त ढांचा सुझाने से पहले कर्नाटक मॉडल का अध्ययन करने के लिए एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किए जाने की संभावना है। शब्बीर अली ने कहा कि सरकार द्वारा जारी पीआरसी उन मतदाताओं के लिए निवास के अतिरिक्त प्रमाण के रूप में काम कर सकती है जो 2002 की मतदाता सूचियों में अपना या अपने परिवार के सदस्यों का नाम नहीं ढूंढ पा रहे हैं, जिनका उपयोग एसआईआर प्रक्रिया के दौरान संदर्भ के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रारंभिक जनगणना के दौरान कोई दस्तावेज नहीं मांगे जा रहे हैं, लेकिन जिन मतदाताओं के नाम 2002 की मतदाता सूची से नहीं मिल पाएंगे, उनसे बाद में चुनावी अधिकारियों के समक्ष सहायक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है। प्रस्तावित पीआरसी से युवा मतदाताओं, पता बदलने वाली विवाहित महिलाओं, राज्य के भीतर पलायन करने वाले परिवारों, बुजुर्ग नागरिकों और पुराने रिकॉर्ड न रखने वाले दीर्घकालिक निवासियों को लाभ होने की उम्मीद है। कर्नाटक की तरह, तेलंगाना मॉडल एक ही दस्तावेज़ पर ज़ोर देने के बजाय आधार कार्ड, राशन कार्ड, शैक्षिक और संपत्ति रिकॉर्ड, चुनावी प्रविष्टियाँ और स्थानीय जाँच सहित कई प्रकार के साक्ष्यों पर निर्भर हो सकता है। शब्बीर अली ने कहा कि प्रस्तावित प्रणाली से वास्तविक निवासियों के लिए दस्तावेज़ीकरण संबंधी कठिनाइयाँ कम होंगी और साथ ही सरकारी जाँच के माध्यम से एक मजबूत सत्यापन प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।

हैदराबाद में 2.96 करोड़ रुपये का हशीश तेल जब्त

बेंगलुरू जा रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया गया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स और बोराबंडा पुलिस ने दो कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और 2.96 करोड़ रुपये मूल्य का 23.706 लीटर हशीश का तेल जब्त किया। शनिवार रात एर्रागड्डा के पास हुई इस कार्रवाई से अंतरराज्यीय मादक पदार्थों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। आरोपियों की पहचान लसांगी याकोबू उर्फ वेंकट (29) और येन्द्रपल्ली सूरी बाबू (32) के रूप में हुई है, दोनों आंध्र प्रदेश के अल्लरी सीताराम राजू जिले के निवासी हैं। उन्हें एर्रागड्डा बस स्टॉप के पास उस समय पकड़ा गया जब वे कथित तौर पर प्रतिबंधित सामान के साथ बेंगलुरू जाने वाली बस में चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों ने हशीश का तेल अपने सहयोगियों से प्राप्त किया, जिन्होंने इसे ओडिशा से मंगवाया और ट्रेन द्वारा हैदराबाद पहुंचाया ताकि इसे बेंगलुरू में एक ड्रग तस्कर को आगे पहुंचाया जा सके। पुलिस ने बताया कि याकोबू एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ 2016 में गांजा परिवहन का एक मामला दर्ज किया गया था और वह सितंबर 2025 में बोराबंदा पुलिस स्टेशन में दर्ज एनडीपीएस मामले में फरार आरोपी भी है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि दोनों ने 2025 और 2026 के दौरान कई मौकों पर बेंगलुरू को हशीश का तेल पहुंचाया था। एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आपूर्ति श्रृंखला में शामिल अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

पुलिस युवाओं से आग्रह करती है कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें और आसान धन या लत के जाल में न फंसें। मादक पदार्थों के सेवन के विनाशकारी परिणाम होते हैं, जिनमें रोजगार का नुकसान, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं और आपराधिक रिकॉर्ड शामिल हैं जो किसी के भविष्य को बर्बाद कर सकते हैं। जुबली हिल्स जोन कमिश्नर टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर च. यदेंदर, सब-इंस्पेक्टर डी. रवि राज और उनकी टीम ने बोराबंदा पुलिस के समन्वय से और टास्क फोर्स के डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ की देखरेख में यह अभियान चलाया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14653759H, Hav Dhokrat Shivaji Ananda, R/o, Dist: Nashik, Maharashtra, changed my Daughter's name from D Sakshi to Dhokrat Sakshi, vide Affidavit No. 467611 dt 13.07.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I. No. 14654418K, Hav, Buddhadev Ghosh, R/o, Dist: Purba Bardhaman, West Bengal, changed my Father's name from Bhubanch Ghosh to Bhuban Chandra Ghosh, vide Affidavit No. 467607 dt. 13.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14654418K, Hav, Buddhadev Ghosh, R/o, Dist: Purba Bardhaman, West Bengal, changed my Mother's name from Puspabala Ghosh to Pushpabala Ghosh, vide Affidavit No. 467605 dt. 13.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जय श्री राम । श्री गणेशाय नमः । (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
मंगलवार दिनांक 14-07-2026 को
आषाढ़/हलहारिणी अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
भजन प्रस्तुति: हरे रामा हरे कृष्ण भजन मंडली
अवसर पर पधारकर गौसेवर्थ दान पुण्य कर लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES
PRAJAPATI

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
कामधेनु गौ मंदिर
समर्थ नारायण महाराज
आज मंगलवार, 14 जुलाई आषाढ अमावस्या है
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज मंगलवार 14 जुलाई 2026 प्रातः 11 बजे से
आषाढ़/हलहारिणी अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन ❋ भजन ❋ भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज मंगलवार, 14 जुलाई 2026 आषाढ़ अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था अर्जुन गोयल ऑटोनगर की ओर से है।
एक गौमाता की पूर्ण मासिक सेवा ₹3100
संपूर्ण गौशाली की एक दिन की सेवा ₹15,100
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
शुद्ध गाय का घी गौशाला में ही निर्मित हमारे गौशाला में रहने वाली गौ माताओं के दुध से निर्मित शुद्ध और सात्विक गाय का घी उपलब्ध है।
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण
MEENAKSHI

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD. Shamsherganj Branch
C/A No. 003103000000072 IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD. Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617 IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
आज मंगलवार, 14 जुलाई आषाढ अमावस्या है
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करें, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on Google Pay/ Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज मंगलवार 14 जुलाई 2026 अमावस्या है।
आपकी ही प्रेरणा और पूर्ण सहयोग से स्थापित
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगनपहाड
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौ सेवा केन्द्र, बुरूजुगुड्डा
माँ सरस्वती पशु चिकित्सालय, बुरूजुगुड्डा
मे 7100 से अधिक गौवंश की सेवा एवं अनेक पशुओं का ईलाज सुचारु रुप से हो रहा है। अपने परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर इनकी सेवा का लाभ लीजिये।
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyd
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260, 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Scan & Pay
Bankers : Bank Of Baroda Nallakunta Branch, Hyd. A/c. : 75450200001071, Ifsc Code : BARB0VJNAKU
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE IN AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST (PROVIDE PAN NO. & OBTAIN CERTIFICATE)
Canara Bank, Basheerbagh Branch, A/c: 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

।। जय गौ माता ।। सह स्नेह निमंत्रण ।। जय गौ माता ।।
आषाढ़ अमावस्या के उपलक्ष में
संगीतमय सुन्दरकांडः पाठ
श्री रामदरबार सत्संग समिति बेगमबाज़ार द्वारा पाठ का आयोजन
श्री कन्हैया वैष्णव के मुख से
प्रसादी दोपहर 1.00 से 3.00
सिंगर श्री कन्हैया वैष्णव
मंगलवार 14 जुलाई 2026 प्रातः 9:01 से 1.00 तक
तत्पश्चात प्रसादी का आयोजन किया गया है।
Scan for Donation
आषाढ़ अमावस्या के उपलक्ष में सभी गौ भक्तों से निवेदन है अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौ सेवा कर पुण्य के भागीदार बनें। गौ सेवा करने से सुख, समृद्धि, आयु और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
विशेष : गौशाला में गौ दान और तुला दान की सुविधा उपलब्ध है।
शुभ स्थल
नारायणी गौ सेवा सदन
रोड नंबर.17, शालिवाहना नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद . मो : 9581348889
NARAYANI GOW SEVA SADAN A/C No. 50200065063209 IFSC CODE HDFC 0001996 CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH
G Pay PhonePe 9581348889
आयोजक : नारायणी गौ सेवा सदन
अमन सोनी 6304421076 | डी पी तिवारी 9246522435 | मोहन बाबू 9573888111 | सज्जन डागा 9490929321 | पवन अग्रवाल 9346169887
LOCATION
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 14 जुलाई - 2026

हॉर्मुज संकट का बढ़ता खतरा

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब केवल दो देशों का सैन्य टकराव नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास व्यापारिक जहाजों पर हमले, भारतीय नागरिकों का निशाना बनना और ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराता संकट इस बात का संकेत है कि समय रहते प्रभावी कूटनीतिक पहल की जाए, नहीं तो इसका दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। हालिया घटनाओं में ओमान तट के निकट एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले में कई भारतीय सवार थे। अधिकांश को सुरक्षित निकाल लिया गया, लेकिन एक भारतीय के लापता होने की खबर ने चिंता बढ़ा दी। इससे पहले भी इसी क्षेत्र में हुए हमलों में भारतीय नाविक अपनी जान गंवा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून स्पष्ट रूप से निर्दोष व्यापारिक जहाजों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात करते हैं। ऐसे में जहाजों को निशाना बनाना न केवल मानवता के विरुद्ध है, बल्कि वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था पर भी सीधा आघात है। हॉर्मुज विश्व अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। यदि हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही बाधित होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में तेज़ उछाल आ सकता है। इसका असर परिवहन, उद्योग, महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ेगा। भारत के लिए यह चुनौती और अधिक गंभीर हो सकती है। सैन्य कार्रवाई इस संकट का स्थायी समाधान नहीं है। अमेरिका और ईरान दोनों तनाव कम करने के बजाय उसे और बढ़ा रहे हैं। क्षेत्रीय शक्ति संतुलन, प्रॉक्सी संघर्ष और राजनीतिक अविश्वास ने हालात को और जटिल बना दिया है। यदि संवाद के रास्ते बंद होते गए, तो इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र तथा प्रभावशाली वैश्विक शक्तियों को निष्पक्ष मध्यस्थता करते हुए तनाव कम कराने की ठोस पहल करनी चाहिए। भारत सरकार को अपने नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कूटनीतिक प्रयास तेज़ करने होंगे, समुद्री निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा तथा आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित निकासी की व्यापक योजना तैयार रखनी होगी। ऊर्जा स्रोतों और आयात मार्गों में विविधता लाने की नीति को भी गति देनी होगी, ताकि किसी एक समुद्री मार्ग पर अत्यधिक निर्भरता कम की जा सके। भारत को अपने समुद्री हितों की रक्षा के साथ-साथ वैश्विक शांति स्थापित करने के प्रयासों में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हॉर्मुज का संकट वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव सुरक्षा की परीक्षा है। हथियारों की भाषा क्षणिक बढ़त दिला सकती है, लेकिन स्थायी समाधान केवल संवाद, संयम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही संभव है। युद्ध किसी की जीत नहीं, बल्कि पूरी मानवता की हार है। इसलिए समय की मांग है कि शक्ति प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और सहयोग को प्राथमिकता दी जाए।

पुणे की चीख: हम कचरा नहीं संभाल पाए तो शहर कैसे संभालेंगे?

आरके जैन

पुणे के मोशी (पिंपरी-चिंचवड़) में 8 जुलाई 2026 को हुआ हादसा केवल एक इमारत का ढहना नहीं, बल्कि हमारे शहरी विकास मॉडल का ध्वंस था। पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका के वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र के पास वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का पहाड़ 600 मिलीमीटर से अधिक वर्षा के बाद खिसका और तीन मंजिला प्रशासनिक भवन को निगल गया। लगभग 23 लोग मलबे में दबे, जिनमें 8 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति अभी लापता है, कई घायल हुए और कई दिनों तक राहत अभियान चला। इसे प्राकृतिक आपदा कहना आसान है, लेकिन सच यह है कि बारिश ने केवल अंतिम धक्का दिया; दुर्घटना की नींव वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही ने रखी थी। यह केवल पुणे की कहानी नहीं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु सहित लगभग हर बड़ा शहर ऐसे कचरा-पर्वतों के साये में खड़ा है, जो विकास के नहीं, आने वाली त्रासदियों के मौन स्मारक हैं। सबसे बड़ी भूल हमारी सोच में है। हमने कचरे को वैज्ञानिक चुनौती नहीं, आंखों से ओझल कर देने की वस्तु मान लिया। यही मानसिकता लैंडफिल को धीरे-धीरे कचरे के पहाड़ों में बदलती रही। लेगेसी वेस्ट मृत ढेर नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर सक्रिय रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं का भंडार है। अवायवीय अपघटन (ऐनएरोबिक डीकम्पोज़िशन) से बनने वाली मीथेन, जहरीला लीचेट और वर्षा का पानी इसकी संरचना को लगातार कमजोर करते हैं। ऊपर से मिट्टी डाल देना, ढलान बना देना या हरियाली उगा देना समाधान नहीं, केवल आवरण है। पुणे में अधिकारियों ने भवन और कचरे के पहाड़ के बीच 30 मीटर की सुरक्षित दूरी का दावा किया, जबकि उपग्रह चित्रों में यह केवल 16-17 मीटर दिखी। यह फासला सिर्फ माप का नहीं, सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई के बीच की दूरी का भी प्रमाण है।

इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहां हादसा हुआ, वहीं वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र भी संचालित था। जिस परिसर का उद्देश्य कचरे को ऊर्जा में बदलना था, उसी के पास वर्षों से मौत का पहाड़ खड़ा रहा। वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र संचालित करने वाली निजी कंपनी के कर्मचारी, जो कचरे को संसाधन बनाने में लगे थे, अंततः उसी कचरे की भेंट चढ़ गए। इससे बड़ा विरोधाभास क्या होगा? हमारी शहरी नियोजन व्यवस्था वर्षों से एक ही भूल दोहरा रही है- पहले शहर से दूर लैंडफिल बनाए जाते हैं, फिर शहर फैलकर उन्हें अपने बीच ले आता है। आसपास उद्योग, कार्यालय और आवास बस जाते हैं, लेकिन सुरक्षा इंतज़ाम नहीं बदलते। मजबूत रिटेनिंग वॉल, प्रभावी जल निकासी और रियल-टाइम निगरानी के बिना ऐसे कचरा-पर्वत कभी भी मौत का मंजर बन सकते हैं। पुणे ने केवल वही साबित किया है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ वर्षों से देते रहे हैं। भारत के शहरों की असली चुनौती कचरे की बढ़ती मात्रा नहीं, उसका अव्यवस्थित प्रबंधन है। रोज़ लाखों टन ठोस अपशिष्ट निकलता है, लेकिन स्रोत स्तर पर पृथक्करण आज भी अपवाद है। घरों, बाजारों और संस्थानों का जैविक, प्लास्टिक, धातु सहित पूरा कचरा एक साथ लैंडफिल पहुंचता है, जिससे पुनर्चक्रण की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो जाती है। वर्षों तक सड़ता यही मिश्रित कचरा मीथेन गैस, जहरीला लीचेट, दुर्गंध और विषैला धुआं पैदा करता है। यह केवल पर्यावरण नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट है। जलवायु परिवर्तन से बढ़ती अत्यधिक वर्षा ने इन अस्थिर कचरा-पर्वतों को और घातक बना दिया है। यदि व्यवस्था नहीं बदली, तो पुणे जैसी त्रासदियां अलग-अलग शहरों में बार-बार दोहराई जाएंगी। इस संकट का समाधान सतही सुधारों में नहीं, बुनियादी बदलाव में है।

अयोध्या से उठी सियासत की बहस 2027 तक गूंजेगी

सुरेश गांधी

राम मंदिर केवल एक मंदिर नहीं, करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र और भारतीय राजनीति का सबसे प्रभावशाली प्रतीक भी है। यही कारण है कि अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मामला सामने आते ही बहस सिर्फ एक आपराधिक जांच तक सीमित नहीं रही। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इसके दूरगामी राजनीतिक निहितार्थ तलाशे जाने लगे। गांवों की चौपाल से लेकर शहरों के राजनीतिक गलियारों तक एक ही चर्चा है- क्या यह केवल कानून का मामला है या 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए नया चुनावी नैरेटिव तैयार हो रहा है?

इस पूरे प्रकरण की सबसे अहम बात यह है कि विवाद मंदिर निर्माण को लेकर नहीं है। लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दल राम मंदिर की आस्था को स्वीकार करते हैं। मतभेद मंदिर के अस्तित्व पर नहीं, बल्कि उसके प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर है। यही वजह है कि यह विवाद पहले के भूमि विवादों से अलग माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडेय 'पवन पांडेय' ने सबसे पहले चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया। शुरुआती दौर में इसे सामान्य राजनीतिक आरोप माना गया, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसआईटी गठित कर दी। ट्रस्ट की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई, कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई और जांच आगे बढ़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सार्वजनिक रूप से कहा कि दोषी चाहे कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा।

यहीं से राजनीति ने नया मोड़ लिया। समाजवादी पार्टी ने इसे श्रद्धालुओं के दान और पारदर्शिता का मुद्दा बनाकर

प्रदेशव्यापी जनसंवाद शुरू कर दिया। अखिलेश यादव लगातार इस विषय पर सरकार को घेर रहे हैं। उनका आरोप है कि आस्था से जुड़े मामलों में भी जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। दूसरी ओर भाजपा इसे विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बताते हुए कह रही है कि सरकार ने आरोपों को दबाने के बजाय तत्काल कार्रवाई कर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस मुद्दे को केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं रख रहे। हाल की सभाओं में वे विपक्ष पर तुष्टीकरण, कारसेवकों पर गोलीकांड और धार्मिक मुद्दों पर दोहरे रवैये के आरोप लगाते रहे हैं। साथ ही मथुरा और काशी जैसे विषयों का उल्लेख कर बहस को व्यापक वैचारिक धरातल पर ले जाने की कोशिश भी दिखाई देती है। उधर अखिलेश यादव जवाबी हमलों के जरिए चर्चा को चढ़ावे, पारदर्शिता और जवाबदेही तक सीमित रखने का प्रयास कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच तीखे बयान इस बात का संकेत देते हैं कि राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ रहा है। दिलचस्प यह भी है कि विपक्ष की राजनीति भी बदली हुई नजर आती है। समाजवादी पार्टी अब धार्मिक प्रतीकों से दूरी बनाने के बजाय मंदिरों और सामाजिक संवाद के माध्यम से अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस भी राम मंदिर के विरोध का रास्ता नहीं अपनाती, बल्कि निष्पक्ष जांच और पारदर्शिता की मांग करती है। आम आदमी पार्टी भी धार्मिक प्रतीकों के प्रति अपेक्षाकृत सकारात्मक सार्वजनिक रुख अपनाती रही है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने इस पूरे विवाद पर संयमित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि किसी के पास ठोस साक्ष्य हैं तो उन्हें एसआईटी को सौंपना चाहिए, केवल राजनीतिक बयानबाजी से समाधान नहीं निकलेगा। राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण पहलू अब एसआईटी की जांच है। यदि जांच केवल निचले स्तर तक सीमित रहती है तो विपक्ष सवाल उठाता रहेगा।

लेकिन यदि जांच की कड़ी बड़े जिम्मेदार लोगों तक पहुंचती है और कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होती है, तो भाजपा इसे अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति और सुशासन की मिसाल के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगी। यह संदेश देने की कोशिश होगी कि राम मंदिर जैसा संवेदनशील विषय भी कानून से ऊपर नहीं है।भाजपा लंबे समय से कानून-व्यवस्था को अपनी राजनीतिक ताकत के रूप में प्रस्तुत करती रही है। पार्टी का दावा है कि वर्तमान सरकार ने माफिया, संगठित अपराध और अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। वहीं विपक्ष इन कार्रवाइयों के तौर-तरीकों पर सवाल उठाता रहा है। ऐसे में राम मंदिर प्रकरण की जांच भी दोनों पक्षों के लिए अपनी-अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता साबित करने का माध्यम बन सकती है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जांच का अंतिम निष्कर्ष अभी आना बाकी है। इसलिए किसी भी राजनीतिक निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अब मुकाबला केवल आरोप और प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि नैरेटिव का है। भाजपा इसे सुशासन, कार्रवाई और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ जोड़ना चाहती है, जबकि विपक्ष चाहता है कि चर्चा पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता की आस्था के संरक्षण पर केंद्रित रहे। आने वाले महीनों में एसआईटी की रिपोर्ट, उसके आधार पर होने वाली कार्रवाई और जनता की प्रतिक्रिया तय करेगी कि यह विवाद केवल एक जांच तक सीमित रहता है या उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के चुनावी विमर्श का महत्वपूर्ण अध्याय बन जाता है। फिलहाल इतना तय है कि अयोध्या से उठी यह बहस अब पूरे प्रदेश की राजनीति में गूंज रही है और इसकी प्रतिध्वनि आने वाले समय तक सुनाई देती रह सकती है।इस पूरे विवाद के बीच एक दूसरा पक्ष भी है, जिसकी चर्चा राजनीतिक गलियारों से लेकर गांवों की चौपालों तक सुनाई देती है। विपक्ष जहां चढ़ावे के कथित विवाद को लेकर योगी सरकार को घेर रहा है, वहीं भाजपा जवाब में समाजवादी पार्टी के शासनकाल की कानून-व्यवस्था, सांप्रदायिक दंगों, माफिया प्रभाव और कारसेवक गोलीकांड जैसे मुद्दे उठाकर पलटवार कर रही है।

सिर पर खड़ा संकट जलवायु परिवर्तन

डॉ. आशीष वशिष्ठ

जलवायु परिवर्तन आधुनिक युग की सबसे बड़ी और गंभीर वैश्विक समस्या है। यह केवल मौसम के बदलते स्वरूप का मामला नहीं है, बल्कि यह पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन, मानव जीवन, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा एक गंभीर संकट है। जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, मौसम का मिजाज भी तेजी से बदल रहा है और अनिश्चित होता जा रहा है। भारी बारिश, लंबे समय तक सूखा पड़ना, असहनीय गर्मी, तूफान और बाढ़ जैसी घटनाएं अब आम हो गई हैं। यूरोप और भारत, दोनों ही इस बदलते मौसम की मार झेल रहे हैं; खासकर यूरोप में पिछले कुछ सालों में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें (हीटवेव) देखी गई हैं।

फ्रांस, इटली, स्पेन, ग्रीस और जर्मनी जैसे देशों में लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर बहुत ज़्यादा तापमान का असर पड़ा है। जंगल की आग की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे हज़ारों हेक्टेयर जमीन जल गई है।जंगल सिर्फ़ पेड़ों का समूह नहीं हैं; वे पृथ्वी के फेफड़े हैं। जब वे जलते हैं, तो कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ जाता है और हवा ज्यादा प्रदूषित हो जाती है। इस तरह, एक समस्या दूसरी समस्या को जन्म देती है। उदाहरण के लिए, दक्षिणी यूरोप में भीषण गर्मी और सूखे ने पर्यटन, खेती और पानी की आपूर्ति पर बुरा असर डाला है। कई शहरों में पानी की राशनिंग लागू करनी पड़ी।

भारत में भी जलवायु परिवर्तन का असर बहुत तेज़ी से दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत में लू ने लोगों का जीवन मुश्किल बना दिया है; कई शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के निशान को भी पार कर गया है। साथ ही, अनियमित बारिश ने खेती पर काफी असर डाला है। कभी-कभी धान या गेहूं की खेती के अहम चरणों में बारिश नहीं होती, तो कभी बेमौसम बारिश से फसलें खराब हो जाती हैं। यह चुनौती पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे खेती पर निर्भर राज्यों में खास तौर पर गंभीर है। उदाहरण के लिए, अगर किसी इलाके में मार्च या अप्रैल में ही बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है, तो गेहूं का उत्पादन कम हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के अनेक प्रत्यक्ष रूपों में से एक है अत्यधिक बाढ़ का आना। वर्षाकाल में भारत के कई क्षेत्रों में बाढ़ और जलभराव की परिस्थितियां उत्पन्न होती रहती हैं। जलवायु परिवर्तन का संबंध मानवीय गतिविधियों से है; इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल है। कोयला, तेल और गैस जलाने से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और दूसरी ग्रीन हाउस गैसों का स्तर बढ़ जाता है। ये गैसें पृथ्वी से निकलने वाली गर्मी को वापस अंतरिक्ष में जाने से रोकती है, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है। दूसरा मुख्य कारण वनों की कटाई है। जब पेड़ों की संख्या कम हो जाती है, तो कार्बन सोखने की क्षमता भी घट जाती है। तीसरा कारण औद्योगिक प्रदूषण है, जिसमें कारखानों से निकलने वाला धुआं और रासायनिक कचरा हवा, पानी और मिट्टी को नुकसान पहुंचाते हैं।

चौथा कारण तेज़ी से हो रहा शहरीकरण है, जिसकी वजह से हरियाली कम हो रही है और कंक्रीट के शहर ₹हीट आइलैंड₹ में बदल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठन लगातार चेतावनी दे रहे हैं। यूएनईपी की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा वादों को पूरी तरह लागू करने पर भी, इस सदी में वैश्विक तापमान 2.3 से 2.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है- जो पेरिस समझौते के लक्ष्य से कहीं ज़्यादा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यू.एम.ओ.) की 'स्टेट ऑफ द ग्लोबल क्लाइमेट' रिपोर्ट 2025 के अनुसार, 2015 से 2025 तक का 11 साल का समय अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है, और 2025 खुद अब तक दर्ज किए गए दूसरे या तीसरे सबसे गर्म साल में शामिल है। विशेषज्ञों के एक समूह का यह मानना है कि, अगर हम वैज्ञानिकों के सुझाए रास्ते पर चलें तो तापमान वृद्धि को सीमित रखना अभी भी संभव है। लेकिन दिक्कत यह है कि विभिन्न देश अपनी समस्याओं को पूरी धरती के संदर्भ में नहीं देख पा रहे। अपने तात्कालिक हितों को परे रखकर दीर्घकालीन भविष्य के लिए सबके साथ मिलकर चलने का विवेक उनमें पैदा नहीं हो पा रहा। मौसम आंकड़ों से पता चलता है कि अगर मौजूदा रफ्तार से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दशकों में मौसम की चरम घटनाएं बढ़ेंगी। समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा, ग्लेशियर पिघलेंगे, पानी की कमी गंभीर हो जाएगी और कई इलाकों में ऐसी स्थितियां बन सकती हैं जिनसे लोगों को पलायन करना पड़ सकता है। यह सिर्फ़ एक वैज्ञानिक चेतावनी नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक सीधा संदेश है कि तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने की ज़रूरत है। जलवायु परिवर्तन अब केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रह गया है, यह मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। तापमान में वृद्धि और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कारण होने वाला जलवायु परिवर्तन मच्छरों और किलनी जैसे रोगाणुओं और रोग वाहकों के अस्तित्व, प्रजनन और विषाणुता को भी बढ़ाता है। यह मलेरिया, डेंगू बुखार और लाइम रोग जैसी वेक्टर जनित बीमारियों को नए क्षेत्रों में फैलने में मदद करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि मलेरिया और डेंगू बुखार के मामले बदलती जलवायु परिस्थितियों के साथ बढ़ रहे हैं। बाढ़ इन चुनौतियों को और बढ़ा देती है। क्योंकि बाढ़ का जमा हुआ पानी मच्छरों का प्रजनन स्थल बन जाता है, जिससे वेक्टर जनित बीमारियों का प्रसार बढ़ जाता है। बढ़ता वैश्विक तापमान अधिक वाष्पीकरण के कारण जल स्रोतों में दूषित पदार्थों की सांद्रता बढ़ाकर सतही जल और भूजल, दोनों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वैश्विक जनसंख्या का 50 फीसदी जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में रहता है और 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष 2,50,000 अतिरिक्त जानें जाने की आशंका है।

\इस संकट से निपटने के लिए ठोस कदम उठाना बहुत ज़रूरी है। पहला, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। दूसरा, कोयले और तेल पर निर्भरता कम की जानी चाहिए। तीसरा, बड़े पैमाने पर पेड़ लगाए जाने चाहिए और पेड़ों की कटाई पर सख़्त रोक होनी चाहिए।चौथा, खेती में पानी बचाने, बारिश का पानी इकट्ठा करने और सिंचाई के आधुनिक तरीकों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। पांचवां, गाड़ियों की संख्या कम करने और प्रदूषण रोकने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट, साइकिल और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। छठा, लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना जरूरी है ताकि हर व्यक्ति अपनी ज़िम्मेदारी समझ सके। स्कूलों, कॉलेजों, मीडिया और सामाजिक संगठनों की भूमिका भी बहुत अहम है। नई पीढ़ी को यह समझाना ज़रूरी है कि पृथ्वी हमारी साझा विरासत है और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।अगर हम आज जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को हमारे फैसलों का बोझ उठाना पड़ेगा।

इतिहास की भूलों का परिमार्जन और नया नौसैनिक विजन

अशोक भाटिया

इतिहास गवाह है कि जो राष्ट्र अपनी समुद्री सीमाओं की अनदेखी करता है, उसकी संप्रभुता और आर्थिक समृद्धि हमेशा खतरे में रहती है। भारत, चोल साम्राज्य और छत्रपति शिवाजी महाराज की महान नौसैनिक विरासत का उत्तराधिकारी होने के बावजूद, आजादी के बाद के कई दशकों तक एक 'महाद्वीपीय मानसिकता' का शिकार रहा। हमारी रक्षा नीतियों का झुकाव मुख्य रूप से स्थलीय सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित रहा और नौसेना को वह रणनीतिक प्राथमिकता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थी।

वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद इस दृष्टिकोण में एक युगांतरकारी और मौलिक बदलाव आया। पिछले एक दशक (2014-2024 और उसके बाद) में भारतीय नौसेना ने न केवल अपनी परिचालन क्षमता का विस्तार किया है, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और रणनीतिक पहचान का भी पुनरुद्धार किया है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्पों पर सवार होकर आज भारतीय नौसेना हिंद महासागर से लेकर इंडो-पैसिफिक के सुदूर छोर तक वैश्विक व्यवस्था की एक अपरिहार्य और निर्णायक शक्ति बन चुकी है। समुद्र की लहरों पर दौड़ती इसी अदम्य भारतीय शक्ति को आज पूरी दुनिया सम्मान के साथ सलाम कर रही है। गौरतलब है कि एक दशक पहले तक भारत की गिनती दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में होती थी। जटिल सैन्य उपकरणों, युद्धपोतों और पनडुब्बियों के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर हमारी निर्भरता रणनीतिक स्वायत्तता के लिए एक बड़ा खतरा थी। संकट के समय विदेशी ताकतों द्वारा कलपुर्जों की आपूर्ति रोकने का जोखिम हमेशा बना रहता था। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बुनियादी कमजोरी पर प्रहार करते हुए नौसेना को बिल्डर नेवी (में बदलने का स्पष्ट रोडमैप दिया।प्रोजेक्ट 17ए और अन्य अत्याधुनिक रक्षा परियोजनाओं के तहत आइएनएस महेंद्रगिरी , आइएनएस दुनागिरी , आइएनएस संशोधक , और आइएनएस अग्रे जैसे गाइडेड-मिसाइल और स्टील्थ युद्धपोतों का घरेलू शिपयार्ड्स में निर्माण भारत की बदलती औद्योगिक और तकनीकी क्षमता का सबसे बड़ा प्रमाण है। ये केवल स्टील के तैरते हुए ढांचे नहीं हैं; ये भारत में ही विकसित उन्नत रडार, सोनार, अत्याधुनिक सेंसर और ब्रह्मोस जैसी अचूक मिसाइल प्रणालियों से लैस आधुनिक तैरते हुए अभेद्य किले हैं।

माझगांव डॉक , गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स , और कोचीन शिपयार्ड जैसी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों को बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान किया गया। आज इन शिपयार्ड्स के पास एक साथ दर्जनों युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण की क्षमता है। परिणाम यह है कि वर्तमान में नौसेना के भावी बेड़े में शामिल होने वाले युद्धपोतों में स्वदेशीकरण का स्तर 80 से 90 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया में किए गए नीतिगत सुधारों ने देश के भीतर एक मजबूत रक्षा इकोसिस्टम तैयार किया है। हजारों लघु और मध्यम उद्योग और टेक स्टार्ट-अप्स आज नौसेना के लिए विश्व स्तरीय कलपुर्जे और सॉफ्टवेयर विकसित कर रहे हैं, जिससे देश का पैसा देश के भीतर ही रह रहा है और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। भारतीय नौसेना के आधुनिक इतिहास में 2 सितंबर 2022 का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो चुका है। इस दिन देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया था। आईएनएस विक्रांत केवल एक सैन्य जहाज़ नहीं है, बल्कि यह इक्कीसवीं सदी के भारत के सामर्थ्य, कौशल और राष्ट्रीय संकल्प का चमकता हुआ प्रतीक है। इस विशाल फ्लोटिंग एयरफील्ड के निर्माण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा 5-6 देशों के विशिष्ट और संभ्रांत क्लब में शामिल हो गया, जो 40,000 टन से अधिक वजनी और अत्याधुनिक विमानवाहक पोतों को पूरी तरह से खुद डिजाइन और निर्मित करने की क्षमता रखते हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक और बड़ा रणनीतिक और सांस्कृतिक कदम उठाया।

नौसेना के ध्वज से औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक 'सेंट जॉर्ज क्रॉस' को हमेशा के लिए हटा दिया गया और उसकी जगह छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्र से प्रेरित नए नौसैनिक ध्वज (निशान) का अनावरण किया गया। यह कदम इस बात का उद्घोष था कि नया भारत अब अपनी सुरक्षा रणनीतियां और अपनी पहचान विदेशी चश्मे से नहीं, बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत के आधार पर तय करेगा। हिंद महासागर क्षेत्र दुनिया का सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। दुनिया की कुल ऊर्जा आपूर्ति और वाणिज्यिक जहाजों का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से गुजरता है। पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता, पनडुब्बियों की अनधिकृत आवाजाही और उसकी 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति ने एक बड़ा असंतुलन पैदा करने की कोशिश की थी।

लेकिन भारत ने अपनी मजबूत नौसैनिक उपस्थिति से चीन की इस घेराबंदी को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश और रक्षा नीति का मूल मंत्र सागर और हालिया महासागर दृष्टिकोण है।

'बेइज्जती' आवारा सांड की तरह है

सुरेश कुमार मिश्रा

परमपूज्य बेइज्जती हमारे समाज का वह अदृश्य ऑक्सीजन है, जिसके बिना हमारी सामाजिक साँसें अटक जाती हैं। लोग कहते हैं कि इज्जत कमाने में जिंदगी गुजर जाती है, पर सच मानिए, बेइज्जती कमाने के लिए तो बस एक बार सच बोलने की जुर्रत काफी है। हमारी व्यवस्था में इज्जत उस सरकारी फाइल की तरह है जो बिना रिश्वत के आगे नहीं बढ़ती, जबकि बेइज्जती वह आवारा सांड है जो बिना बुलाए आपके वीआईपी लॉन में घुस आता है। जब तक समाज में किसी की बेइज्जती न हो, तब तक लोगों की सुबह की चाय में चीनी कम लगती है और शाम के समोसे का स्वाद फीका रहता है। दरअसल, यह वह अनमोल गहना है जिसे हर आदमी दूसरों को मुफ्त में पहनाने के लिए उतावला रहता है। जब कोई आपकी बेइज्जती करता है, तो समझिए वह आपके वजूद पर सामाजिक स्वीकृति की पक्की मुहर लगा रहा है, क्योंकि नजरअंदाज तो सिर्फ शरीफों को किया जाता है।

एक दिन हमारे मोहल्ले के सबसे संभ्रांत और सफेदपोश दीनानाथ जी के घर के सामने एक अजीबो-गरीब हादसा हो गया। हुआ यह कि उनके सुपुत्र ने परीक्षा में टॉप करने की बजाय सीधे देशसेवा का शॉर्टकट चुना और मोहल्ले की ही एक कन्या के साथ स्कूटी पर फर्र से उड़ गए। अब पूरे मोहल्ले में सन्नाटा ऐसा खिंच गया जैसे किसी ने लाउडस्पीकर का प्लग निकाल दिया हो। दीनानाथ जी छाती पीटकर चिल्लाए, हाय राम! मेरी तो नाक ही कट गई! मैंने पास जाकर उनकी थूथन को गौर से देखा, वह अपनी जगह सुरक्षित और चमकीली थी। मैंने हंसकर कहा, दीनानाथ भाई, सूर्पणखा की तरह कटी हुई नाक अगर दिखती नहीं, तो समझो वह प्लास्टिक सर्जरी का कमाल है! दरअसल, आपकी नाक नहीं कटी, बल्कि समाज की आंखों का मोतियाबिंद साफ हुआ है। वे मुझे ऐसे देखने लगे जैसे मैंने उनके जख्म पर नमक नहीं, बल्कि सीधे लाल मिर्च का पाउडर छिड़क दिया हो।

बात आगे बढ़ी तो नुक्कड़ के पान वाले ने भी अपनी अकल का कत्था लगाते हुए कहा, बाबूजी, इज्जत तो वह गुब्बारा है जिसमें हवा कम और दिखावा ज्यादा होता है, एक सुई लगी नहीं कि फुस्स! समाज में बेइज्जती का तड़का जब तक न लगे, तब तक किसी के रसूख का असली जायका बाहर निकलकर नहीं आता। लोग अपनी तिजोरियों में इज्जत छुपाकर रखते हैं और जब वह चोरी हो जाती है, तो थाने में एफआईआर लिखाने जाते हैं। दरोगा जी हंसकर कहते हैं, हुजूर, जो चीज कभी थी ही नहीं, उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट कैसे लिखूं? हमारी दुनिया में बेइज्जती वह आईना है जिसे देखकर लोग अपनी शक्ल सुधारने की बजाय आईना तोड़ने की कसम खा लेते हैं। यह एक ऐसी करेंसी है जो हर बाजार में चलती है, बशर्ते बांटने वाला दिलदार हो। दिव्य प्रकाश दुबे की उस संजीदा और सलीके वाली भाषा में कहें, तो आज का युवा बेइज्जती को 'फीडबैक' समझकर इंस्टाग्राम पर रील बना देता है। पुराने जमाने में जब बेइज्जती होती थी, तो लोग हिमालय चले जाते थे या कम से कम कमरे का दरवाजा बंद करके रो लेते थे। आज के दौर में अगर कोई आपकी बेइज्जती करे, तो लोग तुरंत स्क्रीनशॉट लेकर 'माई करंट मूड' लिखकर स्टेटस लगा देते हैं। दुःख इस बात का नहीं है कि हमारी बेइज्जती हो रही है, मलाल तो इस बात का है कि सामने वाला इसे इतनी फुर्ती से कर गया कि हमें 'थैंक यू' बोलने का मौका भी नहीं मिला। यह जिंदगी भी किसी कटी हुई पतंग जैसी है, जो हवा के रुख पर नहीं, बल्कि मोहल्ले के बच्चों की लपक पर टिकी हुई है।

दैत्यनंदूर: जहाँ निंबा दैत्य महाराज के आगे श्रद्धा से झुकते हैं हजारों सिर

सुरेश गांधी

भारत को यदि आस्थाओं का महासागर कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहाँ हर कुछ कोस पर देवता बदलते हैं, हर पर्वत, हर नदी, हर वृक्ष और हर ग्राम की अपनी एक कथा है। यही लोककथाएँ नया रूप लेती हैं और परंपराएँ इतिहास से कहीं अधिक गहरी जड़ें जमाए दिखाई देती हैं।

इसी विराट सांस्कृतिक विरासत के बीच महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले का एक छोटा-सा गाँव दैत्यनंदूर सदियों से एक ऐसे लोकविश्वास को संजोए हुए है, जो पहली बार सुनने वाले को न सिर्फ आश्चर्य में डाल देता है बल्कि अपनी अनोखी परंपरा के कारण पूरे देश का ध्यान आकर्षित करता है।

यहाँ पूजा किसी देव, ऋषि या महापुरुष की नहीं, बल्कि निंबा दैत्य महाराज की होती है। यह केवल एक मंदिर की कथा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस व्यापक दृष्टि का साक्ष्य है, जहाँ सम्मान का आधार केवल जन्म नहीं, बल्कि लोककल्याण, तप, मर्यादा और जनस्वीकृति भी है। यहाँ किसी का मूल्यांकन केवल उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके आचरण, तप, लोककल्याण और आत्मपरिवर्तन से भी होता है।

यही कारण है कि अनेक स्थानों पर ऐसे पात्र भी लोकदेवता बन गए, जिनकी कथा सामान्य धार्मिक धारणाओं से भिन्न है। और यही कारण है कि निंबा दैत्य महाराज आज इस क्षेत्र के ग्रामरक्षक, कुलदेवता और लोकआस्था के केंद्र माने जाते हैं। दैत्यनंदूर का यह मंदिर उसी सांस्कृतिक उदारता का जीवंत प्रतीक है। स्थानीय लोगों के लिए निंबा दैत्य महाराज केवल किसी पुराण की कथा नहीं, बल्कि ग्रामरक्षक, कुलदेवता और संकटमोचक हैं।

पीढ़ियाँ बदलती रहीं, लेकिन आस्था की यह लौ कभी मंद नहीं हुई। गुड़ी पड़वा के अवसर पर उमड़ने वाला विशाल जनसमुदाय, पीढ़ियों से चली आ रही लोककथाएँ और परंपराओं के प्रति अटूट निष्ठा इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिकता की तेज़ रफ्तार भी उन सांस्कृतिक धरोहरों को मिटा नहीं सकी है, जिन्हें समाज ने अपने विश्वास से सींचा है। दैत्यनंदूर का यह अध्याय केवल महाराष्ट्र की पहचान नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति की उस जीवंत परंपरा का दर्पण है, जहाँ आस्था सीमाएँ नहीं खींचती, बल्कि उन्हें जोड़ती है।

गाँव के बुजुर्गों के अनुसार निंबा दैत्य अत्यंत शक्तिशाली थे। लोककथाओं में वर्णित है कि कठोर तप, आत्मसंयम और लोकहित की भावना के कारण उन्हें विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। समय के साथ लोगों ने उन्हें रक्षक देव के रूप में स्वीकार कर लिया। इतिहास और लोकविश्वास की सीमाएँ भले अलग-अलग हों, पर ग्रामीण समाज में यह विश्वास आज भी उतनी ही दृढ़ता से जीवित है। इस गाँव की सबसे अधिक चर्चा जिस परंपरा को लेकर होती है, वह है हनुमान मंदिर का न होना। स्थानीय मान्यता के अनुसार यहाँ मारुति अथवा हनुमान का मंदिर स्थापित नहीं किया गया।

इस परंपरा के पीछे कई लोककथाएँ प्रचलित हैं, जिनका उल्लेख ग्रामीण बड़े श्रद्धाभाव से करते हैं। इतिहासकार इन कथाओं को लोकविश्वास का हिस्सा मानते हैं, जबकि ग्रामीण इन्हें अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में संजोए हुए हैं। यही भारतीय लोकजीवन की विशेषता है—जहाँ विश्वास और परंपरा पीढ़ियों तक समाज की स्मृति में जीवित रहते हैं।

गुड़ी पड़वा के अवसर पर यहाँ लगने वाला विशाल मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति का महाकुंभ बन जाता है। दूर-दूर से श्रद्धालु पहुँचते हैं। अभिषेक, महाआरती, पालखी यात्रा, भजन-कीर्तन, पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिताएँ और ग्रामीण संस्कृति की विविध झलकियाँ पूरे वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरा गाँव अपनी सामूहिक स्मृतियों का उत्सव मना रहा हो।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी दृष्टि रही है। यहाँ विरोधी पात्र भी समय के साथ लोकआस्था का हिस्सा बन जाते हैं। कहीं महाबली राजा बलि का सम्मान होता है, कहीं विभीषण धर्मनिष्ठा के प्रतीक बनते हैं, तो कहीं लोकविश्वास निंबा दैत्य महाराज को ग्रामरक्षक का स्थान देता है। यह परंपरा हमें बताती है कि भारतीय सभ्यता केवल देवताओं की आराधना तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र, तप, त्याग और लोककल्याण के मूल्यों का भी सम्मान करती है। आज जब आधुनिकता के बीच अनेक लोकपरंपराएँ धीरे-धीरे विस्मृत हो रही हैं, तब दैत्यनंदूर का यह मंदिर हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने का संदेश देता है। यह स्थान बताता है कि भारत की आत्मा केवल विशाल मंदिरों, भव्य तीर्थों और राजसी स्थापत्य में नहीं बसती, बल्कि उन छोटे-छोटे गाँवों में भी धड़कती है जहाँ सदियों से लोकविश्वास बिना किसी प्रचार के जीवित है।

निंबा दैत्य महाराज की कथा चाहे लोककथा हो, किंवदंती हो या ग्रामीण परंपरा—इसका सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारतीय संस्कृति में आस्था का अर्थ संकीर्णता नहीं, बल्कि व्यापकता है। यहाँ श्रद्धा का केंद्र केवल शक्ति नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण, संरक्षण और लोककल्याण की भावना भी है। यही कारण है कि महाराष्ट्र का यह छोटा-सा गाँव आज भी यह संदेश देता है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत जितनी प्राचीन है, उतनी ही उदार भी। यही उदारता उसे विश्व की सबसे विशिष्ट सभ्यताओं में स्थान दिलाती है। निंबा दैत्य महाराज से जुड़ी अधिकांश कथाएँ स्थानीय लोकमान्यताओं और जनश्रुतियों पर आधारित हैं। इनके विभिन्न संस्करण प्रचलित हैं। इन्हें ऐतिहासिक तथ्य के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय लोकसंस्कृति और ग्रामीण आस्था की महत्वपूर्ण विरासत के रूप में देखा जाना चाहिए। गाँव में हनुमान मंदिर नहीं है। इस संबंध में स्थानीय लोकमान्यताएँ प्रचलित हैं, जिन्हें ग्रामीण अपनी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा मानते हैं। वैसे भी भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है। जहाँ एक ओर भव्य ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ हैं, वहीं दूसरी ओर दैत्यनंदूर जैसे गाँव यह बताते हैं कि लोकआस्था का संसार कहीं अधिक व्यापक, उदार और जीवन्त है। निंबा दैत्य महाराज की परंपरा उसी सांस्कृतिक विराटता की सशक्त अभिव्यक्ति है।

फियरलेस लाइफ जीना चाहते हैं तो पढ़ें चंद्रशेखर आज़ाद के जीवन की ये अनसुनी कहानी

महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की उन दिनों आर्थिक स्थिति खराब थी। वह एक कंपनी में मोटर गाड़ी चलाकर अपने जीवन-यापन लायक भी नहीं कमा पा रहे थे। कभी-कभी उन्हें मात्र चने खाकर ही भूख शांत करनी पड़ती थी। एक दिन ऐसा हुआ कि सारा दिन मोटर गाड़ी चलाने के बाद शाम को जब भूख ने सताया तो उन्होंने देखा कि उनके पास केवल एक पैसा ही बचा है।

तभी उन्हें भुने चने बेचने वाला दिखाई दिया। भूख मिटाने के लिए उन्होंने उस एक पैसे के चने खरीदने का फैसला किया। चने वाले के पास जाकर उससे एक पैसे के चने देने को कहा। चने लेकर जब उन्होंने खाने शुरू किए तो उन्हें चनों के बीच एक पैसा दिखाई दिया। आजाद बहुत चकित हो गए, खुश भी हुए।

कुछ समय के लिए उनका मन डोल भी गया और सोचने लगे कि कल का काम भी चल जाएगा। चने खाते-खाते यही सब सोच रहे थे कि अचानक उनके मन में ख्याल आया- अगर मैं यह एक पैसा रख लेता हूं तो मेरा काम तो चल जाएगा पर हमेशा मुझे यह बात मन में चुभेगी कि मैंने किसी और का पैसा खा लिया।

यही सोचकर चंद्रशेखर आजाद चने वाले के पास गए और उसके हाथ पर एक पैसा रखकर बोले कि भाई! तुमने मुझे चनों के साथ एक पैसा भी दे दिया। अगर ऐसा करोगे तो क्या कमाओगे? चने वाला कुछ बोलता इससे पहले आजाद उसकी हथेली पर पैसा रखकर चल दिए। चने बेचने वाला उस नौजवान की ओर देखता रह गया।

युधिष्ठिर की द्रौपदी को सीख

जीवन में समस्याएं कभी पूरी तरह खत्म नहीं होतीं, हमें परिस्थितियों के बीच भी संतुलन बनाना सीखना चाहिए

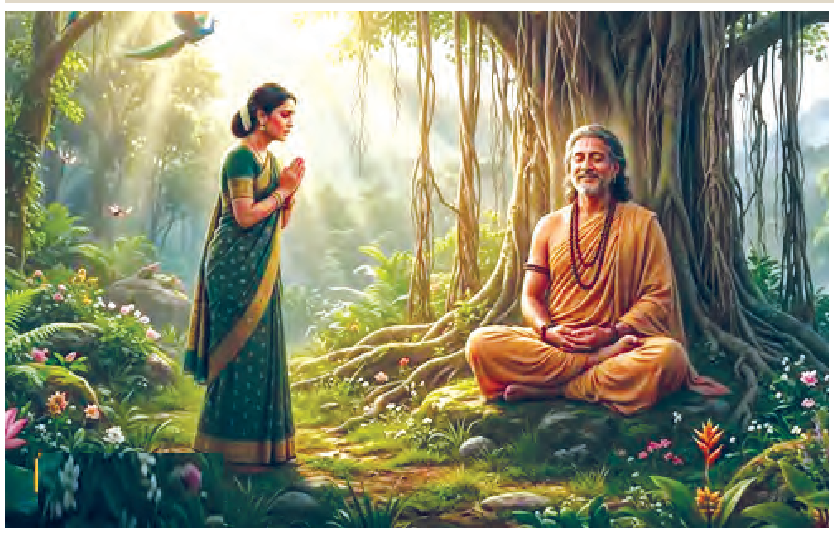

महाभारत में पांडवों का वनवास काल चल रहा था, उस समय उनका जीवन संघर्षों से भरा हुआ था। कभी भोजन की चिंता होती, कभी रहने की, तो कभी आने वाली चुनौतियों की चिंताएं सदा ही बनी रहती थीं। इतने कष्टों के बीच भी युधिष्ठिर अपने मन को शांत और संतुलित रखने का प्रयास करते रहते थे।

एक दिन वन में युधिष्ठिर एक शांत स्थान पर बैठे थे। चारों ओर हरियाली थी, पक्षियों की मधुर आवाजें वातावरण को सुखद बना रही थीं। वे आंखें बंद करके ध्यान में लीन हो गए। कुछ समय बाद जब उनका ध्यान पूरा हुआ, तो उनके चेहरे पर अद्भुत शांति और प्रसन्नता दिखाई दे रही थी।

उसी समय द्रौपदी वहां पहुंचीं। द्रौपदी ने युधिष्ठिर के चेहरे की खुशी देखकर आश्चर्य से पूछा, "आप इतने दुखों के बीच भी इतने प्रसन्न कैसे रह सकते हैं? आप तो भगवान पर बहुत विश्वास करते हैं। जब आप ध्यान करते हैं, तो निश्चित ही भगवान से बात करते होंगे। फिर उनसे यह क्यों नहीं पूछते कि हमारे जीवन में इतनी परेशानियां क्यों हैं? हम कब तक इन कठिन परिस्थितियों का सामना करेंगे?"

द्रौपदी ने अपने मन की पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, "हम वर्षों से वनवास सह रहे हैं। कभी थोड़ा सुख मिलता है, तो उसके बाद बड़ी परेशानी आ जाती है। कई बार तो भोजन और पानी तक की चिंता करनी पड़ती है। क्या भगवान से यह नहीं पूछा जा सकता कि हमारे जीवन में इतने कष्ट क्यों हैं?"

युधिष्ठिर ने शांत भाव से उत्तर दिया, "देवी, जब मैं ध्यान में भगवान से जुड़ता हूं, तो उनसे कुछ मांगने या शिकायत करने के लिए नहीं जुड़ता। यदि मैं उनसे केवल अपनी इच्छाएं पूरी करने की मांग करूं तो यह प्रेम नहीं, बल्कि एक प्रकार का सौदा होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं भगवान से इसलिए जुड़ता हूं, क्योंकि उनसे जुड़ने पर मेरे मन को शांति और प्रसन्नता मिलती है। यही प्रसन्नता मेरी सबसे बड़ी शक्ति बन जाती है। जीवन में जब कठिन समय आता है, तो यही आंतरिक शक्ति मुझे धैर्य देती है और संघर्षों से लड़ने की क्षमता देती है।"

युधिष्ठिर ने संदेश दिया कि बाहरी परिस्थितियां हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन अपने मन की स्थिति को संभालना हमारे हाथ में होता है। जो व्यक्ति कठिन समय में भी अपने भीतर शांति और सकारात्मकता बनाए रखता है, वह बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना कर सकता है।

युधिष्ठिर की सीख

अपनी खुशी को परिस्थितियों पर निर्भर न बनाएं

अक्सर लोग सोचते हैं कि जब समस्याएं खत्म होंगी, तभी वे खुश होंगे, लेकिन जीवन में समस्याएं कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होतीं। हमें परिस्थितियों के बीच भी संतुलन बनाना सीखना चाहिए। बाहरी सफलता से ज्यादा जरूरी है भीतर की प्रसन्नता। हम भीतर से प्रसन्न रहते हैं और जीवन में संतुलित रहते हैं, तब हमारा मन शांत रहता है।

ईश्वर से संबंध को सौदे में न बदलें

पूजा का उद्देश्य केवल इच्छाओं की पूर्ति नहीं है। प्रार्थना और ध्यान मन को स्थिर करने के साधन हैं। जब व्यक्ति निस्वार्थ भाव से ईश्वर को याद करता है, तो उसके अंदर धैर्य, विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा विकसित होती है। भगवान से कुछ मांगने के लिए पूजा करेंगे, तो यह एक सौदे की तरह हो जाएगा, जबकि भक्ति, तो निःस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए।

कठिन समय को प्रशिक्षण की तरह देखें

मुश्किलें हमें कमजोर करने के लिए नहीं, बल्कि मजबूत बनाने के लिए आती हैं। हर चुनौती हमें कुछ नया सिखाती है। समस्याओं से भागने के बजाय उनसे सीखने की आदत विकसित करें।

अपने मन की शक्ति बढ़ाएं

शरीर की तरह मन को भी अभ्यास की जरूरत है। ध्यान, सकारात्मक विचार, अच्छी संगति और आत्मचिंतन मन को मजबूत बनाते हैं। मजबूत मन वाला व्यक्ति ही विपरीत परिस्थितियों में भी सही निर्णय ले सकता है।

शिकायतों से समाधान की ओर बढ़ें

समस्या आने पर बार-बार यह सोचना कि "मेरे साथ ही ऐसा क्यों हुआ?" मन को कमजोर करता है। इसके बजाय यह सोचें कि "इस स्थिति में मैं क्या बेहतर कर सकता हूं?" यह सोच जीवन में आगे बढ़ने की शक्ति देती है।

छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करें

जीवन केवल बड़ी उपलब्धियों का नाम नहीं है। प्रकृति, परिवार, मित्रों का साथ और छोटी सफलताएं भी खुशी देती हैं। जो व्यक्ति छोटी खुशियों को महत्व देता है, उसका जीवन अधिक संतुलित रहता है।

आत्मविश्वास को अपनी पूंजी बनाएं

जब व्यक्ति अपने अंदर विश्वास रखता है तो कठिन परिस्थितियां भी आसान लगने लगती हैं। सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास जीवन की बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। युधिष्ठिर का संदेश यही है कि जीवन में दुख और सुख आते-जाते रहते हैं, लेकिन मन की प्रसन्नता को बनाए रखना हमारे हाथ में है। जो व्यक्ति भीतर से मजबूत होता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी सफलता का रास्ता खोज लेता है।

आषाढ़ मास की अमावस्या आज

सुबह सूर्य पूजा और दोपहर में करें पितरों के लिए धूप-ध्यान सूर्यास्त के बाद तुलसी के पास जलाएं दीपक

मंगलवार, 14 जुलाई को आषाढ़ मास की अमावस्या है। इसका नाम हलहारिणी अमावस्या है। यह पर्व किसानों के लिए बहुत खास है, इस दिन हल और अन्य कृषि यंत्र पूजा करने की परंपरा है। इस अमावस्या पर नदी स्नान और दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इन शुभ कामों से भक्तों को अक्षय पुण्य मिलता है, ऐसा पुण्य जिसका शुभ असर जीवन भर बना रहता है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, आषाढ़ी अमावस्या पर व्रत-उपवास, पूजा-पाठ, दान-पुण्य और पितरों के लिए धूप-ध्यान करना चाहिए। दिन की शुरुआत सूर्य पूजा के साथ करनी चाहिए। सूर्य को तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं और ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। घर के मंदिर में इष्टदेव की विधिवत पूजा करें। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए पूजा-पाठ, ध्यान, पिंडदान और तर्पण आदि शुभ करना चाहिए।

इष्टदेव की विधिवत पूजा करें और व्रत का संकल्प लें

सुबह सूर्य पूजा के बाद घर के मंदिर में भगवान गणेश, भगवान शिव, भगवान विष्णु, देवी दुर्गा और श्रीकृष्ण की श्रद्धापूर्वक पूजा करनी चाहिए। अगर आप अमावस्या का व्रत रख रहे हैं, तो पूजा के समय व्रत करने का संकल्प भी लें। इसके बाद अपनी क्षमता के अनुसार पूरे दिन उपवास करें। यदि निराहार रहना संभव न हो, तो एक समय फलाहार कर सकते हैं। पूजा में इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। जैसे श्री गणेशाय नमः, ऊँ नमः शिवाय, ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय, दुं दुर्गायै नमः, कृं कृष्णाय नमः, रां रामाय नमः, ऊँ रामदूताय नमः आदि।

इसके साथ ही शिवपुराण, विष्णुपुराण, श्रीमद्भागवत कथा जैसे ग्रंथों के कुछ अध्यायों का पाठ अपने समय के अनुसार कर सकते हैं। किसी संत के प्रवचन भी सुन सकते हैं।

ऐसे कर सकते हैं पितरों के लिए धूप-ध्यान

दोपहर में करीब 12 बजे के समय को कुतप काल कहते हैं। यह समय पितरों के लिए धूप-ध्यान, तर्पण आदि काम करने के लिए बहुत शुभ माना जाता है। दोपहर में गाय के गोबर से बना कंडा जलाएं और जब कंडे से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब पितरों का मन ही मन स्मरण करें और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गुड़-घी अंगारों पर चढ़ाएं। आप चाहें, तो खीर-पुड़ी भी चढ़ा सकते हैं। हथेली में जल लेकर पितरों का ध्यान ध्यान करते हुए अंगूठे की ओर से अर्पित करें। कुछ देर मौन ध्यान करें, मंत्र ॐ पितृभ्यो नमः का पर करें। पितरों को धूप देने के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। घर के बाहर गाय, कुत्ते और कौएं को भी खाना खिलाएं। किसी गौशाला में धन का दान करें।

पवित्र स्नान का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस शुभ काम से भक्त के जाने-अनजाने में हुए पापों का प्रभाव कम हो जाता है। यदि किसी पवित्र नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो घर पर ही पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान के समय सभी तीर्थों का ध्यान करें। ऐसा करने से भी तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

मंगलवार और अमावस्या का विशेष योग

यदि अमावस्या मंगलवार को पड़े, तो उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मंगलवार और अमावस्या के योग में हनुमान जी की विशेष पूजा करनी चाहिए। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं, हनुमान चालीसा का पाठ करें। समय और श्रद्धा के अनुसार राम नाम का जप या सुंदरकांड का पाठ भी कर सकते हैं।

ज्योतिष में मंगल ग्रह को मंगलवार का कारक माना जाता है। मंगल को नौ ग्रहों का सेनापति कहा जाता है। यह मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी है। जिन लोगों की कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति अच्छी नहीं है, उन्हें कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल पाती है। इस ग्रह के दोषों को शांत करने के लिए हर मंगलवार मंगल की विशेष पूजा करनी चाहिए। मंगल की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है, इसलिए शिवलिंग पर लाल गुलाल, लाल फूल चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतुरा, आंकड़े के फूल से श्रृंगार करें। ऊँ भौं भौमाय नमः मंत्र का जप कर सकते हैं।

दान करें और तुलसी के पास दीपक जलाएं

अमावस्या के दिन जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भी पुण्यदायी माना जाता है। अपनी श्रद्धा के अनुसार अनाज, भोजन, धन या जूते-चप्पल जैसी उपयोगी वस्तुओं का दान करें। शाम को सूर्यास्त के बाद घर के आंगन में तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं और उसकी परिक्रमा करें। मान्यता है कि अमावस्या पर किए गए इन शुभ कामों की वजह से घर में सुख-शांति और सकारात्मक वातावरण बना रहता है।

नई पीढ़ी विवाह को ठीक से समझे और स्वीकारे

इन दिनों माता-पिता बच्चों का विवाह करने के बाद इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि विवाह सफल होगा या नहीं। पहले परमात्मा से प्रार्थना की जाती थी कि विवाह अच्छे से संपन्न हो जाए। पर अब माता-पिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि बच्चों का विवाह अच्छा चल जाए। मन में भय है, पता नहीं कब रिश्ता टूटने की खबर आ जाए। हमारे परिवार के जीवन में जिन-जिन परंपराओं का स्वरूप बदला, उनमें विवाह भी है।

पहले शुद्ध वैदिक विवाह होता था, समाज और परिवार की सहमति से। इसको अरेंज्ड मैरिज कहते हैं। फिर भोग-विलास तो हो पर दीर्घ जिम्मेदारी न उठानी पड़े, इसके लिए लिव-इन रिलेशनशिप आ गई। लव मैरिज को तो लोग समझ ही नहीं पाए। रोमांस और लव मैरिज में फर्क है। रोमांस जैसे ही मैरिज में बदलता है, जीवन के कई कटु सत्य सामने आते हैं। और जरूरी नहीं कि यह सफल हो जाए। नई पीढ़ी विवाह को ठीक से समझे और स्वीकारे, वरना परिवार की परंपराओं का यह पहरुआ अपने-आप दम तोड़ देगा।

राम मंदिर चोरी का बचाव कर ट्रोल हुए अनुपम खेर

कहा– मुगलों ने मंदिरों में रेप किए उनकी लूट के सामने ये मामूली चीज

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में हुई चोरी के बचाव में दिए अपने बयान को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने राम मंदिर में 2 से 7 करोड़ रुपए की अनियमितता को मामूली बात बताया। उन्होंने इसका कनेक्शन सीधे मुगलों से जोड़ते हुए कहा कि मुगलों ने जो देश को लूटा और अत्याचार किए, उसके सामने यह चोरी बहुत छोटी चीज है। इस बयान का वीडियो एक्स (पहले ट्विटर) पर वायरल होने के बाद लोग उनकी जमकर आलोचना कर हैं।

इंटरव्यू के दौरान अनुपम खेर ने मंदिर में हुई चोरी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि लोग इसे बहुत बड़ी बात बना रहे हैं और कह रहे हैं कि मंदिर में लूट मची है। एक्टर ने तर्क दिया कि लूट तब मची थी जब मुगलों ने हमारे मंदिरों को तोड़ा था। उन्होंने आगे कहा कि लूट तब मची थी जब मुगल राजाओं ने ब्राह्मणों को मारकर उनके जनेऊ को इकट्ठा करके तोला था। अनुपम खेर के मुताबिक, इतिहास में महिलाओं के साथ मंदिर रेप हुए, वे बहुत बड़ी समस्याएं थीं। अगर देश उन बड़ी दिक्कतों से उबर सकता है, तो यह चोरी बहुत छोटी चीज है।

अनुपम खेर का यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल होते ही लोगों ने उन्हें आड़े हाथों ले लिया। एक यूजर ने लिखा अनुपम जी 1000 साल पुराने इतिहास की बातें करके क्या वे इस तरह की गलत चीजों का समर्थन कर रहे हैं? अगर कोई आपका घर लूट ले और आपको (राम मंदिर मामले की तरह) भावनात्मक रूप से ठेस पहुंचाए, तो क्या यह कहना सही होगा कि इसे किसी का लालच मानकर छोड़ दिया जाए।

वहीं, एक अन्य यूजर ने सत्ताधारी पार्टी के गलत कामों और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए बहस में मुगलों का नाम घसीटना बंद करने की सलाह दी।

उसनें लिखा कि सरकार का बचाव करने की इतनी क्या मजबूरी है, जबकि मंत्रियों और उनके सहयोगियों का लालच सड़कों और ईंधन से लेकर मंदिर के दान तक हर जगह साफ दिखाई दे रहा है।

सर्जरी के बाद ठीक हो रहे हैं पवन कल्याण मिलने अस्पताल पहुंचे सीएम चंद्रबाबू नायडू

एक्टर और आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण की मुंबई के एक अस्पताल में दाएं कंधे की सर्जरी हुई है। सर्जरी के बाद अब उनकी हालत धीरे-धीरे बेहतर हो रही है। सर्जरी के अगले ही दिन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल जाना। जनसेना पार्टी ने इस मुलाकात की एक फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की है।

पार्टी ने पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू अस्पताल पहुंचे, पवन कल्याण से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। फोटो में पवन कल्याण कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके दाएं कंधे पर पट्टी बंधी हुई है।

पत्नी अन्ना लेझनेवा ने भी दिया अपडेट

पवन कल्याण की पत्नी अन्ना लेझनेवा ने भी सर्जरी के बाद उनकी हेल्थ को लेकर जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि पवन हमेशा अपनी जिम्मेदारियों को दर्द से ऊपर रखते हैं और बहुत कम शिकायत करते हैं। उन्होंने कहा, 'फिलहाल मेरा काम सिर्फ उनका ख्याल रखना है और उन्हें ये एहसास दिलाना है कि वो सुरक्षित हाथों में हैं। धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।'

क्यों करवानी पड़ी सर्जरी?

पवन कल्याण को 2016 में कंधे में चोट लगी थी। इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी लेकिन इसके बावजूद वह कई इवेंट्स में शामिल होते रहे। साथ ही अपनी राजनीति यात्राओं और चुनाव प्रचार के दौरान वह पार्टी कार्यकर्ता, फैंस से मिलते थे। जहां पर लोग उनका हाथ पकड़ते थे। इस दौरान उनके हाथ पर जोर पड़ता और उनको दर्द होता है। बाद में यह दर्द बढ़ता ही गया। आखिर में डॉक्टर्स ने सर्जरी करने को कहा। लेकिन दोनों कंधों की सर्जरी एक साथ न करने की सलाह दी। ऐसे में आज उनकी दाहिने कंधे की सर्जरी हुई। यह सर्जरी तीन घंटे तक चली।

पवन कल्याण के बाएं कंधे की सर्जरी दो महीने बाद की जाएगी। बता दें कि उनके कंधे के रोटेटर कफ में चोट लगी थी।

जुरासिक पार्क एक्टर सैम नील का निधन

78 साल की उम्र में ली आखिरी सांस, ब्लड कैंसर को दे चुके थे मात

हॉलीवुड की मशहूर फिल्म 'जुरासिक पार्क' और ऑस्कर विजेता फिल्म 'द पियानो' एक्टर सैम नील का सोमवार को 78 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस दुखद खबर की पुष्टि की।

परिवार के बयान के अनुसार, सैम नील का निधन अचानक हुआ। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सैम कैंसर से पूरी तरह ठीक हो चुके थे। साल 2023 में उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें एंजियोइम्यूनोब्लास्टिक टी-सेल लिम्फोमा नाम का एक दुर्लभ ब्लड कैंसर हुआ था। इलाज के बाद उनकी बीमारी ठीक हो गई थी। फिलहाल परिवार ने उनके निधन की वजह नहीं बताई है।

सैम नील को उनकी दमदार और सहज एक्टिंग के लिए जाना जाता था। उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा लोकप्रियता 'जुरासिक पार्क' में डॉ. एलन ग्रांट के किरदार से मिली।

सैम नील न्यूजीलैंड के सबसे मशहूर अभिनेताओं में से एक थे। उनका पूरा नाम नाइजल जॉन डर्मॉट सैम नील था। उनका जन्म 14 सितंबर 1947 को उत्तरी आयरलैंड के ओमाघ में हुआ था। जब वे छोटे थे, तब उनका परिवार न्यूजीलैंड जाकर बसा, जहां उनकी परवरिश हुई।

सैम नील ने 1970 के दशक में अभिनय की शुरुआत की। उन्हें पहली बड़ी पहचान 1977 की फिल्म स्लीपिंग डॉग्स से मिली। इसके बाद 1979 की माय ब्रिलियंट करियर ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। 1980 और 1990 के दशक में उन्होंने हॉलीवुड में अपनी अलग जगह बनाई। सैम नील उन कलाकारों में शामिल थे, जिन्होंने 1970 के दशक के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई सिनेमा को दुनिया भर में नई पहचान दिलाई। उनका फिल्मी करियर पांच दशक से ज्यादा लंबा रहा और उन्होंने अपनी शानदार अदाकारी से करोड़ों लोगों का दिल जीता।

महेश मांजरेकर की पत्नी को कैंसर

मेधा मांजरेकर ने शेयर किया पोस्ट, बीमारी ने सब बदल दिया

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर और फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की पत्नी मेधा मांजरेकर ने कैंसर से जंग को लेकर खुलासा किया है। मराठी एक्ट्रेस मेधा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया है कि उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने बीमारी के बारे में इंस्टाग्राम पर एक लंबा और भावुक नोट शेयर किया। इसके साथ ही कुछ तस्वीरें और अस्पताल की झलकियां भी शेयर की हैं।

मेधा मांजरेकर 58 साल की हैं। वह मराठी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। साल 1995 में मेधा ने महेश मांजरेकर से शादी की थी, जिसके बाद 2001 में उन्होंने बेटी सई मांजरेकर को जन्म दिया। यह महेश मांजरेकर की दूसरी शादी है। माता-पिता की तरह सई भी एक्ट्रेस हैं, उन्होंने 2019 में सलमान खान के अपोजिट 'दबंग 3' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में मेधा मांजरेकर भी जानकी के रोल में थीं।

मेधा मांजरेकर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कैंसर से लड़ाई की अपनी लंबी यात्रा पर बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्होंने अपना ध्यान बीमारी से हटाकर उन लोगों पर लगाया, जिन्होंने उनका साथ दिया। मेधा ने पति महेश मांजरेकर के सपोर्ट का जिक्र करते हुए लिखा है, 'जिंदगी में कुछ सफर ऐसे होते हैं जो आपको हमेशा के लिए बदल देते हैं। यह भी उनमें से एक था। जब मेरे इलाज का एक दौर खत्म हो रहा है और मेरा जन्मदिन आने वाला है, तो मैं पीछे मुड़कर देख रही हूं।

बीमारी का पता चलने पर नहीं, सर्जरी पर नहीं, कीमोथेरेपी पर नहीं, रेडिएशन पर नहीं। मुझे बस ईश्वर की कृपा याद आती है।'

ओटीटी पर रिलीज होगी 'तीसरी बेगम'

फिल्म निर्माता और निर्देशक के. सी. बोकाडिया की चर्चित फिल्म 'तीसरी बेगम' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बाद यह फिल्म 18 जुलाई 2026 से 'वेव्स' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जाएगी।

यह फिल्म एक वास्तविक घटना से प्रेरित है, जिसमें महिला सशक्तिकरण, आत्मसम्मान और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया है।

फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में जरीना वहाब, मुग्धा गोडसे और कायनात अरोड़ा नजर आएंगी। बोकाडिया ने उम्मीद जताई है कि सिनेमाघरों की तरह ओटीटी पर भी इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिलेगा।

निर्देशक के. सी. बोकाडिया ने फिल्म की कहानी को लेकर खुलासा किया कि यह फिल्म पूरी तरह से एक सच्ची घटना पर आधारित है। एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई जिसने बड़े गर्व के साथ अपनी पहली, दूसरी और तीसरी पत्नी से उनका परिचय कराया। ये तीनों पत्नियां अलग-अलग समुदायों से ताल्लुक रखती थीं।

बोकाडिया के मुताबिक, उस समय तीसरी पत्नी के चेहरे पर जो झिझक और दर्द दिखाई दिया, उसने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। इसी घटना के बाद उन्होंने इस संवेदनशील विषय पर फिल्म बनाने का फैसला किया।

के. सी. बोकाडिया का कहना है कि 'तीसरी बेगम' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के लिए एक आईना है। यह कहानी दर्शकों को समाज में महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों पर गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि सिनेमाघरों में सराहनीय प्रदर्शन करने के बाद अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी लोग इस फिल्म को पसंद करेंगे। यह फिल्म मुख्य रूप से महिलाओं के आत्मसम्मान की लड़ाई को दिखाती है।

के. सी. बोकाडिया भारतीय सिनेमा के एक बड़े और प्रतिष्ठित नाम हैं। उन्होंने अपने लंबे फिल्मी करियर में बॉलीवुड के लगभग सभी बड़े सुपरस्टार्स के साथ काम किया है।

उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, विनोद खन्ना, हेमा मालिनी, शाह रुख खान, सलमान खान, सैफ अली खान, माधुरी दीक्षित, ऐश्वर्या राय, अक्षय कुमार, सनी देओल, अजय देवगन और प्रियंका चोपड़ा जैसे बड़े कलाकारों की फिल्मों का निर्देशन किया है।

उन्होंने 'तेरी मेहरबानियां', 'प्यार झुकता नहीं', 'नसीब अपना अपना', 'आज का अर्जुन' और 'फूल बने अंगारे' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं।

सोहेल खान ने सीमा से तलाक पर किया खुलासा

कहा– काम ठीक नहीं चल रहा था, अपने बर्ताव के कारण मैंने उसे खो दिया

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर सोहेल खान इन दिनों रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आ रहे हैं। शो के हालिया एपिसोड में दो वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट्स की एंट्री हुई, जिनमें से एक सोहेल खान की एक्स-वाइफ सीमा सजदेह हैं। शो के सेट पर दोनों का रीयूनियन काफी सकारात्मक रहा और दोनों एक-दूसरे से मिलकर खुश नजर आए। इस दौरान सोहेल खान ने सीमा से अपने तलाक की वजहों पर खुलकर बात की। उन्होंने शादी टूटने की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उस समय उनका काम ठीक नहीं चल रहा था और अपने खराब बर्ताव की वजह से उन्होंने सीमा को खो दिया।

शो के दौरान जब सीमा सजदेह की एंट्री हुई, तो सोहेल ने उनके लिए ग्रीन टी बनाई। इस पर शो के होस्ट निखिल चिनापा ने सोहेल से पूछा कि औरत घर को बिगाड़ भी सकती है और बना भी सकती है, आपके घर में किसका हाथ था? इसका जवाब देते हुए सोहेल खान ने कहा कि उस समय मेरा काम ठीक नहीं चल रहा था, इसलिए मेरी मानसिक स्थिति सही नहीं थी।

सोहेल खान ने शो में कंटेस्टेंट जैद दरबार से बातचीत के दौरान अपने बच्चों और सीमा के रिश्ते पर भी बात की। उन्होंने बताया कि उनके दोनों बेटे निर्वाण और योहान फिलहाल सोहेल के साथ ही रहते हैं। वहीं, सीमा बच्चों से मिलने के लिए हफ्ते में तीन बार उनके घर आती हैं। सोहेल ने खुलासा किया कि सीमा के पास आज भी उनके घर की चाबी है। सीमा ने शो में बताया कि उनका छोटा बेटा योहान शो में उन्हें सपोर्ट कर रहा है, जबकि बड़ा बेटा निर्वाण चाहता है कि सोहेल खान यह शो जीतें।

सोहेल और सीमा की पहली मुलाकात चंकी पांडे की सगाई की पार्टी में हुई थी। सोहेल पहली नजर में ही सीमा को दिल दे बैठे। जल्द ही दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया। लेकिन अलग-अलग धर्म होने की वजह से सीमा का परिवार इस रिश्ते के खिलाफ था। परिवार के विरोध के बावजूद दोनों ने साथ रहने का फैसला किया।

15 मार्च 1998 को, जिस दिन सोहेल की पहली डायरेक्टेड फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' रिलीज हुई, उसी दिन दोनों ने घर से भागकर शादी कर ली। पहले आर्य समाज मंदिर में फेरे लिए और फिर निकाह किया। उनका पहला बेटा निर्वाण 2000 में और दूसरा बेटा योहान 2011 में हुआ। दोनों 2022 में अलग हो गए।

दलजीत कौर ने प्यार को कहा 'तुच्छ चीज'

दो शादियां टूटने पर उठी टीस– 20 साल बाद शायद मोहब्बत हो, अभी नहीं

एक्ट्रेस दलजीत कौर ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी कुछ कहा। जीवन में बहुत कुछ झेलने वाली एक्ट्रेस ने अपने कमजोर पलों, शांति पाने, अपने जीवन को फिर से सही करने और ताकत के साथ नया चैप्टर शुरू करने के बारे में बात की। खुलकर बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि क्या उन्हें अब भी प्यार पर भरोसा है या नहीं।

खुलकर बोलते हुए दलजीत कौर ने कहा, 'मैं किसी से प्यार नहीं करना चाहती। प्यार को कम आंका गया है। कभी मत कहना.. चलो। 15-20 साल बाद हो सकता है, मैं 60-70 की हो जाऊं शायद। इस वक्त प्यार मैंने इतने फालतू तरीकों से देखा, क्या मतलब है आप 45-46 के हो और किसी औरत को अपने प्यार में पागल कर देते हो। फिर मतलब आप धूम-धाम से लेके गए और वहां आप दूसरी लड़की के चक्कर में हो।'

एक्ट्रेस ने युवा पीढ़ी की तारीफ करते हुए कहा, 'युवा पीढ़ी अधिक समझदार है। क्योंकि जो हमारी पीढ़ी है वो दुर्भाग्यवश गलत परवरिश की गई है। उन्हें हमेशा ये बोला गया कि अरे आप तो मर्द हो, आप तो शेर हो। इस बकवास में बड़ा करके कि उन्हें असली में लगने लगा कि वो शेर हैं।' बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट ने प्यार को एक 'तुच्छ' चीज बताया और इस बात पर जोर दिया कि सम्मान कितना जरूरी है।

राम कपूर को सुनकर रो पड़ीं जेनेलिया

हाल ही में 'लॉक अप 2' में राम कपूर ने अपनी टीनएज के एक दर्दनाक वाकये का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि जब वह सिर्फ 13 साल के थे और बोर्डिंग स्कूल में पढ़ते थे, तब उनके साथ छेड़छाड़ हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात सबसे छिपाकर रखी थी और सिर्फ उनकी पत्नी गौतमी कपूर को ही इसके बारे में पता था। एपिसोड आने के तुरंत बाद, राम की पत्नी गौतमी उनके सपोर्ट में सामने आईं और ईमानदारी और हिम्मत के साथ सच बताने के लिए उनकी तारीफ की।

शो के होस्ट रितेश देशमुख ने भी उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी को री-शेयर किया और अपनी जिंदगी के इतने निजी और मुश्किल हिस्से के बारे में खुलकर बात करने के लिए राम की तारीफ की। अब जिनिलिया देशमुख ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और बताया है कि राम की इस बात ने उन्हें भावुक कर दिया।

सोशल मीडिया पर दिल को छू लेने वाला नोट शेयर करते हुए, जिनिलिया ने राम कपूर की हिम्मत की तारीफ की और 'लॉक अप 2' में हुई ईमानदार बातचीत के लिए शो की सराहना की।

उन्होंने लिखा, 'राम कपूर आपने मुझे रुला दिया और जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसे देखने का एक बहुत ही खूबसूरत नजरिया दिखाया। #Lock-Upp2 एक अलग तरह का रियलिटी शो होने के लिए बहुत बढ़िया काम किया है।'

दीपिका पादुकोण से ब्रेकअप के बयान पर मुजम्मिल की सफाई

वीडियो में कहा था– मैंने उसे छोड़ा, पछतावा नहीं, मैं स्टार था

एक्टर मुजम्मिल इब्राहिम अपने उस पुराने बयान से सुर्खियों में आ गए हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 2 साल तक दीपिका पादुकोण के साथ रहने के बाद उन्होंने उन्हें छोड़ दिया था। पुराने इंटरव्यू में एक्टर ने ये भी दावा किया था कि दीपिका ने खुद उन्हें प्रपोज किया था। अब वीडियो वायरल होने के बाद एक्टर ने सफाई दी है।

मुजम्मिल इब्राहिम ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से एक पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'जिस इंटरव्यू की चर्चा की जा रही है और जिसे गलत तरीके से ताजा दावा बताकर पेश किया जा रहा है, वह वास्तव में एक साल से भी पहले रिकॉर्ड किया गया था।

इस समय जो क्लिप्स वायरल हो रही हैं, वे एक लंबी बातचीत के केवल कुछ छोटे हिस्से हैं।' ऐसे में जब बातचीत के कुछ अंशों को अलग करके देखा जाता है, तो उनका वास्तविक अर्थ और संदर्भ बदल सकता है।' कुछ महीनों पहले एक पॉडकास्ट में सिद्धार्थ कानन ने मुजम्मिल से पूछा था कि क्या आप दीपिका पादुकोण के साथ रिलेशनशिप में थे। मुजम्मिल ने इस बारे में बात करने से इनकार करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हमें इस बारे में बात नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अब उनकी शादी हो चुकी है। हम बहुत अच्छे दोस्त थे और अब भी हैं और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं।'

जश्न में डूबा महेश बाबू का परिवार

साउथ के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस बीच उनका परिवार खुशी के माहौल में है। इटली में उनके भतीजे और युवा एक्टर सिद्धार्थ घट्टामनेनी की शादी का जश्न शुरू हो गया है। महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर ने हाल ही में इस खुशी के मौके पर परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों की तस्वीरें शेयर कीं।

नम्रता शिरोडकर ने सोशल मीडिया पर सिद्धार्थ की शादी के जश्न की कई तस्वीरें शेयर कीं हैं। वह गहरे गुलाबी रंग की सिल्क साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने स्टाइलिश ज्वेलरी के साथ अपना लुक पूरा किया है।

तस्वीरों में वह परिवार के सदस्यों के साथ खुशी के पल बिताती हुई नजर आईं।

सीडीएस बनते ही जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने शुरू की थियेटर कमांड की तैयारी

5 ताकतवर देशों में शामिल होगा भारत

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के नए सीडीएस बनते ही भारत की मिलिट्री में भी थियेटर कमांड बनने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इसकी चर्चा पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के समय में शुरू हुई थी, लेकिन अब लगता है कि बहुत जल्द भारत उन पांच ताकतवर देशों में शामिल हो सकता है, जिनकी तीनों सेनाएं थियेटर कमांड के ढांचा के तहत संचालित होते हैं, जिससे जंग के दौरान तीनों सेनाओं में बेहतर तालमेल बनाने में आसानी होगी। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने 31 मई, 2026 को ही भारत के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स का कार्यभार संभाला है। एचटी की एक रिपोर्ट के अनुसार सीडीएस सुब्रमणि इसी महीने के अंत तक थियेटर कमांड की मंजूरी के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने वाले हैं।

राजनाथ सिंह से मिल सकते हैं सीडीएस जनरल सुब्रमणि

भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने पहली बार फरवरी, 2020 में सशस्त्र सेनाओं के लिए इंटीग्रेटेड थियेटर कमांड का विचार सार्वजनिक किया। पिछले सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले थियेटर कमांड का एक फाइनल ड्राफ्ट रक्षा मंत्री को सौंपकर गए हैं। अब तीसरे सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य सभी स्टेकहोल्डरों के सामने उसपर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिए जाने की संभावना है। जैसे ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह थियेटर कमांड की योजना को हरी झंडी दिखा देंगे, इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के सामने अंतिम मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा।

थियेटर कमांड के लिए फोर-स्टार वाले 4 पद के गठन की योजना

भारत में सेना, नौसेना और वायुसेना के सभी कमानों को तीन थियेटर कमांड में शामिल करने की तैयारी है। नॉर्दर्न थियेटर कमांड, जिसकी जिम्मेदारी मूल रूप से चीन से सटी उत्तरी सीमाओं की ओर रहेगी। वेस्टर्न थियेटर कमांड, जिसकी जिम्मेदारी मुख्यतौर पर पाकिस्तान से सटी सीमाओं की रक्षा होगी। मैरीटाइम थियेटर कमांड (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह समेत), जिसकी जिम्मेदारी मुख्य तौर पर भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा पर नजर रखने की होगी। योजना के तहत प्रत्येक थियेटर कमांड के चीफ एक फोर-स्टार वाले सैन्य अफसर होंगे। इसके लिए फोर-स्टार वाले चार पद बनाए जाने की योजना है, जिनका दर्जा मौजूदा सर्विस चीफ के बराबर की होगी। इसी चार-सितारे वाले अफसरों में एक वाइस चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (वीसीडीएस) का भी पद होगा।

दुनिया के 5 ताकतवर देशों में शामिल होगा भारत

भारत में इस समय आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के कुल 17 अलग-अलग कमांड हैं। थियेटर कमांड बनने के बाद इन सबको भौगोलिक आधार पर संबंधित थियेटर कमांड के साथ एकीकृत किया जाएगा। भारत में थियेटर कमांड लागू होने के साथ ही यह दुनिया के उन पांच ताकतवर देशों में शामिल हो जाएगा, जिनकी सेनाएं थियेटर कमांड के तहत ही संचालित होती हैं। ये पांच देश हैं-अमेरिका, चीन, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस।

केपीएससी के चेयरमैन को राज्यपाल ने किया निलंबित

सरकारी नौकरी में बेटियों की अवैध भर्ती का आरोप

बंगलूरु, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को निलंबित कर दिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी दो बेटियों को इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ऑफिसर के पद पर कथित तौर पर अवैध तरीके से चयनित कराने में मदद की। राज्यपाल ने इस पूरे मामले की जांच के लिए संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत राष्ट्रपति से सुप्रीम कोर्ट में संदर्भ भेजने की भी सिफारिश की है।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यह भी निर्देश दिया है कि अगले आदेश तक आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य केपीएससी अध्यक्ष के दायित्व निभाएंगे। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए साहूकार को निलंबित करना आवश्यक है। राज्यपाल के आदेश में कहा गया है कि राज्यपाल ने भारत के राष्ट्रपति से संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत भारत के सर्वोच्च न्यायालय को इस मामले में आवश्यक जांच के लिए संदर्भ भेजने की सिफारिश की है।

अमरनाथ यात्रा में कोई कचरा नहीं फैलेगा

ऐसा करने वाली देश की पहली धार्मिक यात्रा-4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल

जम्मू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा देश की पहली 'जीरो लैंडफिल पिलग्रिमेज' बनने जा रही है। तीन जुलाई से 28 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा में चार लाख से ज्यादा श्रद्धालु शामिल होंगे। बावजूद इसके कोई कचरा लैंडफिल में नहीं जाएगा। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 को 'जीरो लैंडफिल पिलग्रिमेज' बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत यात्रा मार्ग पर निकलने वाले कचरे को संसाधन में बदला जा रहा है। खच्चरों के गोबर से बायोगैस बनाई जाएगी। प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए वाटर एटीएम लगाए गए हैं और पूरे मार्ग पर वैज्ञानिक तरीके से ठोस व तरल कचरे का प्रबंधन किया जा रहा है। यह पहल स्वाहा रिसोर्स मैनेजमेंट और जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण स्वच्छता विभाग कर रहा है।

700 मीट्रिक टन कचरा निकलेगा

अनुमान है कि यहां करीब 700 मीट्रिक टन कचरा निकलेगा। इसके लिए बालटाल व पहलगाम दोनों मार्गों पर डस्टबिन लगाए हैं और विशेष सफाई दल तैनात किए गए हैं, जो ठोस और तरल दोनों प्रकार के कचरे का संग्रह और वैज्ञानिक निस्तारण कर रहे हैं। ग्रामीण स्वच्छता विभाग की महानिदेशक अनु मल्होत्रा बताती हैं कि यात्रा शुरू होने के पहले दिन से ही सफाईकर्मी लगातार कचरा एकत्र कर रहे हैं और हाई-एंड मशीनों के जरिए उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण किया जा रहा है।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग पूरी तरह पिघला

अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

9 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन स्लॉट बुक, प्रशासन बोला-नए यात्री कुछ दिन रुकें

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बिना रजिस्ट्रेशन करवाए अमरनाथ पहुंच रहे यात्रियों से कहा है कि वे अपनी यात्रा कुछ दिन के लिए टाल दें। प्रशासन के मुताबिक, 9 जुलाई तक सभी रजिस्ट्रेशन स्लॉट पूरी तरह भर चुके हैं। ऐसे में अगर कोई यात्री बिना रजिस्ट्रेशन बालटाल या पहलगाम रूट से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे चेक पॉइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उसे 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाएगा।अधिकारियों ने कहा कि रविवार से केवल रजिस्टर्ड यात्री ही कश्मीर की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।

दक्षिण चीन सागर को लेकर 14 देशों के बयान पर भड़का चीन, जापानी राजनयिक को तलब किया

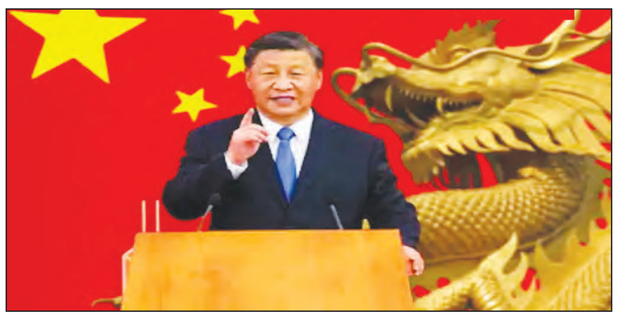

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर पर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले की 10वीं वर्षगांठ पर जापान समेत 14 देशों द्वारा चीन के समुद्री दावों को खारिज किए जाने के बाद बीजिंग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन ने रविवार को बीजिंग स्थित जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया और कहा कि दक्षिण चीन सागर पर उसकी संप्रभुता कभी नहीं बदली है। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिलीपींस, कनाडा, जर्मनी, इटली, न्यूजीलैंड समेत कुल 14 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर 12 जुलाई 2016 को द हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले को अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी बताया। बयान में कहा गया कि चीन के 'नाइन-डैश लाइन' दावों का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने जापान पर क्षेत्रीय मामलों में हस्तक्षेप और दक्षिण चीन सागर में शांति व स्थिरता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि जापान इस विवाद का पक्षकार नहीं है और उसे इस मामले में दखल नहीं देना चाहिए। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने कहा कि चीन द्वारा 2016 के फैसले को अस्वीकार करना विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन के विपरीत है। चीन ने इस टिप्पणी को खारिज करते हुए जापान पर ऐतिहासिक विस्तारवाद की मानसिकता का भी आरोप लगाया।

खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो तीन की मौत, 9 लोग घायल

कानपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। रूमा स्थित न्यू जेके ढाबा के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ। वाहन संख्या एचआर 14एम 9501 स्कॉर्पियो सिरसा, हरियाणा से बिहार जा रही थी। इसमें 12 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो किसी अज्ञात वाहन को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई।

ट्रेनों से कौन चुरा रहा करोड़ों के चादर, तकिया और कंबल?

> आरटीआई में सामने आया चौंकाने वाला सच

रेलवे के 1.27 करोड़ टावल, चादरें और कंबल चोरी

- रेलवे के 1.27 करोड़ बेडरोल आइटम गायब।
- ठेकेदारों को हुआ 104 करोड़ का नुकसान।
- सबसे ज्यादा फेस टावल अपने साथ ले गए यात्री।
- तिरुचिरापल्ली और पलक्कड़ में एक भी चोरी नहीं।

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे की एसी कोच में यात्रा करने वाले करीब-करीब 8 लाख यात्रियों को यात्रा के दौरान रेलवे की तरफ से मुफ्त बेडरोल की सुविधा मिलती है। इसमें दो चादरें, एक कंबल, एक तकिया, तकिए का कवर और एक फेस टावल शामिल होता है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि सफर खत्म होने के बाद हर 1000 यात्रियों में से करीब एक यात्री बेडरोल का कोई न कोई सामान अपने साथ ले जाता है।

इस बात का खुलासा इंडियन एक्सप्रेस की तरफ से दाखिल किए गए आरटीआई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2022 से मई 2026 के बीच भारतीय रेलवे के एसी कोचों से अब तक 1.27 करोड़ से अधिक बेडरोल आइटम गायब हो चुके हैं। जिससे रेलवे को हर साल करोडों रुपये का नुकसान उठाना पड रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा फेस टावल चोरी हुए हैं। चार साल में 46.54 लाख टावल गायब हुए। इसके बाद 41.13 लाख चादरें, 23.59 लाख तकिए के कवर, 12.95 लाख कंबल और 2.76 लाख तकिए चोरी हुए। 2022 से 2025 के बीच ऐसी चोरियों में 56 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। देश के सात रेलवे जोन के 10 डिवीजन में कुल चोरी का 67 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा चोरी बीकानेर डिवीजन में हुई, जहां 25.76 लाख सामान गायब हुए। इसके बाद रांची, दिल्ली, मुंबई, जोधपुर, अहमदाबाद और दानापुर का नंबर है। वहीं तिरुचिरापल्ली और पलक्कड डिवीजन में चोरी का कोई मामला सामने नहीं आया।

इस चोरी का नुकसान किसे उठाना पडता है?

चार साल में इस चोरी से बेडरोल सप्लाई करने वाले ठेकेदारों को करीब 104.51 करोड रुपये का नुकसान हुआ। सबसे ज्यादा असर उन कोच अटेंडेंट पर पड़ता है, जिनकी सैलरी से चोरी हुए सामान की कीमत काट ली जाती है। कई अटेंडेंट ने बताया कि हर महीने 2000 से 3000 रुपये तक उनकी मजदूरी कम हो जाती है, जबकि उन्हें रोजाना करीब 700 रुपये ही मिलते हैं।

रेलवे क्या कह रहा है?

रेलवे मंत्रालय ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है। मंत्रालय का कहना है कि कर्मचारियों की मिलीभगत का कोई सबूत नहीं मिला है। रेलवे का कहना है कि चोरी रोकने के लिए सीसीटीवी, कोच मित्र ऐप, कर्मचारियों की काउंसलिंग, पुलिस वेरिफिकेशन और यात्रियों से स्टेशन पहुंचने से 30 मिनट पहले बेडरोल वापस लेने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

'सब्जियों की तरह टीटीई बेचते हैं बर्थ'

यात्री की मौत पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त, रेलवे को दिया कार्रवाई का आदेश

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा कि कुछ ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर (टीटीई) ट्रेनों में खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचते हैं।

कोर्ट ने देश के सभी रेलवे जोन के जनरल मैनेजरों को निर्देश दिया कि ऐसे दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अदालत ने यह टिप्पणी एक ऐसे मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें नशीला पदार्थ देकर लूट का शिकार बने एक यात्री की मौत हो गई थी।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, फरवरी 2009 में न्यू जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रहे दो यात्रियों ने बिना रिजर्वेशन टिकट के साथ तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस में सफर शुरू किया था। दोनों ने एक टीटीई को पैसे देकर खाली बर्थ हासिल की। बाद में दो अपराधियों ने उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर उनके कीमती सामान लूट लिए। उनमें से एक यात्री पहले से ही कई बीमारियों से पीड़ित था। नशीले पदार्थ के असर से उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरा यात्री बच गया था। जस्टिस राजशेखर मंथा और जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की डिविजन बेंच ने कहा कि यह अदालत अपने इस फैसले की प्रति ईस्टर्न रेलवे और देश के सभी रेलवे जोन के जनरल मैनेजरों को भेजने के लिए बाध्य है, ताकि उन टीटीई के खिलाफ अधिकतम सजा सुनिश्चित की जा सके, जो ट्रेनों में खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचते हैं।' कोर्ट ने कहा कि ऐसे गैरजिम्मेदाराना व्यवहार के कारण एक यात्री की जान चली गई, जबकि वह मूल रूप से केवल चोरी का शिकार हुआ था।

क्या सरकार सोनम वांगचुक को मारना चाहती है : संजय राउत

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत सोनम वांगचुक के अनशन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पिछले 16 दिनों से सोनम वांगचुक अनशन पर हैं, लेकिन अफसोस की बात है कि सरकार की ओर से किसी भी प्रकार के सकारात्मक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में यही सवाल उभरकर सामने आ रहा है कि क्या सरकार सोनम वांगचुक को मारना चाहती है? संजय राउत ने सोनम वांगचुक की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। उनके मुताबिक, सोनम वांगचुक असाधारण, पर्यावरणविद, शिक्षाविद और पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी बताया कि आखिर सोनम वांगचुक क्यों अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे धर्मेंद्र प्रधान ने पूरी तरह से भ्रष्टाचार किया है। उनके कार्यकाल के दौरान ही नीट जैसी परीक्षा लीक हुई। कई छात्रों ने मौत को भी गले लगा लिया। इन्हीं सब स्थिति को देखते हुए सोनम वांगचुक आज अनशन पर बैठे हुए हैं। उनके मुताबिक, सरकार को सोनम वांगचुक के पास आकर उनसे बात करनी चाहिए थी। उनसे बात करनी चाहिए थी, लेकिन अफसोस की बात है कि अभी तक सरकार की तरफ से कोई भी उनके पास नहीं आया। कुल मिलाकर हमें यह समझना होगा कि सोनम वांगचुक अनशन पर क्यों बैठे हैं। सोनम वांगचुक हम सभी लोगों के लिए ही बैठे हैं। इसके अलावा, उन्होंने अन्ना हजारे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब अन्ना हजारे अनशन पर बैठे हुए थे, तब तत्कालीन सरकार की ओर से कई लोग उनके पास गए थे और उनसे संवाद स्थापित करके उनका पक्ष जानने की कोशिश की थी।

'मॉब लिंचिंग से बचने के लिए तुर्की जैसे कपड़े पहनें मुसलमान'

कहने वाले पूर्व आईएएस नियाज खान पर भड़के महमूद मदनी

सहारनपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कैडर के पूर्व आईएएस अफसर नियाज खान के एक बयान पर जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी भड़क गए हैं। लेखक नियाज खान ने कहा था कि देश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं से बचने के लिए मुस्लिमों को अपना पहनावा तुर्की के मुसलमानों जैसा कर लेना चाहिए ताकि उनकी पहचान आसानी से ना हो सके।

इस पर मदनी का कहना है कि समस्या किसी समुदाय की पहचान या पहनावे से नहीं बल्कि नफरत की मानसिकता और कानून हाथ में लेने वाली भीड़ है। अपराधियों पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ितों से अपनी पहचान बदलने की अपेक्षा करना समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कानून का राज ही मॉब लिंचिंग का समाधान है।

मौलाना मदनी ने जारी किया बयान

मदनी ने एक बयान जारी कर कहा कि किसी जिम्मेदार व्यक्ति की तरफ से पीड़ित समुदाय को अपनी पहचान छिपाने की सलाह देना न तो न्यायसंगत है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप। दादरी, अलवर, हापुड़ और चरखी दादरी जैसी मॉब लिंचिंग घटनाओं में पीड़ितों का पहनावा हमलों का कारण नहीं था। आपको बता दें कि लेखक नियाज खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर मॉब लिंचिंग से जुड़े मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उनका कहना है कि भारत में मॉब लिंचिंग के ज्यादातर मामलों में लोग कुर्ता, पायजामा, दाढ़ी और टोपी पहने हुए थे। इस पहनावे से उनकी पहचान आसानी से हो जाती है। इसलिए मुस्लिमों को अपना ड्रेस और हुलिया बदल लेना चाहिए।

'जनता मुफ्त की सुविधाओं में व्यस्त रहती है'

एक अन्य पोस्ट में नियाज खान ने लिखा कि कई आजाद देशों ने लोकतंत्र तो अपनाया लेकिन उसके मूल सिद्धांत नहीं अपनाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के नाम पर नेता और अफसर जमकर पैसा लूटते हैं जबकि जनता मुफ्त की सुविधाओं में व्यस्त रहती है।

फर्जी दस्तावेजों से ठगी का खेल, 11 मामलों में वांछित शातिर आरोपी आखिरकार गिरफ्तार

श्रीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने धोखाधड़ी और जालसाजी के कई मामलों में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और उसके खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई चल रही थी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल मजीद मीर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ वर्ष 2015 में दर्ज एक धोखाधड़ी और ठगी के मामले में श्रीनगर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने इस मामले में अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) भी दाखिल कर दिया था। इसके बावजूद आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। आर्थिक अपराध शाखा के प्रवक्ता ने बताया कि अब्दुल मजीद मीर एक आदतन अपराधी है।

हाफिज सईद के गुर्गे ने दी हिन्दू नेता को मारने की धमकी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पुलिस को दी शिकायत, अंबाला पुलिस ने की एफआईआर दर्ज, जांच शुरू, शांडिल्य की सुरक्षा को लेकर अंबाला पुलिस ने उनके निवास व कार्यालय पर गश्त बढ़ाई। 'वीरेश शांडिल्य ने कहा कि पुलिस को यह नहीं भूलना चाहिए कि हाफिज सईद का गुर्गा अब्दुल करीम टुंडा भारत की जेल में ही बंद है'।

पिछले 30 साल से पाकिस्तानी आतंकवाद सहित बब्बर खालसा आतंकी संगठन सहित खालिस्तान के खिलाफ मुहिम छेड़े हुए एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य को 26/11 के मास्टर माइंड लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सयैद के गुर्गे ने नाम लेकर धमकी दी व उन्हें गंभीर गालियां दी। धमकी देने वाले ने कहा कि हाफिज सईद के खिलाफ बोलने पर वीरेश शांडिल्य को सबक सिखाया जाएगा। वीरेश शांडिल्य ने उन्हें मिली धमकी की सूचना अंबाला पुलिस को दी और पुलिस ने वीरेश शांडिल्य की शिकायत पर बीएनएस की धारा के तहत एफआईआर 267 दर्ज कर ली है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य को जून 2026 में भी पाकिस्तान से मौत के घाट उतारने की धमकी मिली थी जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी लेकिन इसी बीच 5 जुलाई 2026 को फिर लश्कर-ए-तायबा प्रमुख व 26/11 व पहलगांव साजिश के मास्टर माइंड हाफिज सयैद के गुर्गे ने वीरेश शांडिल्य को धमकी भरे संदेश भेजे जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। वीरेश शांडिल्य को मिल रही धमकियों के बाद अंबाला के पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत के आदेश पर अंबाला शहर के एसएचओ वीरेश शांडिल्य के निवास व ऑफिस पर लगातार गश्त कर रहे हैं। वीरेश शांडिल्य को जरूरी सुरक्षा भी सरकार द्वारा मुहैया करवाई हुई है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें आतंकवाद खालिस्तान के खिलाफ मुहिम चलाने व देशद्रोही ताकतों के खिलाफ आवाज बुलंद करने पर लगातार मौत के घाट उतारने की धमकियां मिल रही है और अंबाला पुलिस व मोहाली जिला में भी उन्हें धमकी मिलने पर पुलिस ने मुकदमें दर्ज किए हुए हैं। वीरेश शांडिल्य ने कहा उनका मनोबल गिराने के लिए पाकिस्तानी आतंकवादी सहित खालिस्तानी समर्थक उन्हें मौत के घाट उतारना चाहते हैं और लगातार धमकियां दे रहे हैं लेकिन उनकी आतंकवाद के खिलाफ मुहिम तब तक बंद नहीं होगी जब तक उनके शरीर में खून का अंतिम कतरा दौड़ रहा है। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि खालिस्तानी व जरनैल सिंह भिंडरा वाला समर्थक उनके दफ्तर को 2018 में जला चुके हैं जो खालिस्तानियों के खिलाफ उनकी शिकायत पर अंबाला की कोर्ट में केस भी चल रहा है। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादी व खालिस्तानी समर्थक उन्हें अपने रास्ते का पत्थर व रोड़ा मानते हैं इसलिए उन्हें मौत के घाट उतारना चाहते हैं। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि जिस लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सयैद के गुर्गे ने उन्हें धमकी दी उसी हाफिज सयैद ने पिछले साल 2025 में पहलगांव में 25 निर्दोष लोगों की हत्या की साजिश रची थी जिसमें हरियाणा के करनाल के रहने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को भी पहलगांव में शहीद किया था।

'झूठी और बेबुनियाद': पीयूष गोयल ने भारत के अमेरिकी ट्रेड डील को टालने वाली रिपोर्ट को किया खारिज

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने सोमवार को रॉयटर्स की एक रिपोर्ट को खारिज कर दिया। इसमें दावा किया गया था कि भारत ने अमेरिका के साथ जल्द ट्रेड एग्रीमेंट करने से इनकार कर दिया है। वह बेहतर शर्तों का इंतजार कर रहा है। पीयूष गोयल ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया।

रिपोर्ट का जवाब देते हुए लिखा, 'यह खबर पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और गुमराह करने वाली है। जून में जब यूएसटीआर जेमिसन ग्रीर दिल्ली आए थे तब मेरी उनके साथ बहुत अच्छी बैठकें हुई थीं।

दोनों पक्षों ने एक ऐसे एग्रीमेंट के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो संतुलित हो, कमर्शियल रूप से सार्थक हो और दोनों देशों में व्यवसायों, किसानों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस फायदा पहुंचाए। हमारी टीमें इस टारगेट को हासिल करने के लिए पूरी तरह से जुटी हुई हैं।'

रॉयटर्स ने रिपोर्ट में क्या किया था दावा?

इससे पहले रॉयटर्स ने अधिकारियों और विश्लेषकों का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी थी कि भारत ने हाल की बातचीत में अमेरिका के साथ जल्द ट्रेड एग्रीमेंट करने से इनकार कर दिया था। वह बेहतर डील का इंतजार कर रहा था क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए ट्रेडिंग पार्टनर्स से भरोसा मिला था। आर्थिक जोखिम कम हुए थे। देश में राजनीतिक फायदे की उम्मीद थी। गोयल का बयान सीधे तौर पर रिपोर्ट का खंडन करता है। दोहराता है कि दोनों देश आपसी फायदे वाले ट्रेड एग्रीमेंट के लिए बातचीत में लगे हुए हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत सही दिशा में जारी

इस बीच आज नई दिल्ली में एक ट्रेड ब्रीफिंग के दौरान कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने दोहराया कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत सही दिशा में जारी है। अग्रवाल ने कहा, 'फ्रेमवर्क डील तैयार है, जब भी सही समय होगा, इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। हम हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। लेकिन, डील तुलनात्मक फायदे के बारे में होती हैं। ये प्राथमिकताएं कुछ प्रतिस्पर्धियों और देशों के मुकाबले होती हैं। इसलिए हम इसे व्यवस्थित कर रहे हैं और फिर इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।'

दोनों देशों के बीच सकारात्मक जुड़ाव

बातचीत की प्रगति पर उन्होंने आगे कहा, 'हम बीटीए पर अच्छी प्रगति कर रहे हैं। हमें कोई चुनौती नहीं दिख रही है।'अग्रवाल ने यह भी कहा, 'भारत अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट भी बढ़ा रहा है। इससे भारत के एनर्जी इंपोर्ट में विविधता आ रही है।'दोनों देशों के बीच सकारात्मक जुड़ाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच कोई नकारात्मकता या मतभेद नहीं है। दोनों पक्ष एक-दूसरे की उम्मीदों को जानते हैं। दोनों पक्ष जानते हैं कि फ्रेमवर्क डील में क्या शामिल है। दोनों पक्ष सकारात्मक रूप से जुड़े हुए हैं।'

स्मार्ट मीटर बनाने वाली पोलारिस को खरीदने की तैयारी में अडानी! 1500 करोड़ की है डील

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ऊर्जा सेक्टर में इन दिनों स्मार्ट मीटर को लेकर भारी गहमागहमी है. सरकार की योजना देश के हर घर तक स्मार्ट मीटर पहुंचाने की है. इसी बड़े बदलाव के बीच, स्मार्ट बिजली और गैस मीटर बनाने वाली प्रमुख कंपनी 'पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग' बिकने जा रही है. इस कंपनी को खरीदने के लिए देश के कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर दिग्गजों ने कमर कस ली है. अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अप्रावा एनर्जी और प्राइवेट इक्विटी फंड एक्टिस जैसे बड़े नाम इस दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं. करीब 1,500 करोड़ रुपये की इस डील के लिए बातचीत अब अहम दौर में पहुंच चुकी है.

1,500 करोड़ की डील में कौन-कौन शामिल

पोलारिस स्मार्ट मीटरिंग की मूल कंपनी 'आई स्क्वायर्ड कैपिटल' इस कारोबार से बाहर निकलने की तैयारी में है. सूत्रों के मुताबिक, कंपनी की बिक्री प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और शॉर्टलिस्ट की गई चार-पांच बड़ी कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है. अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अप्रावा एनर्जी और एक्टिस ने इस दूसरे चरण में प्रवेश कर लिया है और अपनी 'ड्यू डिलिजेंस' (वित्तीय जांच-पड़ताल) की प्रक्रिया शुरू कर दी है. उम्मीद जताई जा रही है कि अगस्त की शुरुआत तक ये कंपनियां अपनी फाइनल और बाइंडिंग बोलियां जमा कर देंगी. बाजार के जानकारों का मानना है कि इस पूरे सौदे में कंपनी की वैल्यू करीब 1,500 करोड़ रुपये (150 मिलियन डॉलर से अधिक) आंकी जा सकती है.

पोलारिस का कारोबार

आई स्क्वायर्ड कैपिटल ने फरवरी 2023 में ही इस कंपनी में 100 मिलियन डॉलर का निवेश कर अपनी एक इकाई के जरिए कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदी थी. बाकी का हिस्सा 'समुन्नति सिंगापुर' के पास है, जिस पर पूरी तरह यशराज खेतान का मालिकाना हक है. पोलारिस मुख्य रूप से घरों और फैक्ट्रियों के लिए स्मार्ट मीटर बनाती है. कंपनी के पास पहले से ही उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में मीटर लगाने के बड़े कॉन्ट्रैक्ट मौजूद हैं. उत्तर प्रदेश में यह कंपनी मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के साथ मिलकर लखनऊ और अयोध्या क्लस्टर में 51 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही है. वहीं, पश्चिम बंगाल में भी इसे 22 लाख मीटर लगाने का ठेका मिला हुआ है.

स्मार्ट मीटर होता क्या है

स्मार्ट मीटर दरअसल ऐसे डिजिटल उपकरण हैं, जो बिजली या गैस की खपत का डेटा अपने आप रिकॉर्ड करके कंपनी तक भेज देते हैं. इससे रियल-टाइम खपत पर नज़र रखी जा सकती है और बिजली बिल में होने वाली गड़बड़ियों या अनुमानित बिलिंग से आम आदमी को छुटकारा मिल जाता है. भारत सरकार 'रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम' के तहत साल 2027 तक देशभर में 25 करोड़ प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का आक्रामक लक्ष्य लेकर चल रही है. इससे बिजली वितरण में होने वाले भारी नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी. इस पूरी योजना पर करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये का निवेश होना है.

700 अंक गिरने के बाद संभला शेयर बाजार

आईटी स्टॉक्स में तेजी, टीसीएस की लंबी छलांग

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में संकट गहराने से आज एशियाई बाजारों में काफी गिरावट आई। उसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक गिर गया था जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 इंडेक्स भी फिसलकर 24,000 के करीब आ गया था। लेकिन दोपहर बाद स्थिति बदल गई।

आईटी शेयरों में तेजी और दक्षिण कोरिया में सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में गिरावट से बाजार पॉजिटिव हो गया। सेंसेक्स 47.01 अंक यानी 0.06% तेजी के साथ 77,616.40 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी मात्र 4.10 अंक ऊपर 24,211 अंक पर क्लोज हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 13 शेयर तेजी के साथ बंद हुए। आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। टीसीएस में सबसे ज्यादा 5.46 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एनटीपीसी, कोटक बैंक में भी उल्लेखनीय तेजी रही। दूसरी ओर, टाटा स्टील, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, मारुति और बीईएल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इस बीच रुपया डॉलर के मुकाबले 0.3% गिरावट के साथ 95.62 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में यह 95.32 पर बंद हुआ था।

ब्रॉडर बाजार का हाल

निफ्टी के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा में रही। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 0.01 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.03 प्रतिशत तेजी रही। सेक्टर के हिसाब से देखें तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी मेटल में सबसे अधिक गिरावट आई, जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

क्यों आई थी गिरावट?

पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका और ईरान ने एक दूसरे के ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने की घोषणा की है। इससे कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 4% से ज्यादा बढ़कर $79 प्रति बैरल हो गया। इससे भारत के ट्रेड बैलेंस पर जोखिम की चिंताएं फिर से बढ़ सकती हैं। इस कारण शुरुआती कारोबार में बाजार में गिरावट आई थी।

लखनऊ से लेकर नागपुर तक सोलर पैनल लगवाने की मची होड़, पीएम सूर्य घर योजना का कमाल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में छतों पर सोलर पैनल (रूफटॉप सोलर) लगाने के मामले में एक नया और चौंकाने वाला ट्रेंड सामने आया है। देश के महानगरों (मेट्रो शहरों) के मुकाबले अब छोटे और मझोले शहर (टियर-II और टियर-III) इस रेस में काफी आगे निकल गए हैं। लखनऊ, नागपुर, सूरत, वाराणसी और एर्नाकुलम जैसे जिले देश में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में उभरे हैं। हैरानी की बात यह है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े महानगर टॉप 100 जिलों की सूची में भी जगह नहीं बना पाए हैं। यह तेजी केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' के कारण देखी जा रही है, जिसे फरवरी 2024 में लॉन्च किया गया था। इस योजना का लक्ष्य 1 करोड़ परिवारों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाना और उन्हें हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देना है।

कितने परिवारों को हुआ फायदा?

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक इस स्कीम के तहत अब तक देश में 36.3 लाख रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं, जिससे 44.1 लाख से अधिक परिवारों को लाभ मिला है। योजना के कुल 75,021 करोड़ रुपये के बजट में से सरकार अब तक 25,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की सब्सिडी जारी कर चुकी है। इस स्कीम के तहत 3 किलोवाट तक का सोलर सिस्टम लगाने वाले परिवारों को 78,000 रुपये की केंद्रीय सब्सिडी मिलती है। इसके अलावा कई राज्य सरकारें अपनी तरफ से भी अतिरिक्त छूट दे रही हैं।

इन जिलों का दबदबा

ये जिले रूफटॉप सोलर अपनाने वाले देश के टॉप 50 जिलों में शामिल रहेः महाराष्ट्रः जलगांव, अमरावती और छत्रपति संभाजी नगर गुजरातः जूनागढ़, महेसाणा और भावनगर केरलः त्रिशूर, कोल्लम और अ ला प् पु झा रा ज स् था न : गंगानगरअधिकारियों के मुताबिक योजना के तहत होने वाले कुल इंस्टॉलेशन में से 60% से अधिक हिस्सेदारी 3-4 किलोवाट श्रेणी के सोलर सिस्टम की है। राज्यों की बात करें तो गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, केरल और असम इस मामले में सबसे आगे चल रहे हैं। उत्तर प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में इस सफलता का श्रेय लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों को दिया जा रहा है, जहां जिला स्तर पर टीमें बनाकर लोगों को जागरूक किया गया है।

'गैर-कानूनी था ये कदम', अमेरिका ने लौटाए हैं भारतीयों को 9,567 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)।कई भारतीय एक्सपोर्टर ट्रंप प्रशासन के टैरिफ सिस्टम के तहत चुकाई गई ड्यूटी वापस पाने लगे हैं। अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने रीइंबर्समेंट (वापसी) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके बाद टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और सीफूड जैसे सेक्टर के एक्सपोर्टरों को अब तक 1 अरब डॉलर (करीब 9,567 करोड़ रुपये) से ज्यादा का रिफंड मिल चुका है। इस मामले की सीधी जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से मनीकंट्रोल ने यह जानकारी दी। इनमें से एक ग्लोबल कंसल्टेंट हैं जिन्होंने ऐसे कई रिफंड का काम संभाला है। दूसरे एक ट्रेड बॉडी के सीनियर एग्जीक्यूटिव हैं। कम से कम दो भारतीय एक्सपोर्टरों ने मनीकंट्रोल को कन्फर्म किया कि रीइंबर्समेंट मिलना शुरू हो गया है।

गैर-कानूनी थे टैरिफ

ये रिफंड अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले के बाद मिल रहे हैं। कोर्ट ने 20 फरवरी, 2026 को फैसला सुनाया था कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए ग्लोबल टैरिफ गैर-कानूनी थे। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि IEEPA राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का एकतरफा अधिकार नहीं देता है। कोर्ट ने कहा कि टैक्स लगाने और इंटरनेशनल ट्रेड को रेगुलेट करने की संवैधानिक शक्ति कांग्रेस के पास है। इसके बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि रद्द किए गए टैरिफ सिस्टम के तहत वसूली गई ड्यूटी वापस की जाए। यह घटनाक्रम भारतीय एक्सपोर्टरों के लिए अहम है। मनीकंट्रोल के डेटा के मुताबिक, जिन समय टैरिफ लागू थे, उस दौरान उन्होंने अमेरिका को लगभग 72 अरब डॉलर का सामान भेजा था। फ्रोजन सीफूड एक्सपोर्ट लगभग 2 अरब डॉलर का था। जबकि टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 1 अरब डॉलर से ज्यादा था। इस तरह ये सेक्टर अतिरिक्त ड्यूटी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे। ट्रंप प्रशासन ने अप्रैल 2025 में इमरजेंसी पावर्स के तहत पहली बार ये टैरिफ लगाए थे। शुरुआत में भारतीय एक्सपोर्ट पर 26% का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया था। अगस्त 2025 में भारत में बने कई प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी बढ़ाकर 50% तक कर दी गई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	03-52 बजे
चंद्र	मिथुन	मे	कर्क----	06-04 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	08-17 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या---	10-24 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला-----	12-29 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक--	14-38 बजे
शनि	मीन	मे	धनु-----	16-52 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर---	18-58 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ----	20-49 बजे
			मीन----	22-28 बजे
			मेष-----	00-04 बजे
			वृष------	01-48 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-52**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -50**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ मंगलवार कृष्ण पक्ष **14 July 2026**
तिथि - अमावस्या **15-13** तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पुनर्वसु **00-09** रात्रि तक उप पुष्य
योग - व्याघात **11-56** तक उप हर्षण
करण - नाग **15-13** तक उप किंस्तुघ्न

विशेष: देवपितृकार्ये भौमवती अमावस्या

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-38 से 17-15 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05-52 - 07-29	अशुभ	काल	18-50 - 20-15	अशुभ
उत्पात	07-29 - 09-06	अशुभ	लाभ	20-15 - 21-38	शुभ
चंचल	09-06 - 10-44	शुभ	उत्पात	21-38 - 22-59	अशुभ
लाभ	10-44 - 12-22	शुभ	शुभ	22-59 - 00-22	शुभ
अमृत	12-22 - 13-59	शुभ	अमृत	00-22 - 01-44	शुभ
काल	13-59 - 15-38	अशुभ	चंचल	01-44 - 03-07	शुभ
शुभ	15-38 - 17-15	शुभ	रोग	03-07 - 04-29	अशुभ
रोग	17-15 - 18-50	अशुभ	काल	04-29 - 05-52	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है ।आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा । मछली खाते हुए सावधान रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है । अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे ,सफलता जरुर मिलेगी । आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा और नकारात्मकता कम होगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
यह समय दोस्तों के साथ हल्का –फुल्का समय गुजारने के लिए बहुत अच्छा है । कोई पार्टी करें या शाम को मस्ती के साथ गुजरें,आप पार्टी की जान बने रहेंगे । इस दौरान आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिलेंगे जिसकी रुचियाँ आप जैसी होंगी और वो आप जैसे कार्यकलापों का आनंद लेगा ।आपको अपनी क्षमता का अनुभव भी होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे ।ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी ।इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें ।आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे ।इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं ।अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

जून में महंगाई 4.38% पर पहुंची:17 महीने में पहली आरबीआई के टारगेट के पार निकली, खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देश की रिटेल महंगाई जून महीने में बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है। जनवरी 2025 के बाद यह पहला मौका है जब महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के 4% के मिडपॉइंट टारगेट के पार निकल गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने आज 13 जुलाई को ये आंकड़े जारी किए। 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74% के स्तर पर थी, जो जून तक बढ़ते हुए 4.38% पर पहुंच गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.45% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। फूड इन्फ्लेशन जून में बढ़कर 5.32% पर पहुंच गई है। मई में यह आंकड़ा 4.38% पर था।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना-घटना प्रोडक्ट की डिमांड-सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। इससे चीजों की डिमांड बढ़ेगी और सप्लाई नहीं होने पर इनकी कीमत बढ़ेगी। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

4.38% महंगाई दर का क्या मतलब है?

जब हम कहते हैं कि जून 2026 में महंगाई 4.38% है, तो इसका मतलब है कि हम इसकी तुलना जून 2025 से कर रहे हैं। यह पूरे एक साल का बदलाव है। 4.38% एक औसत नंबर है जिसे 'कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स' कहते हैं। इसमें आपके जीवन की सैकड़ों चीजें शामिल हैं:किसी चीज के दाम बहुत ज्यादा बढ़े होंगे। किसी चीज के दाम घटे भी होंगे। जब इन सबको एक साथ मिलाया गया, तो औसतन खर्च 4.38% बढ़ गया।इसका गणित बहुत सीधा है। अगर जून 2025 में आपने कोई सामान जैसे राशन 100 में खरीदा था, तो वही सामान मई 2026 में 104.38 का हो गया है।

जून में भारत का व्यापार घाटा 59% बढ़ा, मुनाफे में रहा सर्विस सेक्टर

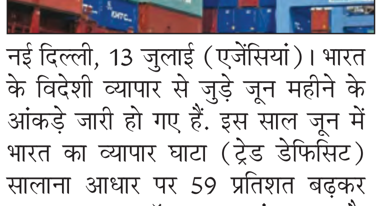

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के विदेशी व्यापार से जुड़े जून महीने के आंकड़े जारी हो गए हैं. इस साल जून में भारत का व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़कर 30.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. पिछले साल इसी महीने में यह घाटा 19.10 अरब डॉलर था.

रॉयटर्स के पोल में अर्थशास्त्रियों ने इसके 26.63 अरब डॉलर रहने का अनुमान लगाया था, जबकि इससे पिछले महीने यानी मई में यह घाटा 28.21 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। व्यापार घाटे में इस बढ़ोतरी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था कई मोर्चों पर मजबूत प्रदर्शन कर रही है, जिसमें सर्विस सेक्टर का मुनाफा और अमेरिका के साथ होने वाली आगामी व्यापार डील शामिल है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मई महीने में भारत का वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) अप्रैल के 45.2 अरब डॉलर से घटकर 40.41 अरब डॉलर दर्ज किया गया था. वहीं, आयात भी 73.41 अरब डॉलर के मुकाबले कम होकर 70.84 अरब डॉलर रहा. वस्तुओं के व्यापार में भले ही घाटा दिखा हो, लेकिन सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) ने शानदार प्रदर्शन किया है. वाणिज्य मंत्रालय के आकलन के मुताबिक, जून में सर्विस एक्सपोर्ट 33.03 अरब डॉलर और आयात 17.92 अरब डॉलर रहने का अनुमान है. इस तरह सेवा क्षेत्र में भारत को 15.11 अरब डॉलर का बड़ा व्यापार अधिशेष (सरप्लस) हासिल हुआ है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक बेहद सकारात्मक संकेत है.देश का यह व्यापारिक आंकड़ा ऐसे समय में सामने आया है, जब भारत सरकार अमेरिका के साथ एक बेहतर व्यापार समझौते की ओर बढ़ रही है. वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस पर अपडेट देते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और इसमें कोई चुनौती नजर नहीं आती. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका व्यापार ढांचे से जुड़ा समझौता पूरी तरह तैयार है और उचित समय पर इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे. इसके साथ ही, ऊर्जा आयात सहित दोनों देशों के व्यापारिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं. इसके अतिरिक्त, ब्रिटेन (यूके) के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) इसी महीने लागू होने वाला है और यूरोपीय संघ के साथ अगले साल की शुरुआत तक समझौता होने की उम्मीद है.व्यापार विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ते निर्यात और नए व्यापारिक समझौतों ने अमेरिका के साथ बातचीत में भारत का पक्ष काफी मजबूत किया है।

चांदी 3,155 गिरकर 2.17 लाख किलो पर आई : एक महीने में 25 हजार कीमत कम हुई, सोना आज 1,079 सस्ता हुआ

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 13 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,155 रुपए घटकर 2.17 लाख रुपए पर आ गई है।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,079 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए आ गया है।बीते 1 महीने में चांदी की कीमत 25 हजार और सोने की कीमत 5 हजार रुपए कम हो चुकी है। 14 जून को चांदी 2.43 लाख और 1.48 लाख रुपए पर था।

चांदी ऑल टादम हाई से 1.69 लाख रुपए गिरी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 165 दिन में चांदी 1.69 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

राजस्थान में भी लागू होंगी 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें

सीएम भजनलाल ने और क्या की घोषणाएं?

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए एक बार फिर 8वें वेतन आयोग को लेकर अपडेट सामने आई है। दरअसल, रविवार को जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने और कर्मचारियों के वेतन विसंगतियों को दूर करने की दिशा में अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में एक बार फिर ये साफ़ किया कि राज्य कर्मचारियों के वेतनमान से जुड़े सभी जटिल विषयों और नई वित्तीय व्यवस्थाओं के गहन अध्ययन के लिए बहुत जल्द एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार की ये समिति केंद्र सरकार के स्तर पर चल रहे 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों का बारीक अध्ययन करेगी। मुख्यमंत्री ने इस उद्बोधन के बाद ये साफ़ हो गया है कि केंद्रीय समिति की सिफारिशें आने के तुरंत बाद राजस्थान सरकार की उच्च स्तरीय समिति भी प्रदेश के वित्तीय

ढांचे के अनुकूल राज्य कर्मचारियों के लिए एक नया और पारदर्शी पे-मैट्रिक्स और फिटमेंट फैक्टर तैयार करेगी और अपनी अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपेगी।

मौक़ा राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी और सचिवालय कर्मचारी संघ द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह का था। कर्मचारी संघ ने हाल ही में राज्य सरकार द्वारा पदोन्नति के लिए आवश्यक अनुभव की समय-सीमा में 2 वर्ष की विशेष छूट देने और विभिन्न विभागों में नए पदों के सृजन को मंजूरी देने के ऐतिहासिक फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस सकारात्मक माहौल के बीच मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नागरिक सर्वोपरि' विजन को ही उनकी सरकार ने राजस्थान के सुशासन और कार्य-संस्कृति का मुख्य आधार बनाया है। इसी कड़ी में कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार 8वें वेतन आयोग की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का मन बना चुकी है।

मुख्यमंत्री द्वारा घोषित की जाने वाली यह उच्च स्तरीय समिति मुख्य रूप से एक वित्तीय थिंक-टैंक के रूप में कार्य करेगी। इसके प्रमुख कार्यों और जिम्मेदारियों का खाका इस प्रकार तय किया गया है:

केंद्रीय सिफारिशों का विश्लेषण: यह कमिटी केंद्र सरकार द्वारा गठित किए गए 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के ड्राफ्ट और उनकी सिफारिशों का विस्तृत अध्ययन करेगी।

राजस्थान के बजट और वित्तीय ढांचे का संतुलन: समिति यह सुनिश्चित करेगी कि नया वेतनमान लागू होने से राज्य के खजाने पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय भार को किस तरह से संतुलित किया जाए।

नया पे-मैट्रिक्स और फिटमेंट फैक्टर: राजस्थान के कर्मचारियों के पदों और वेतन ग्रेड के अनुसार एक नया पे-मैट्रिक्स डिजाइन किया जाएगा, जिससे विसंगतियां दूर हो सकें।

राजस्थान सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब केंद्र सरकार के स्तर पर भी 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की प्रक्रियाएं तेजी से निर्णायक मोड़ की तरफ आगे बढ़ रही हैं। वर्तमान स्थिति (जुलाई 2026) के अनुसार, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में इस प्रतिष्ठित 8वें वेतन आयोग का गठन कर दिया है।

इस आयोग में वरिष्ठ अधिकारी पंकज जैन को सदस्य-सचिव और प्रोफेसर पुलक घोष को अंशकालिक सदस्य के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। केंद्र सरकार ने इस पूरे आयोग को देश के लाखों केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन ढांचे को संशोधित कर अपनी अंतिम विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का एक निश्चित समय दिया है।

हाईकोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

आखिर क्यों पकड़ से दूर हैं 'डिजिटल दहशतगर्द'?

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सबसे सुरक्षित और वीवीआईपी परिसरों में शुमार राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर और जोधपुर मुख्य पीठ को एक बार फिर ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस ताजा धमकी भरे संदेश के सामने आते ही राज्य के न्यायिक और पुलिस प्रशासन में भारी हड़कंप मच गया है। आनन-फानन में एहतियात बरतते हुए पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीमों ने दोनों उच्च न्यायालय परिसरों को अपने घेरे में ले लिया है और वकीलों, कर्मचारियों व आम जनता की एंट्री को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

सबसे गमभीर और चिंताजनक बात ये है कि पिछले अक्टूबर महीने से लेकर अब तक 12 से अधिक बार राजस्थान हाईकोर्ट को इस तरह के धमकी भरे संदेश मिल चुके हैं, लेकिन देश और प्रदेश की हाई-टेक जांच एजेंसियां और साइबर एक्सपर्ट्स हर बार इन फर्जी ईमेल भेजने वाले मास्टरमाइंड तक पहुंचने में पूरी तरह से विफल साबित हुए हैं। बार-बार मिलने वाली इन खोखली धमकियों के कारण न केवल हजारों पेंडिंग केसों पर होने वाली न्यायिक सुनवाई प्रभावित हो रही है, बल्कि कोर्ट परिसर में न्याय की आस लेकर आने वाले दूर-दराज के गरीब फरियादियों, वकीलों और जजों के भीतर एक अनजाना डर और दहशत का माहौल पैदा किया जा रहा है।

सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन को एक अज्ञात पते से धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। इस ईमेल में जयपुर और जोधपुर दोनों ही परिसरों को

रिमोट और टाइमर बम से उड़ाने की बात लिखी गई थी। कोर्ट प्रशासन ने बिना किसी देरी के तुरंत स्थानीय पुलिस कमिश्नरेट और खुफिया एजेंसियों को मामले से अवगत कराया।

सूचना मिलते ही डॉग स्क्वाड, क्विक रिस्पांस टीम और स्थानीय पुलिस बल मौके पर पहुंचे और चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी शुरू की गई।

हालांकि, प्राथमिक जांच और पिछले अनुभवों के आधार पर इस ईमेल के आईपी एड्रेस का सत्यापन किया जा रहा है, लेकिन सुरक्षा में कोई भी चूक न हो, इसके लिए पूरे परिसर को छावनी में बदल दिया गया है।

सुरक्षा और साइबर एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इन अपराधियों का डिजिटल रूट है। जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह धमकी भरे ईमेल किसी साधारण नेटवर्क से नहीं भेजे जा रहे हैं। अपराधी अपनी पहचान छुपाने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क डार्क वेब और पीर-टू-पीर एन्क्रिप्टेड ईमेल सर्विसेज का इस्तेमाल कर रहे हैं। जब भी साइबर पुलिस इनके आईपी एड्रेस को ट्रैक करने की कोशिश करती है, तो उसकी लोकेशन हर सेकंड में जर्मनी, रूस, स्विट्जरलैंड या किसी अन्य देश में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय सर्वर कंपनियों से डेटा मिलने में होने वाली कानूनी और तकनीकी देरी का फायदा उठाकर यह दहशतगर्द हर बार साफ बच निकलते हैं।

इस तरह की बार-बार मिलने वाली धमकियों का सबसे बड़ा और सीधा असर राजस्थान के आम जनजीवन और न्याय व्यवस्था पर पड़ रहा है। आंकड़ों पर नजर डालें तो बीते अक्टूबर 2025 से लेकर 2026 के चालू महीनों तक 12 से अधिक बार ऐसी झूठी धमकियां मिल चुकी हैं। हर बार जब ऐसी धमकी मिलती है, तो अदालतों में चल रही महत्वपूर्ण केसों की गवाही, बहस और फैसले टल जाते हैं।

दूर-दराज के गांवों से बसों और ट्रेनों में किराया लगाकर जयपुर या जोधपुर पहुंचने वाले गरीब मुवक्किलों को बिना सुनवाई के ही वापस लौटना पड़ता है, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद होता है। वकीलों के संगठनों ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है कि बार-बार कोर्ट की सुरक्षा को इस तरह से चुनौती देना कानून व्यवस्था के इकबाल पर एक बड़ा सवालिया निशान है।

खुफिया एजेंसियों के विशेषज्ञ इस बात का बारीकी से अध्ययन कर रहे हैं कि इन लगातार मिलने वाली धमकियों के पीछे का वास्तविक मोटिव क्या है। विशेषज्ञों का मानना है कि बार-बार इस तरह की फर्जी धमकियां देकर अपराधी सुरक्षा एजेंसियों को थकाना चाहते हैं, ताकि एजेंसियां हर बार इसे एक सामान्य रूटीन मानकर ढीली पड़ जाएं और इसी बीच किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम दिया जा सके।

एटीएम लूटने आए नकाबपोश बदमाश, 6 मिनट तक कैश बॉक्स उखाड़ने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद हुई दौसा की वारदात

दौसा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा जिले के सिकराय में तीन नकाबपोश बदमाशों ने एसबीआई एटीएम को लूटने की कोशिश की। रविवार देर रात करीब 1:30 बजे कार से आए बदमाशों ने पहले पूरे इलाके की रैकी की और फिर एटीएम बूथ का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने सबसे पहले बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए। इसके बाद बदमाश लोहे की रॉड से एटीएम मशीन का कैश बॉक्स उखाड़ने में जुट गए। करीब छह मिनट तक लगातार प्रयास करने के बावजूद वे कैश बॉक्स नहीं निकाल सके। इसी दौरान सड़क पर वाहनों की आवाजाही बढ़ने लगी तो बदमाश वारदात अधूरी छोड़कर कार में सवार होकर फरार हो गए। हालांकि, उनकी पूरी करतूत बूथ के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि बदमाश वारदात से पहले कस्बे में घूमकर रैकी कर रहे थे। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल मीणा, डिप्टी एसपी धर्मराज चौधरी, मानपुर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले। सोमवार सुबह मेहंदीपुर बालाजी थाना प्रभारी सचिन शर्मा ने भी बैंक पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार देर रात तीन बदमाशों ने लोहे की रॉड से शटर का ताला तोड़ा बूथ के अंदर घुस गए। इस दौरान उनका एक साथ बाहर ही कार में मौजूद रहा। नकाबपोश बदमाशों ने सबसे पहले एटीएम बूथ के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों के तार काटे और फिर एटीएम मशीन को उखाड़ने की कोशिश की। करीब 6 मिनट तक कोशिश करने के बाद भी सफलता नहीं मिली तो बदमाश कार में बैठकर मौके से फरार हो गए। बदमाशों की पूरी करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई है।

यह वही एसबीआई एटीएम बूथ है, जहां नवंबर 2022 में बदमाश करीब 10 लाख रुपए से भरा कैश बॉक्स लूट ले गए थे। उस दौरान बदमाशों ने पीछा कर रहे एक होमगार्ड जवान को वाहन से कुचल दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। एक बार फिर उसी एटीएम को निशाना बनाए जाने से इलाके में दहशत है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस फिलहाल बदमाशों और उनकी कार की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

विधायक से आइकार्ड दिखाने को कहना पड़ गया भारी, जमकर हुआ बवाल; टोलकर्मी अरेस्ट

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मनोहरपुर-दौसा हाईवे स्थित नेकावाला टोल प्लाजा पर जमवारामगढ़ विधायक महेंद्रपाल मीणा और टोलकर्मियों के बीच पहचान पत्र (आइकार्ड) मांगने को लेकर विवाद हो गया। विधायक की शिकायत पर रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित टोलकर्मी तथा टोल मैनेजर को थाने ले गई। बाद में पुलिस ने टोल मैनेजर को समझाकर देकर छोड़ दिया, जबकि टोलकर्मी गुलशन निवासी उत्तर प्रदेश को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। विधायक महेंद्रपाल मीणा रविवार दोपहर अपने वाहन से नेकावाला टोल प्लाजा से गुजर रहे थे। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात टोलकर्मी ने उन्हें नहीं पहचानने पर परिचय पत्र दिखाने का आग्रह किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच जमकर विवाद हो गया। शिकायत मिलने पर रायसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और टोल मैनेजर कुंभाराम चौधरी तथा संबंधित कर्मचारी को पूछताछ के लिए थाने ले गई। रायसर थानाप्रभारी राजपाल सिंह ने बताया कि विधायक की शिकायत के बाद आवश्यक कार्रवाई की गई। टोल मैनेजर को समझाइश देकर पाबंद किया गया, जबकि टोलकर्मी गुलशन के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई।

हाईवे पर भीषण हादसा, 5 श्रद्धालुओं की मौत, 3 गंभीर घायल, जोधपुर रेफर

जोधपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बालोतरा में ओसियां स्थित पड़ासला भोमियाजी के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की एसयूवी रविवार देर रात बालोतरा जिले के भांडियावास-कुड़ी के बीच जोधपुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार आधी रात करीब 12 बजे अज्ञात वाहन से एसयूवी की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भयावह था कि वाहन में सवार 2 युवक बुरी तरह फंस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में कुल तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया है। ताजा सूचना के अनुसार जोधपुर अस्पताल में इलाज के दौरान 2 और युवकों की मृत्यु हो गई है। जिसमें मृतकों के नाम किशन पुत्र शेराराम व भावेश पुत्र कलाराम निवासी कानोड़ गिडा हैं। इस प्रकार हादसे में कुल 5 लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि रेवंत मरुधर ऑफसेट, स्वरूप गोदारा कानोड़ और भरत गोदारा कानोड़ ने हादसे में दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार वाहन में कुल आठ लोग सवार थे। सभी बायतु क्षेत्र के कानोड़ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। ओसियां स्थित पड़ासला भोमियाजी के दर्शन कर लौट रहे थे।

जोधपुर से बालोतरा की ओर आते समय भांडियावास के पास किसी अज्ञात बड़े वाहन से उनके वाहन की टक्कर हो गई, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

वाहन में फंसे दो युवकों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। अन्य घायलों को त त्का ल बालोतरा के नाहटा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। नाहटा जिला अस्पताल में उपचार के दौरान एक अन्य घायल की भी मौत हो गई। शेष पांच घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें जोधपुर रेफर कर दिया गया। जहां पर 2 और घायलों की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है।

पुलिस ने मृतकों के शव नाहटा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। पुलिस ने अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही मृतकों और घायलों की पहचान तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में प्रभावित सभी लोग बायतु क्षेत्र के कानोड़ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।

जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर के घर लूट का खुलासा

सीसीटीवी से पकड़ाए 4 आरोपी; एक फरार

अलवर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर के घर हुई चर्चित लूटकांड में सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। रविवार को पुलिस आरोपियों को घटनास्थल पर ले गई, जहां उनसे वारदात की मौका तस्दीक कराई गई। शहर के सदर थाना क्षेत्र में जीएसटी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर के घर परिवार को बंधक बनाकर हुई हाई-प्रोफाइल लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने से पहले तीन आरोपियों ने कई बार इलाके की रेकी की थी। घटना में कुल पांच बदमाश शामिल थे, जिनमें से चार को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। अधिकांश आरोपी रामगढ़ और खैरथल-तिजारा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने वारदात के बाद लूटे गए सामान का कुछ हिस्सा बेचकर एक बाइक खरीदी थी। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पहले से लूट, डकैती और हत्या जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं और जांच आगे बढ़ने पर अन्य खुलासे भी हो सकते हैं। रविवार को पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को घटनास्थल पर लेकर पहुंची, जहां उनकी निशानदेही पर मौका नक्शा तैयार कराया गया और वारदात की मौका तस्दीक कराई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। सदर थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सुनियोजित तरीके से रेलवे ट्रैक के रास्ते फरार हुए थे, ताकि पुलिस को भ्रमित किया जा सके। हालांकि तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र और लगातार की गई तलाश के आधार पर पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य भी बताए हैं। मौका तस्दीक के दौरान पुलिस ने आरोपियों से पूरी वारदात का घटनाक्रम दोहरवाया और उनकी निशानदेही पर घटनास्थल का विस्तृत मौका नक्शा तैयार किया।

पत्नी को जगाकर बोला पति, सोती हुई मां की पीट-पीटकर कर दी हत्या

बीकानेर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के बाना गांव में एक वृद्ध महिला की कथित रूप से उसके ही बेटे की ओर से लाठी से हमला कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है। सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक निकेत पारीक और थानाधिकारी कश्यप सिंह पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त लाठी जब्त कर आरोपी रामनिवास को डिटेन कर लिया।

मृतका गीता देवी (70) के बड़े पुत्र ओमप्रकाश स्वामी ने रिपोर्ट में बताया कि भोजन के बाद सभी सदस्य अपने-अपने स्थान पर सो गए थे। गीता देवी भी घर के बाखल में चारपाई पर सो रही थीं। रात शांतिपूर्वक बीती और किसी को किसी तरह की अनहोनी की आशंका नहीं थी। सुबह करीब चार बजे छोटे भाई रामनिवास की पत्नी के चीखने की आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंचे। वहां मां के सिर से खून बह रहा था और रामनिवास उन्हें चारपाई पर घसीट रहा था। परिजनों के पहुंचने पर वह वहां से चला गया। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी की पत्नी रात करीब दो बजे तक जाग रही थी। उसके सोने के बाद रामनिवास ने कथित रूप से सो रही मां पर लाठी से कई वार किए। हमले के दौरान गीता देवी को संभलने या बचाव का कोई मौका नहीं मिला और वह गंभीर रूप से घायल होकर चारपाई पर ही गिर पड़ीं। इसके बाद पत्नी को जगाकर कहा कि मां मर गई। पत्नी के शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि आरोपी पिछले चार-पांच वर्षों से मानसिक बीमारी का उपचार करा रहा था। उसकी मानसिक स्थिति के कारण घर में अक्सर विवाद होता था।

ट्रांसपोर्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, 10 हजार ट्रकों के पहिए थमे

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में ट्रांसपोर्टर रात 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के आह्वान पर प्रदेशभर में करीब 10 हजार ट्रकों के पहिए थम गए हैं। राजस्थान ट्रक ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के अनुसार प्रदेश में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस , परमिट और ई-डिटेक्शन चालान इस हड़ताल का मुख्य मुद्दा है। ट्रांसपोर्ट संगठनों का कहना है कि सरकार ने नियम तो लागू कर दिए, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए जरूरी व्यवस्था नहीं की, जिसका खामियाजा वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को भुगतना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टरों ने यह ऐलान किया है कि जब तक मांगें नहीं मानी जाएंगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन को प्रदेश के कई बड़े ट्रांसपोर्ट संगठनों का समर्थन मिला है। लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन,

जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन, विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, जयपुर परचून ट्रांसपोर्ट यूनियन और ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन सहित कई संगठनों ने हड़ताल का समर्थन किया है।

बताया जा रहा है कि एलटीडी लगाने के लिए केवल कुछ कंपनियों को अधिकृत किया गया है। ये कंपनियां एक डिवाइस के करीब 30 हजार रुपए तक वसूल रही हैं, जबकि दूसरे राज्यों में यही डिवाइस करीब 3 हजार रुपए में उपलब्ध हैं। उन्होंने अधिक कंपनियों को अधिकृत करने और एसओपी तत्काल जारी करने की मांग की।

व ही क ल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस नवीनतम जीपीएस आधारित ट्रैकिंग सिस्टम है। इसे वाहनों में लगना अनिवार्य है। ताकि वाहन की गति, वास्तविक समय की स्थिति, मार्ग और आवागमन की निगरानी की जा सके। इसे एआईए 140 के सभी मानकों का पालन करते हुए डिज़ाइन किया गया है। एआईए 140 का अर्थ है ऑटोमोटिव उद्योग मानक 140, जिसे सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत एआरएआई (ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया) ने जन सुरक्षा और वाहन ट्रैकिंग के लिए लागू किया था। व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस में कई तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के विरोध में ट्रांसपोर्ट विकास समिति ने सोमवार से प्रस्तावित प्रदेशव्यापी चक्का जाम आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया है। इसके चलते आज से यहां भी ट्रकों के पहिए थम जाएंगे, जिससे बडरा व्यापार प्रभावित होगा। संस्थान अध्यक्ष भैरूलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि सोमवार से जिले में ट्रक कारोबार पूरी तरह से बंद रहेगा। इस दौरान किसी भी प्रकार का माल परिवहन, लोडिंग, अनलोडिंग नहीं किया जाएगा। भैरूलाल शर्मा ने बताया कि केंद्र, राज्य व परिवहन विभाग की दोषपूर्ण नीतियों के खिलाफ यह हड़ताल की जा रही है। दरअसल परिवहन विभाग ने ई-डिटेक्शन चालान बनाने शुरू कर दिए, जिससे ट्रक परिवहन पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है। वीएलडीटी व यूपीएस परमिट भी परिवहन व्यापार को प्रभावित कर रहे है।

नशा तस्करी के आरोपियों पर बुलडोजर एक्शन, वन भूमि पर बनी करोड़ों की अवैध संपत्ति ध्वस्त

झालावाड़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के अकलेरा क्षेत्र के मानपुरा गुजरान गांव में वन भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए दो निर्माणों को सोमवार सुबह वन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। दोनों निर्माण मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में आरोपित व्यक्तियों के बताए जा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि नोटिस देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार यह कार्रवाई की गई।

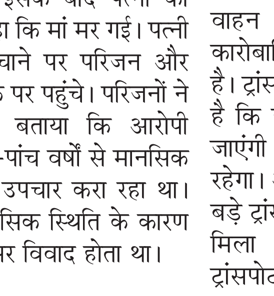

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि महुआखोह निवासी कालूलाल पुत्र चंदालाल तंवर और गिरिराज पुत्र रामचंद्र तंवर ने अकलेरा रेंज के मानपुरा गुजरान स्थित वन भूमि पर अवैध कब्जा कर मकानों का निर्माण कराया था। इनमें से गि रि रा ज करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से मकान का निर्माण करा रहा था। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो-दो मामले दर्ज हैं। उप वन संरक्षक सागर पंवार के निर्देश पर सहायक वन संरक्षक मुकेश सहजवानी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अभियान में क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र मीणा सहित अकलेरा, असनावर और गश्ती दल का वन विभाग का स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस की ओर से अकलेरा डीवाईएसपी मनोज सोनी, थाना प्रभारी धर्माराम चौधरी तथा भारी पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस के अनुसार कालूलाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। पहला मामला वर्ष 2019 का है, जबकि वर्ष 2025 में दर्ज दूसरे मामले में करीब 1.20 करोड़ रुपये मूल्य की मादक पदार्थ की खेप बरामद की गई थी। वहीं गिरिराज तंवर के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। वर्ष 2017 के मामले में करीब 5 लाख रुपये तथा वर्ष 2019 के मामले में लगभग 4 लाख रुपये मूल्य की अवैध मादक पदार्थ की खेप जब्त की गई थी।

व्यापारी का दुबई में किडनैप, 10 दिन तक बंधक बनाकर रखा

पत्नी ने 40 लाख का चेक सौंपा तब छूटी जान

भीलवाड़ा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिजनेस टूर पर दुबई गए भीलवाड़ा के कारोबारी मुकेश टेलर का वहां अपहरण कर 10 दिन तक बंधक बनाए रखने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने पीड़ित के ससुर से भीलवाड़ा में 40 लाख रुपये की फिरौती मांगी। पत्नी की ओर से आरोपियों को 40 लाख का चेक सौंपने के बाद व्यापारी को रिहा किया गया।

क्राइम थ्रिलर फिल्मों जैसी एक हैरान कर देने वाली अंतरराष्ट्रीय वारदात में भीलवाड़ा के एक कारोबारी का दुबई में अपहरण कर लिया गया, जबकि फिरौती की पूरी रकम भीलवाड़ा में ही वसूली गई। भीलवाड़ा पुलिस ने इस हाईप्रोफाइल मामले में तत्परता दिखाते हुए एक आरोपी फाइनेंसर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात के मुख्य सूत्रधार और भीलवाड़ा नगर निगम के एक पूर्व पार्षद को दुबई से भारत लाने के लिए लुकआउट नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, भीलवाड़ा निवासी बिजनेसमैन मुकेश टेलर जून 2026 में व्यापारिक सिलसिले में दुबई की यात्रा पर गए थे। पुलिस अधीक्षक सागर राणा की ओर से जारी प्रेस नोट के मुताबिक, 1 जुलाई को दुबई में भीलवाड़ा नगर निगम के पूर्व पार्षद फजले रहूफ उर्फ लुत्फी ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर कथित तौर पर मुकेश का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने मुकेश को दुबई के ही एक फ्लैट में करीब 10 दिनों तक बंधक बनाकर रखा और उनके साथ मारपीट भी की। दुबई में बंधक बनाए गए कारोबारी को छोड़ने के बदले आरोपियों ने भीलवाड़ा में रह रहे उनके ससुर गोपाल लाल को फोन कर 40 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। डरे हुए ससुर तुरंत अपनी बेटी के घर पहुंचे और पूरी स्थिति से अवगत कराया।

केंद्र-राज्य समन्वय से ही होगा तेलंगाना का तेज विकास : रेवंत रेड्डी

प्रजा भवन में सांसदों के साथ मुख्यमंत्री ने बैठक की

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय और परस्पर सहयोग से ही तेलंगाना को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने सभी सांसदों से राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राज्य के हित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रजा भवन में सांसदों के साथ आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के लिए भारतीय जनता पार्टी के सांसद विशेष पहल करें। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में उच्च शिक्षा और प्रबंधन शिक्षा को नई दिशा मिलेगी।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद मेट्रो रेल के विस्तार के लिए केंद्र सरकार का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मेट्रो विस्तार से संबंधित ऋण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराने का अनुरोध किया, ताकि परियोजना के कार्यों में तेजी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब केंद्र सरकार से आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त कर इस परियोजना को शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना के लिए केंद्र सरकार से अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत आवश्यक स्वीकृतियां दिलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से हैदराबाद के पर्यावरण और शहरी विकास को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में तुंगभद्रा बैराज के द्वारों के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल से चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के समय स्वीकृत परियोजनाओं के लिए आंध्र प्रदेश सरकार से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलना अभी बाकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिंडी परियोजना के लिए 30 टीएमसी तथा पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए 90 टीएमसी जल आवंटन संबंधी एनओसी आवश्यक है। यह विषय फिलहाल विचार-विमर्श के चरण में है और इसमें केंद्र सरकार को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि 120 टीएमसी जल उपयोग की केंद्रीय स्वीकृति मिल जाती है तो इन परियोजनाओं का कार्य तेजी से पूरा किया जा सकेगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि गोदावरी और कावेरी नदियों के अंतर-संबंध से तेलंगाना को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार केंद्र के सहयोग को स्वीकार करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं करती और जहां भी केंद्र सहायता करेगा, वहां उसका श्रेय खुले तौर पर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने तुम्मिडीहट्टी परियोजना, बंदरगाह संपर्क परियोजनाओं, बुलेट ट्रेन, आदिलाबाद हवाई अड्डा तथा वारंगल हवाई अड्डे से संबंधित सभी लंबित केंद्रीय अनुमतियों को शीघ्र मंजूरी दिलाने का भी आग्रह किया। बैठक में उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार जितेंद्र रेड्डी, सांसद मल्ल रवि, अनिल कुमार यादव, रघुवीर रेड्डी, कडियम काव्या, चामला किरण कुमार रेड्डी, रघुराम रेड्डी, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, ईटेला राजेंद्र सहित अन्य सांसदों ने हिस्सा लिया।

सीएम ने चीन में स्वर्ण पदक विजेता को बधाई दी

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चीन के ओर्डोस में आयोजित पहले एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतने पर प्रवल्लिका नरिमल्ला को बधाई दी। तेलंगाना की शान प्रवल्लिका नरिमल्ला ने एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता। प्रवल्लिका ने नालगोंडा के एससी गुरुकुल डिग्री कॉलेज में पढ़ाई की और दिंडी गुरुकुल स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त किया। सोमवार को एक बयान में मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और सभी युवा एथलीटों के लिए प्रेरणास्रोत बनने के लिए प्रवलिका की प्रशंसा की। राजमिस्त्री की बेटी प्रवलिका ने साबित कर दिया कि दृढ़ता और समर्पण से सब कुछ संभव है। प्रवल्लिका ने श्रावणी सचिन सांगले, सैंड्रामोल साबू और नोफिसा खातून के साथ 4x400 मीटर रिले टीम में स्वर्ण पदक जीता। चार सदस्यीय टीम ने 3:33.62 सेकंड के समय के साथ मेजबान देश चीन को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने से पहले, प्रवालिका ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में 23 स्वर्ण पदकों सहित कुल 35 राज्य स्तरीय पदक जीतकर घरेलू स्तर पर शानदार रिकॉर्ड बनाया। मुख्यमंत्री ने प्रवालिका को प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों को बधाई दी। रेवंत रेड्डी ने चैंपियनशिप में 3 स्वर्ण, 4 रजत और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 16 पदक जीतने वाले सभी भारतीय एथलीटों को भी बधाई दी।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है सरकार : कोंडा सुरेखा

सीकेएम सरकारी डिग्री कॉलेज में स्किल प्लस कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शुरू

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने सोमवार को वारंगल स्थित सीकेएम सरकारी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में देशपांडे फाउंडेशन और दानदाताओं के सहयोग से 25 लाख रुपये की लागत से स्थापित स्किल प्लस कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले कॉलेज प्रबंधन ने मंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने चंद्रकांतैया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। एनसीसी कैडेटों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया तथा अतिथियों ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में कॉरपोरेट स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक सुविधाएं और विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है।

उद्घाटन के बाद मंत्री ने देशपांडे फाउंडेशन के सहयोग से स्थापित स्किल प्लस कंप्यूटर लैब का निरीक्षण भी किया। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंत्री कोंडा सुरेखा और जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा ने नेहरू मेमोरियल स्कूल के विद्यार्थियों को कृमिनाशक (डी-वॉर्मिंग) गोलियां वितरित कीं। सभा को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य जी. पोशैया, पूर्व प्राचार्य ए. धर्मा रेड्डी, दानदाता एन.सी. मूर्ति, जीडब्ल्यूएमसी आयुक्त टी. वेंकन्ना, ग्रंथालय संस्था के अध्यक्ष मीसाला प्रकाश, जिला कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा तथा मंत्री कोंडा सुरेखा ने विद्यार्थियों को कौशल विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्व बताया। दानदाता एन.सी. मूर्ति ने कहा कि इस कॉलेज के पूर्व छात्र होने के नाते अपने संस्थान और क्षेत्र के विकास में योगदान देना गर्व की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों के हित में भविष्य में भी सहयोग जारी रखने का भरोसा दिया।

महीने भर चलने वाले बोनालू उत्सवों के लिए तैयारी पूरी : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने आषाढ़ बोनालू जातरा के लिए विस्तृत व्यवस्था की है और सभी विभाग 16 जुलाई से 13 अगस्त तक सुचारू और सुरक्षित उत्सव सुनिश्चित करने के लिए समन्वय में काम कर रहे हैं। बोनालू उत्सव 16 जुलाई को गोलकुंडा श्री जगदंबा महानकाली मंदिर में शुरू होगा, उसके बाद बालकमपेट येल्लम्मा कल्याणम (20-22 जुलाई), 2 अगस्त को सिकंदराबाद उज्जैनी महानकली बोनालू और 9 अगस्त को लाल दरवाजा और अन्य प्रमुख मंदिरों में उत्सव मनाया जाएगा। सरकार ने पूर्व जीएचएमसी क्षेत्र में स्थित 3,427 मंदिरों में बोनालू उत्सव के लिए 15.05 करोड़ रुपये जारी किए हैं। अधिकारियों को पर्याप्त पेयजल, स्वच्छता, बिजली आपूर्ति, यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षा और विशेष आरटीसी बस सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। महिलाएं उत्सव के दौरान मुफ्त आरटीसी यात्रा का लाभ भी उठा सकती हैं। पोन्नम ने श्रद्धालुओं से पुलिस के दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि सरकार सुरक्षित और परेशानी मुक्त दर्शन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना भाजपा ने शुरू की 'सिंगारेणी भरोसा यात्रा'

एससीसीएल जीवनरेखा के लिए मोदी सरकार को दिया श्रेय

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने सोमवार को अपनी 'सिंगारेणी भरोसा यात्रा' शुरू की, जिसमें दावा किया गया कि केंद्र द्वारा सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को ताडिचेरला-II कोयला ब्लॉक का आवंटन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के भविष्य को सुरक्षित करता है, जबकि उसने पूर्व बीआरएस और वर्तमान कांग्रेस सरकारों पर संगठन की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव के नेतृत्व में और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी की देखरेख में आयोजित दो दिवसीय यात्रा हैदराबाद से शुरू हुई और पार्टी कार्यकर्ताओं और सिंगारेनी कर्मचारियों द्वारा भव्य स्वागत के बीच कोथागुडेम पहुंची। एक सभा को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि इस आवंटन से 40 से 50 वर्षों तक कोयला खनन संभव हो सकेगा, हजारों रोजगार सृजित होंगे और तेलंगाना की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस की पिछली सरकारों ने लापरवाही और भ्रष्टाचार के माध्यम से एससीसीएल को वित्तीय संकट में धकेल दिया था। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए राव ने कांग्रेस सरकार पर सिंगारेणी की आर्थिक स्थिति को नजरअंदाज करने और अपनी विफलताओं के लिए केंद्र सरकार को दोषी ठहराने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि 1,200 किलोमीटर की यह यात्रा सिंगारेनी के सभी क्षेत्रों को कवर करेगी, जिसमें श्रमिकों से बातचीत की जाएगी और कोयला क्षेत्र के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की पहलों को उजागर किया जाएगा। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सांसद डीके अरुणा, एमएलसी अंजी रेड्डी, मलका कोमुरिया और अन्य प्रमुख नेता इस यात्रा में भाग ले रहे हैं।

भट्टी का सिंगरेणी प्रबंधन से अधिकारियों की शिकायतों को प्राथमिकता देने का आग्रह

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सिंगरेणी प्रबंधन को कंपनी में कार्यरत लगभग 2,200 अधिकारियों से संबंधित लंबित मुद्दों पर शीघ्र और सकारात्मक निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

उन्होंने प्रबंधन को निर्देश दिया कि वेतन संशोधन और कोल इंडिया की तर्ज पर प्रदर्शन संबंधी भुगतान (पीआरपी) योजना के कार्यान्वयन के संबंध में सिंगरेणी अधिकारी संघ द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदनों को प्राथमिकता दी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। सिंगरेणी ऑफिसर्स एसोसिएशन के नेताओं ने हाल ही में उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर जन सरकार के विशेष हस्तक्षेप के माध्यम से ताडिचेरला-II कोयला ब्लॉक के लिए खनन पट्टा हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान, उन्होंने उनसे यह भी अनुरोध किया कि वे प्रबंधन को सिंगरेणी अधिकारियों से संबंधित

विभिन्न मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का निर्देश दें। उनके अभ्यावेदन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को सिंगरेणी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति और निदेशक (कार्मिक और वित्त), गौतम पोटरू के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

उन्होंने दोहराया कि जन सरकार सिंगरेणी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य के औद्योगिक विकास के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में सिंगरेनी के श्रमिकों और अधिकारियों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रबंधन को निर्देश दिया कि अधिकारियों की शिकायतों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि उनमें कोई असंतोष न रहे। उन्होंने प्रबंधन को अधिकारी संघ के पदाधिकारियों से बातचीत करने और उनमें विश्वास जगाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की मांगों पर अगले दो से तीन महीनों के भीतर बिना किसी देरी के सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि बदलते वैश्विक आर्थिक परिवेश और बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए, सिंगरेनी को कोयला उत्पादन और विपणन में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाले वर्षों में सिंगरेनी को एक विविध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्यम में बदलने में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारी संघ के नेताओं को भी सलाह दी कि वे अधिकारियों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

बडंगपेट स्थित गजनीपुरा श्री राम गौशाला अध्यक्ष ताराराम गेहलोत, कोषाध्यक्ष ढलाराम देवड़ा, खिवाड़ा भारतीय किसान संघ अध्यक्ष घीसाराम सोलंकी को गौसेवार्थ दान-पुण्य राशी का चेक दिया। इसके साथ ही राजस्थानी परंपरा से सम्मानित करते सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष चेनाराम सिंदड़ा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

घुटना प्रत्यारोपण के बाद 80 वर्षीय महिला फिर आत्मनिर्भर बनीं

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 80 वर्षीय एक महिला का शांतिलाल अस्पताल, शिवम रोड में दोनों घुटनों का सफल प्रत्यारोपण किया गया। ऑपरेशन के बाद अब वह बगैर सहारे के चलने लगी हैं। व्हीलचेयर निरस्त बुजुर्ग लगभग 30 वर्षों से दोनों घुटनों के गंभीर गठिया रोग (आर्थराइटिस) से पीड़ित थीं। उन्हें कई अन्य बीमारियां भी थीं, जिससे यह एक चुनौतीपूर्ण मामला था। यह ऑपरेशन हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. अनीष कुमार जैन ने किया। ऑपरेशन में सब-वास्टस मसल स्पेयरिंग तकनीक, आधुनिक एनेस्थीसिया, मल्टीमोडल दर्द नियंत्रण और बेहतर रिकवरी प्रोटोकॉल का उपयोग किया गया। ऑपरेशन के बाद उनकी रिकवरी अच्छी रही और कोई बड़ी जटिलता नहीं हुई। डॉ. अनीष कुमार जैन ने कहा, केवल अधिक उम्र घुटना प्रत्यारोपण कराने में बाधा नहीं होनी चाहिए। सही रोगी का चयन, पूरी तरह से चिकित्सकीय तैयारी, सावधानीपूर्वक ऑपरेशन और व्यवस्थित पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के साथ, अधिक उम्र के और कई बीमारियों से पीड़ित मरीज भी बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकते हैं और फिर से अपने दैनिक जीवन में आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

मानसून में रेल सुरक्षा पर विशेष जोर, पटरियों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश

महाप्रबंधक ने रेल परिचालन सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में रेल परिचालन सुरक्षा की समीक्षा बैठक की। बैठक में दक्षिण मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष तथा सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक एवं उनकी टीमें वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुईं। बैठक में महाप्रबंधक ने रेल पटरियों के नियमित अनुरक्षण और सतत निगरानी पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे ट्रेनों का सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने माह के दौरान अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए गए सुरक्षा निरीक्षणों की समीक्षा की और मानसून के दौरान संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए स्टेशनों तथा रेल खंडों पर आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा सुरक्षा संबंधी कार्यों के दौरान विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली किसी भी कमी को तत्काल दूर किया जाए, ताकि रेल परिचालन निर्बाध बना रहे और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को रेल परिचालन से जुड़े सुरक्षा मानकों को और मजबूत करने तथा पशुओं के रेल पटरियों पर आने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंडलों को ऐसे संवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां खाई खोदने, अवरोधक लगाने जैसे निवारक उपाय करने तथा ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। महाप्रबंधक ने यह भी निर्देश दिया कि लोको पायलटों को संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दें, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर संकेतों की दृश्यता सुनिश्चित की जाए, जिससे रेल परिचालन और अधिक सुरक्षित बनाया जा सके।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंकट हॉल में आयोजित की गई।

इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि देवकीनंदन, माता गायत्री देवी जी, लक्ष्मी माता, श्री शिव परिवार, हनुमानजी, तथा माँ दुर्गा सहित पंचदेव दरबार का अलौकिक श्रृंगार किया गया। भजन गायक घनश्याम शर्मा तथा सोमेश छापरवाल ने इस अवसर पर भजनों की अमृत वर्षा की। आज के इस आयोजन में बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद के सभी सदस्यों ने बाबा का गुणगान किया तथा भजन संध्या उपरांत महाप्रसाद ग्रहण किया ।

पांच करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शन काटे गए : आनंद खरे

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दूरसंचार विभाग (डीओटी), आंध्र प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) ने साइबर धोखाधड़ी और दूरसंचार से संबंधित अपराधों से निपटने में दूरसंचार, बैंकिंग और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए सोमवार को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में आनंद खरे, महानिदेशक (दूरसंचार), दीपा अरोरा, विशेष महानिदेशक (दूरसंचार); वीसी सज्जनार, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद, हर्षवर्धन, एसपी, तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी), सीआईडी के वरिष्ठ अधिकारी, दूरसंचार विभाग मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, दूरसंचार विभाग एपी एलएसए के अधिकारी, और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। दूरसंचार महानिदेशक आनंद खरे ने कहा कि पिछले दो वर्षों में दूरसंचार विभाग की पहलों के परिणामस्वरूप पांच करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शन काटे गए हैं, 12 लाख से अधिक खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, और वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक ढांचे के माध्यम से 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के साइबर धोखाधड़ी को रोका गया है।

अधिनियम का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में एकीकृत प्रशासन को सुदृढ़ करना : जयेश रंजन

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रस्तावित तेलंगाना कोर अर्बन रीजन (एकीकृत शासन) (क्योर) अधिनियम-2026 पर जन परामर्श प्रक्रिया के तहत नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन तथा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त आर.वी. कर्णन ने आवासीय कल्याण समितियों (आरडब्ल्यूएस) के प्रतिनिधियों के साथ संवादात्मक बैठक की। बैठक में विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन ने क्योर अधिनियम के प्रमुख उद्देश्यों और महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में एकीकृत प्रशासन को सुदृढ़ करना, नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना, डिजिटल शासन व्यवस्था को मजबूत करना, महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा नागरिक-केंद्रित प्रशासन को प्रभावी बनाना है। बैठक के दौरान आवासीय कल्याण समितियों के प्रतिनिधियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने क्योर अधिनियम के तहत गठित की जाने वाली विभिन्न समितियों में आवासीय कल्याण समितियों के प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग की, ताकि नागरिकों की भागीदारी और अधिक प्रभावी हो सके।

कार से 5.5 लाख रुपये चुराने के आरोप में ड्राइवर गिरफ्तार

5.04 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तान बाजार पुलिस ने कोटी में अपने मालिक की कार से कथित तौर पर 5.5 लाख रुपये चुराने के आरोप में एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया और चोरी के पैसों से खरीदे गए मोबाइल फोन के साथ 5.04 लाख रुपये बरामद किए। आरोपी कुथड़ी हरि कुमार (33) व्यवसायी दयाराम प्रजापत के लिए ड्राइवर का काम करता था। पुलिस ने बताया कि 9 जुलाई को जब उसका मालिक बैंक स्ट्रीट पर खरीदारी कर रहा था, तब उसने वाहन से नकदी से भरा एक बैग चुरा लिया और फिर कर्नूल भाग गया। तकनीकी साक्ष्य और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसे शादनगर बस स्टैंड पर गिरफ्तार किया। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरोपी ने आर्थिक तंगी और अपर्याप्त वेतन को लेकर असंतोष के कारण चोरी की थी। पुलिस ने बताया कि हरि कुमार का आपराधिक इतिहास है, जिसमें हत्या का एक मामला भी शामिल है

जिसमें उसे दोषी ठहराया गया था, और एक अन्य मामला न्यायिक हिरासत से भागने से संबंधित है जब वह पैरोल पर था। यह गिरफ्तारी सुल्तान बाजार पुलिस के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर पी. धर्म राव ने अपनी क्राइम टीम के पुलिस सब-इंस्पेक्टर बी. सैनाथ, पुलिस कांस्टेबल एल. चंदन सिंह और पुलिस कांस्टेबल सी. संदीप की सहायता से की। यह गिरफ्तारी सुल्तान बाजार पुलिस स्टेशन के एसएचओ जी. नरेश और सुल्तान बाजार डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त एम. मत्तैया के पर्यवेक्षण में हुई।

ऑटो बैटरी चुराने का प्रयास करने वाले को जेल की सजा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुलसुमपुरा पुलिस ने 100 फीट रोड पर रात्रि गश्त के दौरान कथित तौर पर ऑटो बैटरी चुराने का प्रयास करते हुए पकड़े गए 30 वर्षीय व्यक्ति को सात दिन की कैद दिलवाई। नामपल्ली के चतुर्थ विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट एम. भास्कर (प्रभारी) ने ई-मामूली मामले में आरोपी एम. गणेश को नगर पुलिस अधिनियम की धारा 61(ख) के तहत दोषी ठहराया। गश्ती दल ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर सुबह अदालत में पेश किया, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित दोषसिद्धि हुई।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वनडे क्रिकेट और यूएसए और कनाडा टीमों को लेकर आईसीसी का बड़ा फैसला

एडिनबर्ग, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एडिनबर्ग में चल रही आईसीसी की सालाना बैठक खत्म हो गई है. 8 जुलाई से 11 जुलाई तक चली इस बैठक में आईसीसी में कुछ बड़े फैसले लिए हैं, जो कि वनडे क्रिकेट और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप से जुड़े हैं.

आईसीसी ने सालाना बैठक में यूएसए क्रिकेट और कनाडा क्रिकेट को लेकर अपना फैसला बरकरार रखा है. उसने इन दोनों क्रिकेट बोर्ड को अभी सस्पेंड रखने का ही इरादा जताया है.

आईसीसी ने कहा कि वनडे क्रिकेट में ओवर में कटौती करने का उसका फिलहाल कोई इरादा नहीं है. वनडे में लोगों की दिलचस्पी जगाने को लेकर बीच में उसके ओवर को 50 से घटाकर 40 करने की मांग उठी थी. मगर फिलहाल आईसीसी वैसा करने के मूड में नहीं है.

आईसीसी का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशप की टीम को बढ़ाकर 9 से 12 करने का भी कोई प्लान नहीं है. ऐसी बातें थी कि डब्ल्यूटीसी में अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड को भी शामिल किया जा सकता है. मगर सालाना बैठक में इस बारे में आईसीसी ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई.

मॉरीशस आईसीसी का नया सदस्य देश बन गया है. सालाना बैठक में इस पर मुहर लगती दिखी. मॉरीशस को एसोसिएट मेंबरशिप मिली है. वो आईसीसी का सदस्य बनने वाला 111वां देश है.

हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने छोड़ा सीएसके का साथ

18 साल बाद अलग हुए, कहा- टीम हमेशा दिल के करीब रहेगी

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स और उसके हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग का 18 साल पुराना साथ खत्म हो गया। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

सीएसकगे ने एक्स पर लिखा- 'हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर आईपीएल के इतिहास की सबसे सफल और लंबे समय तक चलने वाली पार्टनरशिप में से एक को साझा किया है। आपने जो विरासत बनाई है, वह हमें प्रेरित करती रहेगी। बेहद सम्मान और आभार के साथ, धन्यवाद स्टीफन।'

न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग आईपीएल के पहले सीजन में बतौर खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े थे। 2009 में उन्होंने कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली और 2010 में पहला टाइटल जिता दिया।

5 आईपीएल टाइटल जिताए

18 साल खेल में एक पूरी जिंदगी के बराबर होते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताया समय मेरे कोचिंग करियर का सबसे बड़ा सम्मान रहा। हमने साथ मिलकर यादगार जीत हासिल कीं। मुश्किल दौर देखे और ऐसी यादें बनाईं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। सीएसके हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मैं आगे भी टीम को सपोर्ट करता रहूंगा।

फ्लेमिंग की रणनीति, शांत नेतृत्व और खिलाड़ियों पर भरोसा सीएसके की पहचान बन गया। उनकी और एमएस धोनी की जोड़ी को आईपीएल इतिहास की सबसे सफल कोच-कप्तान जोड़ियों में गिना जाता है।

सीएसके का आखिरी आईपीएल खिताब 2023 में आया था। इसके बाद टीम का प्रदर्शन लगातार गिराता गया। टीम 2024 में 5वें स्थान पर रही। फिर 2025 में आखिरी स्थान पर फिसल गई, जबकि 2026 सीजन में 8वें स्थान पर रहकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

ऐसे में फ्रेंचाइजी ने नए दौर की शुरुआत का फैसला किया और फ्लेमिंग के साथ लंबे और सफल अध्याय का अंत हो गया। सीएसके ने अपने बयान पर कहा यह निर्णय दोनों पक्षों के बीच हुई खुली और सकारात्मक चर्चा के बाद लिया गया। फ्रेंचाइजी ने नए हेड कोच के नाम का ऐलान नहीं किया है। उसने यह भी क्लियर नहीं किया गया कि फ्लेमिंग टेक्सास सुपर किंग्स और जोबर्ग सुपर किंग्स के साथ अपनी कोचिंग भूमिका जारी रखेंगे या नहीं।

राहुल द्रविड़ बन सकते हैं इंग्लैंड टेस्ट टीम के कोच

एंडी फ्लावर, फ्लिंटॉफ और लैंगर के नाम पर भी चर्चा; मैकुलम को हटाया

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ इंग्लैंड की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच बनने की दौड़ में शामिल हैं। ब्रेंडन मैकुलम के पद छोड़ने के बाद ईसीबी (इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड) पॉसिबल कैंडीडेट्स के नाम पर विचार कर रहा है, जिसमें द्रविड़ का नाम भी है।

डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार द्रविड़ उन चुनिंदा कैंडीडेट्स में शामिल हैं, जिन पर ईसीबी विचार कर रहा है। इस लिस्ट में एंडी फ्लावर, एंड्र्यू फ्लिंटॉफ और जस्टिन लैंगर जैसे नाम शामिल हैं। एक दिन पहले रविवार 12 जुलाई को ईसीबी ने मैकुलम को टेस्ट कोच के पद हटाने की जानकारी दी।

द्रविड़ की कोचिंग स्ट्राइल बनी बड़ी ताकत

द्रविड़ की प्लांड कोचिंग, खिलाड़ियों को विकसित करने की क्षमता और लंबे समय की सोच उन्हें इस पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है। 53 साल द्रविड़ के कार्यकाल में भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। टीम 2023 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी। भारत की अंडर-19 और ए टीम के साथ उनका काम भी काफी सराहा गया है।

रिपोर्ट में यह भी लिखा गया है कि द्रविड़ फुलटाइम कोचिंग की जिम्मेदारी लेने के इच्छुक नहीं हैं। इंग्लैंड की टेस्ट टीम का कोच बनने पर उन्हें परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा और टेस्ट क्रिकेट में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा। इसलिए ईसीबी कम से कम उनकी रुचि जरूर जानना चाहेगा।

पूर्व जिम्बाब्वे कप्तान एंडी फ्लावर भी इस पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। उनके कार्यकाल में इंग्लैंड ने तीन एशेज सीरीज जीती थीं। साथ ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया था।

रिचर्ड डॉसन, श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन के नाम भी संभावित उम्मीदवारों में शामिल बताए जा रहे हैं।

ईसीबी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए जल्द ही नए टेस्ट मुख्य कोच की नियुक्ति करना चाहता है।

महाराज ट्रॉफी फाइनल में द्रविड़ के बेटे का दोहरा प्रदर्शन: फिर भी टीम हारी

बेंगलुरु, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने महाराजा ट्रॉफी के फाइनल मैच में दोहरा प्रदर्शन किया है। उन्होंने बेंगलुरु ब्लास्टर्स की ओर से 37 रन बनाए। साथ ही 4 विकेट भी झटके। हालांकि, ऑलराउंड प्रदर्शन के बावजूद वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को खेले फाइनल को शिवमोगा योद्धा ने 4 विकेट से जीत लिया। उसके कप्तान लुवनिथ सिसोदिया ने 45 गेंदों पर 87 रन की मैच विनिंग पारी खेली। लुवनिथ प्लेयर ऑफ द फाइनल चुने गए। जबकि, अभिलाष शेट्टी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। शेट्टी ने 18 विकेट झटके। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 185 रन बनाए। समित द्रविड़ ने 37 गेंदों पर 37 रन बनाए। उन्होंने कप्तान शुभांग हेगड़े (31 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी की।

186 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शिवमोगा ने 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन बनाकर मैच खत्म कर दिया। अंत में अनीश केवी 19 गेंदों में 38 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम को जीत दिलाई।

कप्तान लुवनिथ सिसोदिया ने 9 चौके और 4 छक्कों की मदद से 87 रन बनाए। उन्होंने पहले नवीन एमजी के साथ 68 रन और फिर अनीश केवी के साथ सिर्फ 22 गेंदों में 53 रन जोड़कर मैच शिवमोगा के पक्ष में कर दिया।

सिनर ने लगातार दूसरी बार विंबलडन जीता

ज्वेरेव को चार सेट में हराया

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ 24 वर्षीय सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने। वे ओपन एरा में विंबलडन पुरुष एकल खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी बन गए।

24 साल के सिनर ने पहली बार फाइनल खेल रहे में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीती। यह मैच 3 घंटे 46 मिनट तक चला। इसी के साथ सिनर ने करियर का 100वां ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अचीवमेंट भी हासिल की।

चैंपियन बनने पर सिनर को 36 लाख पाउंड (करीब 42 करोड़) की इनामी राशि भी मिली। वे एटीपी रैंकिंग में नंबर-1 बने रहेंगे। उनके और नए नंबर-2 बनने वाले ज्वेरेव के बीच 4,970 अंकों का अंतर रहेगा।

यह सिनर के करियर का 5वां ग्रैंड स्लैम और 2026 सीजन का पहला मेजर खिताब है। इससे पहले वे फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से हारकर बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने ग्रास कोर्ट पर शानदार वापसी की। सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में हराने के बाद फाइनल में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया।

फाइनल का पहला सेट टाई-ब्रेक तक पहुंचा, जहां ज्वेरेव ने बढ़त बना ली। फिर सिनर ने दूसरे सेट का टाई-ब्रेक जीतकर मुकाबले में बराबरी की।

तीसरे और चौथे सेट में उन्होंने एक-एक बार ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और पूरे मैच में अपने खिलाफ मिले इकलौते ब्रेक प्वाइंट को भी बचा लिया।

सिनर ने मुकाबले में 58 विनर्स लगाए और पहला चैंपियनशिप प्वाइंट भुनाते ही कोर्ट पर लेटकर जीत का जश्न मनाया।

सिनर ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 10वीं जीत दर्ज की। वहीं जर्मन खिलाड़ी का लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने के बावजूद दूसरा मेजर खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। यह सिनर का 2026 सीजन का छठा एटीपी खिताब है। इससे पहले वह रोम मास्टर्स जीतकर करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा कर चुके हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप : सेमीफाइनल में 35 साल बाद सभी पूर्व चैंपियंस

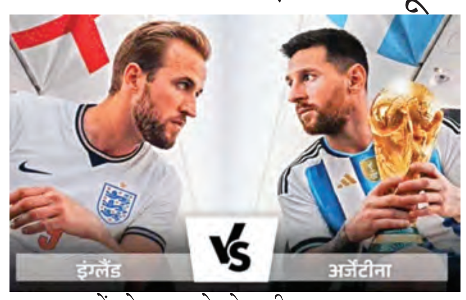

अटलांटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। फुटबॉल की चार दिग्गज टीमें- अर्जेंटीना, इंग्लैंड, फ्रांस और स्पेन ने टॉप-4 में प्रवेश किया है। 1990 के बाद यह पहला मौका है, जब वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में सिर्फ पूर्व चैंपियन टीमें पहुंची हैं।

एक खास बात और है, ये चारों टीमें फीफा रैंकिंग में टॉप-4 में शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब रैंकिंग की टॉप-4 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची हैं और खिताब से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

मंगलवार को किलियन एम्बाप्पे की फ्रांस और लामिन यमाल के स्पेन आमने-सामने होंगे, जबकि बुधवार को लियोनेल मेसी की अर्जेंटीना और हैरी केन की इंग्लैंड के बीच मैच खेला जाएगा।

अर्जेंटीना और इंग्लैंड की भिड़ंत सिर्फ फुटबॉल तक सीमित नहीं रही है। 1982 के फॉकलैंड युद्ध से लेकर वर्ल्ड कप के कई विवादित मुकाबलों तक दोनों देशों की राइवलरी काफी पुरानी है।

1986 वर्ल्ड कप में डिएगो माराडोना के चर्चित 'हैंड ऑफ गॉड' गोल की बदौलत अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराया था। 1998 में डेविड बेकहम को रेड कार्ड मिला और अर्जेंटीना ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की।

2002 में बेकहम ने पेनल्टी गोल कर इंग्लैंड को जीत दिलाई थी। अब मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरा खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगा। दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस और स्पेन की टक्कर होगी। दोनों टीमें 2 साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भी भिड़ी थीं, जहां स्पेन ने 2-1 से जीत दर्ज की थी। फ्रांस के पास किलियन एमबाप्पे, माइकल ओलिसे और डिजिरे डुए जैसे स्टार खिलाड़ी हैं, जबकि स्पेन की उम्मीदें युवा स्टार लामिन यामाल और मिडफील्डर मिकेल मेरिनो पर टिकी होंगी। मेरिनो ने लगातार दो नॉक आउट मुकाबलों में निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिलाई है।

39 साल लियोनेल मेसी अपने करियर का आखिरी वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उनके नाम विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा 21 गोल हैं। अगर मेसी अर्जेंटीना को लगातार दूसरा वर्ल्ड कप दिलाने में सफल रहते हैं, तो वह डिएगो माराडोना के बराबर नहीं, बल्कि उनसे भी आगे निकल जाएंगे।

अर्जेंटीना अगर खिताब जीतता है तो वह 1962 के बाद लगातार दो वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ब्राजील और इटली यह कारनामा कर चुके हैं।

युवराज और अभिषेक के साथ वैभव सूर्यवंशी ने देखा विंबडलन का मैच, बताया कौन है पसंदीदा टेनिस खिलाड़ी

विंबलडन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए युवा सितारे 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने पहली बार विंबलडन के ऐतिहासिक सेंटर कोर्ट पहुंचकर एक यादगार अनुभव हासिल किया। वैभव के साथ पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह और भारतीय टी20 टीम के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन भी मौजूद थे। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी वैभव इस प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड क्लब के माहौल का लुत्फ उठाते नजर आए।

वैभव ने पहली बार खेल जगत के इस ऐतिहासिक मैदान पर आने के अपने अनुभव को साझा किया। वैभव ने जियो स्टार से कहा, मैं विंबलडन के पुरुष एकल का फाइनल मैच देखने आया। मैं यह देखना चाहता था कि लाइव टेनिस मैच देखने का अनुभव कैसा होता है और खिलाड़ी फाइनल के भारी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं। यह मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव रहा।

टेनिस के प्रति अपनी दिलचस्पी का खुलासा करते हुए इस युवा क्रिकेटर ने बताया कि वह पिछले चार-पांच वर्षों से इस खेल को करीब से फॉलो कर रहे हैं। उन्होंने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच को अपना पसंदीदा खिलाड़ी बताया, जिन्हें वह बचपन से देखते आ रहे हैं। वैभव ने कहा, मैं नडाल और जोकोविच को बहुत देखता था। मुझे जोकोविच बेहद पसंद हैं, लेकिन यही वो दो खिलाड़ी हैं जिन्हें मैंने सबसे ज्यादा फॉलो किया है।

इस साल विंबलडन में भारतीय क्रिकेटरों की भारी मौजूदगी देखने को मिली। वैभव से पहले, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल भी पुरुष एकल वर्ग का सेमीफाइनल देखने प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स पहुंचे थे। सचिन के लिए विंबलडन उनका पसंदीदा खेल आयोजन रहा है, वहीं शुभमन गिल का यह पहला विंबलडन अनुभव था। रविवार को सेंटर कोर्ट की सुर्खियों में युवा पीढ़ी का दबदबा रहा। वैभव ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया। ये सीरीज खत्म होने के बाद वैभव ने अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के साथ फाइनल का आनंद लिया जहां युवराज भी मौजूद रहे।

वैभव से पूछा गया कि वह किस क्रिकेटर को टेनिस कोर्ट पर अपना डबल्स पार्टनर चुनना चाहेंगे? इस पर मुस्कुराते हुए वैभव ने कहा, मैंने पहले ही अभिषेक भैया का नाम लिया है। चूंकि वह क्रिकेट में मेरे ओपनिंग पार्टनर हैं, इसलिए मैं टेनिस में भी उन्हीं को अपना जोड़ीदार चुनूंगा।

स्विट्जरलैंड में जमकर पसीना बहा रहे नीरज चोपड़ा

ग्लास्गो में अरशद नदीम से होगी बड़ी टक्कर

खेल डेस्क, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 से पहले भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड के बिएन स्थित अपने ट्रेनिंग बेस पर कड़ी तैयारी में जुटे हैं। संभावना है कि वह किसी अन्य प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के बजाय सीधे ग्लास्गो पहुंचेंगे, जहां 23 जुलाई से राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन शुरू होगा। नीरज चोपड़ा ने 2018 के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि 2022 बर्मिंघम खेलों में चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सके थे। इस बार वह अपने करियर के दूसरे राष्ट्रमंडल खेलों में उतरेंगे। इस साल जून में आयोजित दोहा डायमंड लीग में नीरज ने 85.69 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए चौथा स्थान हासिल किया था। अब उनकी निगाहें ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर हैं। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालिफिकेशन राउंड 30 जुलाई को होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 31 जुलाई को खेला जाएगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने नीरज को यह फैसला खुद लेने की छूट दी थी कि वे राष्ट्रमंडल खेलों से पहले किसी प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं या नहीं। फिलहाल संकेत यही हैं कि वह स्विट्जरलैंड से सीधे ग्लास्गो रवाना होंगे। नीरज ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रेनिंग की तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं। उन्होंने स्विट्जरलैंड के दिग्गज शॉटपुट खिलाड़ी और तीन बार के विश्व चैंपियन वर्नर गुंथोर से भी मुलाकात की। हालांकि, यह अभी साफ नहीं है कि नीरज पूरी तरह फिट हैं या नहीं। सितंबर 2025 में विश्व चैंपियनशिप से पहले उन्हें पीठ में चोट लगी थी, जिससे वह अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। दोहा डायमंड लीग के बाद नीरज ने कहा था कि उनकी स्थिति पहले से बेहतर है, लेकिन शरीर अभी पूरी तरह पुराने स्तर पर नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा था कि उनका उद्देश्य केवल अपनी ट्रेनिंग के अनुरूप प्रदर्शन करना था और 85.69 मीटर के थ्रो से वह संतुष्ट थे। उनका मानना है कि वह धीरे-धीरे अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में लौट रहे हैं।

आनंद सिंह ने किया कमाल

पहली बार 80.57 मीटर दूर फेंका भाला

करियर के बेस्ट थ्रो से जीता गोल्ड

ओरडोस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारत के आनंद सिंह ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। चीन के ओरडोस में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने 80.57 मीटर का करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। इसके साथ ही उन्होंने पहली बार 80 मीटर का आंकड़ा भी पार किया।

22 वर्षीय आनंद सिंह ने अपने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में 80.57 मीटर का पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। उन्होंने अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में 2.89 मीटर का सुधार करते हुए 80 मीटर की दूरी पार की।

उत्तर प्रदेश के आनंद सिंह ने इस चैंपियनशिप में 77.68 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने यह प्रदर्शन 28 जून को भुवनेश्वर में आयोजित नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किया था। वह थ्रो प्रतियोगिता के छठे और अंतिम राउंड में आया था। उस प्रतियोगिता में वह रोहित यादव, यशवीर सिंह और सचिन यादव के बाद चौथे स्थान पर रहे थे।

इस साल की शुरुआत में पटियाला में आयोजित इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में भी आनंद सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 76.94 मीटर का थ्रो कर दूसरा स्थान हासिल किया था। इससे पहले एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने 9 से 12 जुलाई तक ओरडोस में आयोजित एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 54 सदस्यीय भारतीय ट्रैक एंड फील्ड टीम का चयन किया था।

सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर जनता का धन लूटा : भट्टी

विशेषज्ञों की अनदेखी के कारण कालेश्वरम विफल हो गया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने पिछली बीआरएस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मात्र तीन वर्षों में कालेश्वरम बांध का ढह जाना विशेषज्ञों और इंजीनियरों से परामर्श किए बिना लिए गए निर्णयों का परिणाम था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं के नाम पर जनता का धन लूटा और उसे बर्बाद कर दिया। भट्टी विक्रमार्क ने सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ सोमवार को मुलुगु जिले में जे. चोक्का राव देवदुला परियोजना का दौरा किया।

उन्होंने सिंचाई अधिकारियों के साथ वर्तमान जल भंडारण क्षमता और गोदावरी नदी में आने वाले पानी की समीक्षा की और एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने पूर्व बीआरएस सरकार के नेताओं की इंजीनियरों की अनदेखी करने और एकतरफा फैसले लेने के लिए आलोचना की। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे पूर्व नेताओं ने दावा किया था कि कालेश्वरम का निर्माण उन्होंने अकेले अपनी बुद्धिमत्ता से किया था और इंजीनियरों को दरकिनार कर दिया था। उन्होंने कहा, अगर इसका निर्माण इंजीनियरों की सलाह के अनुसार किया गया होता, तो यह आज नहीं ढहता। भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस नेताओं पर गंभीर गलतियां करने के बाद भी जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बांधों की विफलता को लेकर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए भट्टी विक्रमार्क ने सवाल उठाया कि अगर बहती नदियों से सीधे पानी उठाया जा सकता था तो बांध क्यों बनाए गए थे। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान घटिया निर्माण के कारण मेडिगड्डा के खंभे धंस गए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के विशेषज्ञों ने बांधों का निरीक्षण किया और चेतावनी दी कि पानी जमा करने से बांध ढह सकते हैं, इसलिए गेट खुले रखने की सलाह दी गई है।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद, बीआरएस नेता गलत सूचना फैलाना जारी रखे हुए हैं, जिसे उन्होंने "गोएबल्स-शैली का दुष्प्रचार" बताया। हालांकि, इतना पानी जमा करने के लिए गेट बंद करना आवश्यक है, जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि इससे नींव को नुकसान पहुंच सकता है और बांध पूरी तरह से ढह सकता है। इसलिए, जब तक पूरी मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक बाढ़ के पानी को सुरक्षित रूप से निकलने देने के लिए गेट खुले रहेंगे। अल नीनो के कारण सूखे की स्थिति को देखते हुए, सरकार का लक्ष्य देवदुला परियोजना के तहत 22 जलाशयों को भरना है। उन्होंने बताया कि लंबित कार्यों में तेजी लाने के लिए भूमि अधिग्रहण (58 करोड़ रुपये), लंबित कार्यों (74 करोड़ रुपये) और रखरखाव (14 करोड़ रुपये) के लिए 146 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि देवदुला परियोजना के तहत, गोदावरी बेसिन के लगभग 12 जिलों को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 10 पंप लगातार संचालित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार देवदुला परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित करने को तैयार है। इसके अतिरिक्त, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि देवदुला और सीताराम परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाएगा ताकि पूर्व वारंगल और खम्मम जिलों को पानी की आपूर्ति की जा सके।

आदतन वाहन चोर गिरफ्तार, 7 चोरी की बाइक बरामद

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चारमीनार टास्क फोर्स और गुडीमलकापुर पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी के एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया और हैदराबाद और मल्काजगिरि कमिश्नरेट में वाहन चोरी के आठ मामलों को सुलझाया। पुलिस ने सात चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की। आरोपी शम्स बिलाल उर्फ बिलाल (28), तालाब कट्टा इलाके का रहने वाला कार चालक है, पहले भी दोपहिया वाहन चोरी के 18 मामलों में अपराधी रह चुका है।

पुलिस ने बताया कि जेल से रिहा होने के बाद उसने वाहन चोरी करना फिर से शुरू कर दिया था। वह सार्वजनिक स्थानों और रिहायशी इलाकों में खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बनाता था ताकि शराब की लत और निजी खर्चों को पूरा कर सके। चारमीनार टास्क फोर्स और गुडिमलकपुर पुलिस द्वारा सूचना मिलने पर चलाए गए अभियान के बाद उसके कबूलनामे के आधार पर वाहन बरामद किए गए। यह मामला पुलिस निरीक्षक एस. सैदाबाबू, चारमीनार जोन टास्क फोर्स टीम, एसआई के. रामा राव, एम. महेश और एम. मधु, पुलिस कांस्टेबल टी. प्रशांत, कमिश्नर टास्क फोर्स, चारमीनार जोन की टीम और हैदराबाद के गुडिमलकपुर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों की देखरेख में सुलझाया गया।

कम बारिश से तेलंगाना में गहराया पेयजल संकट

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मानसून की कमजोर बारिश और अल नीनो के प्रभाव के कारण पेयजल संकट गहराने लगा है। जुलाई का आधा महीना बीतने के बावजूद पर्याप्त वर्षा नहीं होने से राज्य के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। कई इलाकों में पानी की आपूर्ति सप्ताह में केवल एक बार की जा रही है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। मिशन भागीरथ के तहत 29 प्रमुख जलाशयों से 123 जल शोधन संयंत्रों को पानी उपलब्ध कराया जाता है।

इन जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 1,059 टीएमसी फीट है, लेकिन वर्तमान में इनमें केवल 333.44 टीएमसी फीट पानी बचा है। पिछले वर्ष इसी समय यह भंडारण 522.31 टीएमसी फीट था, जिससे इस बार स्थिति अधिक गंभीर मानी जा रही है। उत्तरी तेलंगाना के कई जलाशयों में जलस्तर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। श्रीरामसागर परियोजना में उपयोग योग्य पानी बहुत कम बचा है, जबकि लोअर मनैर, येल्लमपल्ली, निजामसागर, सिंगुर, नागार्जुन सागर, कोइलसागर और अन्य जलाशयों में भी जल भंडार तेजी से घट रहा है। हैदराबाद सहित करीमनगर, वारंगल, नालगोंडा, खम्मम, महबूबनगर, कामारेड्डी, मेदक और संगारेड्डी जैसे जिले इन्हीं जलाशयों पर निर्भर हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा जल भंडार सितंबर के अंत तक ही पर्याप्त रहने का अनुमान है। हैदराबाद की पेयजल जरूरतों को देखते हुए सिंगुर जलाशय में न्यूनतम जल भंडार बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही अगले 45, 90 और 180 दिनों की जल उपलब्धता का प्रतिदिन आकलन किया जा रहा है। राज्य में भूजल स्तर में भी लगातार गिरावट दर्ज की गई है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार स्थानीय जल स्रोतों का उपयोग, बोरवेलों की सफाई और गहराई बढ़ाने, अतिरिक्त बोरवेल किराये पर लेने तथा वर्षा जल संचयन जैसी तैयारियां कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द व्यापक वर्षा नहीं हुई और समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो तेलंगाना को हाल के वर्षों के सबसे गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

फ्लाईओवर पर बाइक हादसे में युवक की मौत

तेज रफ्तार बनी दुर्घटना की वजह, साथी गंभीर

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली क्षेत्र में सोमवार को एक फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई।

हादसे में 25 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन शिव साई पवन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार सहकर्मी उमा प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि दुर्घटना तेज गति के कारण हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक शिव साई पवन बाचुपल्ली की रेणुका येल्लम्मा कॉलोनी में रहता था और अर्बन राइज अपार्टमेंट्स में इलेक्ट्रीशियन के रूप में कार्यरत था।

वह मूल रूप से आंध्र प्रदेश के ओंगोल जिले के चिमाकुर्थी स्थित पल्लमल्ली गांव का निवासी था। घायल उमा प्रसाद मियापुर की एचएमटी कॉलोनी में रहता है और वह भी इलेक्ट्रीशियन है। उसका मूल निवास आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के थल्लारेवु मंडल का पल्लीपलम गांव है। घटना के बाद पुलिस ने घायल उमा प्रसाद को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जबकि शिव साई पवन के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बाचुपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच शुरू कर दी है।

17 जुलाई को श्रीवारी मंदिर में अनिवारा अस्थानम

तिरुमला, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वार्षिक बजट उत्सव के उपलक्ष्य में, पारंपरिक मंदिर सफाई अनुष्ठान, अलवार तिरुमंजनम, अनिवारा अस्थानम के तहत 14 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इन दो धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर, टीटीडी ने प्रोटोकॉल के गणमान्य व्यक्तियों को छोड़कर इन दोनों दिनों में वीआईपी ब्रेक दर्शन रद्द कर दिए हैं। इसलिए 16 जुलाई को वीआईपी ब्रेक दर्शन के लिए कोई भी अनुशंसा पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे इन परिवर्तनों पर ध्यान दें और टीटीडी के साथ सहयोग करें। दूसरी ओर, अनिवारा अस्थानम के बाद 17 जुलाई को कल्याणोत्सवम, उंजाल सेवा, अर्जिता ब्रह्मोत्सवम और सहस्र दीपालंकार सेवा भी रद्द कर दी गई है।

मेदक में सांप के काटने से बच्ची की मौत, मां की हालत गंभीर

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के चिन्ना शंकरमपेट मंडल के मल्लपल्ली गांव में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। घर में घुसे जहरीले सांप के काटने से आठ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी मां की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात हरिका (8) और उसकी मां लावण्या (31) घर में सो रही थीं। इसी दौरान एक जहरीला सांप घर में घुस आया और दोनों को डस लिया। बच्ची की नींद में ही मौत हो गई, जबकि मां की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार लावण्या की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस और बीआरएस ने किसानों के साथ विश्वासघात किया : सुभाष

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस और बीआरएस दोनों पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया और कृषि और सिंचाई के मुद्दों से निपटने के तरीके को लेकर दोनों पार्टियों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा किसानों को पानी की संभावित कमी के कारण धान की खेती से हटकर दूसरी खेती करने की सलाह देना, पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा अपनाए गए रुख की ही तरह है, जिन्होंने बीआरएस शासन के दौरान भी किसानों से धान की खेती से बचने का आग्रह किया था। कांग्रेस सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए सुभाष ने पूछा कि सरकार को पहले से जानकारी होने के बावजूद जल संकट को टालने के लिए पर्याप्त उपाय क्यों नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि सिंचाई और जल प्रबंधन को मजबूत किए बिना केवल किसानों को चेतावनी देना शासन की विफलता को स्वीकार करने के समान है। भाजपा नेता ने रेवंत रेड्डी द्वारा राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ की गई टिप्पणियों की भी आलोचना करते हुए भाषा को मुख्यमंत्री के लिए अनुचित बताया और सरकार से संवैधानिक पद की गरिमा को बनाए रखने का आग्रह किया। सुभाष ने कांग्रेस-बीआरएस के टकराव को राजनीतिक नाटक बताते हुए कहा कि दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप लगा रही हैं जबकि किसान लगातार परेशानी झेल रहे हैं।

एसआईआर-2026 के लिए बीएलओ और राजनीतिक दलों के बीच समन्वय का आग्रह

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर)-2026 की प्रगति की समीक्षा करने के लिए साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। डीईओ ने घर-घर जाकर की जा रही जनगणना, जनगणना प्रपत्रों के संग्रह और डिजिटलीकरण की स्थिति के बारे में प्रतिनिधियों को जानकारी दी और यह सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ), बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) और राजनीतिक दलों के बीच घनिष्ठ समन्वय के महत्व पर जोर दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता को कवर किया जाए। बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने मतदाता जागरूकता, बीएलओ की उपलब्धता, जनगणना प्रपत्रों के संग्रह और डिजिटलीकरण केंद्रों से संबंधित मुद्दे उठाए। डीईओ ने मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) को टॉम-टॉम और सैट ऑटो प्रचार के माध्यम से मतदाता जागरूकता बढ़ाने, नागरिकों और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने और भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने दोहराया कि जनगणना प्रपत्र के साथ आधार कार्ड सहित किसी भी दस्तावेज पर जोर नहीं दिया जाएगा और न ही उसे एकत्र किया जाएगा। डीईओ ने आगे निर्देश दिया कि सभी बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजर जनगणना अवधि के दौरान सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक अपने-अपने निर्धारित फील्ड क्षेत्रों में उपलब्ध रहें। ईआरओ/एईआरओ को यह भी निर्देश दिया गया था कि वे राजनीतिक दलों के साथ साप्ताहिक बैठकों के दौरान बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षकों और गणना प्रपत्रों के संग्रह और डिजिटलीकरण के लिए नामित केंद्रों की अद्यतन सूचियां प्रस्तुत करें। चुनाव आयोग के निदेशक मंडल ने प्रतिनिधियों से सुझाव आमंत्रित किए और आश्वासन दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी वास्तविक मुद्दों का शीघ्र समाधान किया जाएगा।

रियाद से आई उड़ान में बम की धमकी

तलाशी में कुछ नहीं मिला, जांच जारी

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब रियाद से आने वाली एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में विस्फोटक होने का दावा करने वाला ईमेल मिला। सूचना मिलते ही हवाई अड्डा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल आपात सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद सभी यात्रियों को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने विमान की गहन तलाशी ली। जांच के दौरान विमान में कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद धमकी को झूठा करार दिया गया। आरजीआईए पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियां तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही हैं। उधर, सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद हवाई अड्डे का संचालन सामान्य रूप से जारी रहा।

फ्लैट में आग लगने से लाखों का नुकसान

फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से हादसे की आशंका

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के पोथिरेड्डीपल्ली स्थित गायत्री श्रीनिवासम अपार्टमेंट में सोमवार सुबह एक फ्लैट में भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण फ्रिज में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हादसे में घरेलू सामान, कपड़े और नकदी सहित करीब 50 लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब छह बजे फ्लैट के मालिक संतोष यादव घर से बाहर निकले थे, जबकि उनकी पत्नी लीला घर में मौजूद थीं। इसी दौरान अचानक आग लग गई। लीला ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई और पड़ोसियों की मदद से दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। उनकी सतर्कता से आग को अपार्टमेंट के अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोक लिया गया। हालांकि, प्रभावित फ्लैट में रखा अधिकांश कीमती सामान पूरी तरह जल गया।

बच्चे के स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है कृमि संक्रमण : स्वास्थ्य मंत्री

तेलंगाना में 96.81 लाख बच्चों के लिए एल्बेंडाजोल टैबलेट वितरण शुरू

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने सोमवार को बच्चों में आंतों के कीड़े के संक्रमण को रोकने के लिए राज्यव्यापी अल्बेंडाजोल टैबलेट वितरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन हैदराबाद के राजभवन गवर्नमेंट हाई स्कूल में किया गया, जहां मंत्री ने स्वयं छात्रों को गोलियां वितरित कीं। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि वे यह सुनिश्चित करें कि 1 से 19 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को एल्बेंडाजोल की गोली अवश्य मिले। उन्होंने कहा कि आंतों में कृमि संक्रमण से बच्चों में एनीमिया, कुपोषण, विकास में रुकावट और वजन कम होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मंत्री ने कहा कि भले ही कृमि संक्रमण प्रत्यक्ष रूप से दिखाई न दे, फिर भी यह बच्चे के समग्र स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, उन्होंने अभिभावकों से राज्य भर के सरकारी और निजी स्कूलों, जूनियर कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों में चलाए जा रहे कृमिनाशक अभियान में पूर्ण सहयोग करने का आग्रह किया। राजनरसिम्हा ने समझाया कि कृमिनाशक दवा आंतों के कीड़ों को खत्म करने में मदद करती है, बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करती है, भोजन से पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को सक्षम बनाती है, रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है और एकाग्रता और सीखने की क्षमता को बढ़ाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय कृमिनाशक कार्यक्रम केवल गोलियां खिलाने तक ही सीमित नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे बच्चों और अभिभावकों में व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता बनाए रखने, साबुन से हाथ धोने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने और फल-सब्जियों को खाने से पहले अच्छी तरह धोने के बारे में जागरूकता पैदा करें। इस कार्यक्रम को स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल कल्याण विभाग के समन्वय से कार्यान्वित किया जा रहा है। तेलंगाना में 1 से 19 वर्ष की आयु के कुल 96,81,855 बच्चों और छात्रों को सरकारी और निजी स्कूलों, जूनियर कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से एल्बेंडाजोल की गोलियां प्राप्त होंगी।

जो बच्चे किसी भी कारण से निर्धारित दिन पर टैबलेट प्राप्त करने में असमर्थ होंगे, उन्हें 20 जुलाई को एक अतिरिक्त दौर के दौरान कवर किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक दानम नागेंद्र, एमएलसी अद्दांकी दयाकर, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. क्रिस्टीना जेड चोंगथु, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त डॉ. संगीता सत्यनारायण, हैदराबाद डीएमएचओ डॉ.पी. श्रीनिवास और अन्य ने भाग लिया।

पिछले दो वर्षों में देशभर में रिकॉर्ड 60 हजार मामलों का निपटारा : किशोर मकवाना

एनसीएससी अध्यक्ष ने नवीनीकृत हैदराबाद कार्यालय का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने सोमवार को हैदराबाद के सीजीओ टावर्स में पुनर्निर्मित एनसीएससी राज्य कार्यालय का उद्घाटन किया और अनुसूचित जातियों और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के प्रति आयोग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सभा को संबोधित करते हुए मकवाना ने कहा कि आयोग ने पिछले दो वर्षों में देशभर में रिकॉर्ड 60 हजार मामलों का निपटारा किया है, जो इसके इतिहास में सबसे अधिक निपटारे की दर है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत कार्यरत एनसीएससी, डॉ.बी.आर. अंबेडकर की परिकल्पना के अनुरूप अनुसूचित जातियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एनसीएससी सदस्य वड्डेपल्ली रामचंदर ने कहा कि आयोग के पास नोटिस जारी करने, अधिकारियों को तलब करने और नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई करने की वैधानिक शक्तियां हैं। उन्होंने एमएसएमई और कल्याणकारी पहलों के माध्यम से अनुसूचित जाति के उद्यमियों को अधिक समर्थन देने का भी आह्वान किया। एनसीएससी के सचिव गुडे श्रीनिवास ने शिकायतों के निवारण में तेजी लाने और पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने के लिए डिजिटल प्रणालियों के उपयोग और केंद्र और राज्य सरकारों के बीच मजबूत समन्वय पर जोर दिया। हैदराबाद कार्यालय के प्रदर्शन को प्रस्तुत करते हुए निदेशक डॉ. जी. सुनील कुमार बाबू ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय ने 2024-26 के दौरान 10,853 शिकायतों का निपटारा किया और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पीड़ितों को 33.8 करोड़ रुपये की राहत प्रदान की।

स्तनपान में गिरावट पर बढ़ी चिंता

विशेषज्ञों ने फॉर्मूला दूध प्रचार पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश में शिशुओं को जन्म के बाद पहले छह माह तक केवल स्तनपान कराने की दर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) में यह दर 63.7 प्रतिशत थी, जो नवीनतम एनएफएचएस-6 के आंकड़ों में घटकर 55.8 प्रतिशत रह गई है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावसायिक मिल्क फॉर्मूला (सीएमएफ) के अप्रत्यक्ष प्रचार ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में शिशु दूध विकल्प, फीडिंग बोतल और शिशु खाद्य पदार्थ (आईएमएस) अधिनियम के तहत शिशु फॉर्मूला के सीधे विज्ञापन पर रोक है।

इसके बावजूद कई कंपनियां सोशल मीडिया अभियानों, विशेषज्ञों की राय, वेबिनार और प्रभावशाली हस्तियों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से अपने उत्पादों का प्रचार कर रही हैं। इससे माता-पिता के बीच फॉर्मूला दूध को लेकर भरोसा बढ़ाया जा रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि फॉर्मूला मिल्क की सरोगेट मार्केटिंग तेजी से बढ़ रही है और कंपनियां आईएमएस अधिनियम की खामियों का लाभ उठाकर अपने उत्पादों को बढ़ावा दे रही हैं। उनके अनुसार, कुछ चिकित्सकों और सोशल मीडिया हस्तियों की भागीदारी से माता-पिता पर इसका प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि नई माताएं, विशेषकर सिजेरियन प्रसव के बाद, ऐसे प्रचार से प्रभावित होकर स्तनपान जल्दी छोड़ देती हैं और फॉर्मूला दूध को बेहतर विकल्प मानने लगती हैं। उनका कहना है कि स्तनपान शिशु के पोषण, रोग प्रतिरोधक क्षमता और स्वस्थ विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए माताओं में जागरूकता बढ़ाने और स्तनपान को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पहले से अधिक है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.